रिपोर्ट के मुताबिक भारत में फरवरी में रिकार्ड 4.25 लाख यात्री वाहनों की बिक्री-8

कर्मचारी भविष्य निधि जमा पर ब्याज दर 8.25 प्रतिशत पर बरकरार-8

सीमा पर बाड़ लगाने के लिए 105 एकड़ जमीन देगी बंगाल सरकार-9

मैंने फोन और सोशल मीडिया बंद कर दिया और अंतरात्मा की आवाज सुनी : सैमसन-10

आज का मौसम
30.0⁰ अधिकतम तापमान
16.0⁰ न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.37
सूर्यास्त 06.13

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| बरेली |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ · बरेली · कानपुर · मुरादाबाद · अयोध्या · हल्द्वानी

फाल्गुन शुक्ल पक्ष पूर्णिमा 05:07 उपरांत प्रतिपदा विक्रम संवत 2082

मंगलवार, 3 मार्च 2026, वर्ष 7, अंक 98, पृष्ठ 12+4 · मूल्य 6 रुपये

न्यूज ब्रीफ

होली का उत्सव शांति सौहार्द और जिम्मेदारी के साथ मनाएं : महाना

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने रंगों के पावन पर्व होली के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी है। उन्होंने कहा कि होली भारतीय संस्कृति का एक महत्वपूर्ण और जीवंत पर्व है, जो हमें आपसी मतभेदों और कटुता को भुलाकर एक-दूसरे के प्रति सद्भाव, सहयोग और अपनत्व की भावना को सुदृढ़ करने की प्रेरणा देता है।

दून में अब पासपोर्ट ऑफिस को बम से उड़ाने की धमकी

देहरादून, अमृत विचार : पिछले दिनों न्यायिक परिसरों में धमाकों की धमकी का मामला अभी ठंडा पड़ा ही था कि सोमवार को राजधानी के पासपोर्ट ऑफिस को बम से उड़ाने की धमकी दे दी गई। हालांकि घंटों चले सर्च ऑपरेशन के बाद कोई संदिग्ध सामग्री बरामद नहीं हुई। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, पासपोर्ट ऑफिस से सूचना मिली कि अज्ञात व्यक्ति ने ई-मेल के माध्यम से पासपोर्ट ऑफिस को बम से उडाने की धमकी दी है।

गुंडागर्दी हिरण्यकश्यप जैसी : मुख्यमंत्री

गोरखपुर में भक्त प्रहलाद की शोभायात्रा में शामिल हुए योगी, बोले-लातों के भूत बातों से नहीं मानते

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

गोरखपुर के पांडेयहाता में होलिकादहन उत्सव समिति की ओर से आयोजित शोभायात्रा का शुभारंभ करते मुख्यमंत्री योगी।

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक बार फिर अपराध, अराजकता और माफियागिरी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि गुंडागर्दी और माफियागिरी हिरण्यकश्यप जैसी है, जिसका अंत तय है। उन्होंने दो टूक कहा कि लातों के भूत बातों से नहीं मानते, इसलिए जो जैसा है, उसके खिलाफ वैसी ही कार्रवाई जरूरी है।

मुख्यमंत्री योगी ने सोमवार को गोरखपुर में श्री श्री होलिका दहन उत्सव समिति, पांडेयहाता द्वारा आयोजित भक्त प्रहलाद की पारंपरिक शोभायात्रा का पूजा-अर्चना और आरती के साथ शुभारंभ करके श्रद्धालुओं के साथ फूलों की होली खेली। उन्होंने उपस्थित जनसमूह को होली की शुभकामनाएं देते हुए समिति को शताब्दी वर्ष के लिए बधाई दी। योगी ने कहा कि 2014 से पहले त्योहार दंगे-कर्फ्यू की चपेट में आ जाते थे, लेकिन अब ऐसा नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज यूपी में न कर्फ्यू है, न दंगा-यूपी में सब चंगा है। डबल इंजन सरकार में पर्व और उत्सव भयमुक्त माहौल में मनाए जा रहे हैं। उन्होंने अपील की कि होली उल्लास और भाईचारे का पर्व है, इसे जबरदस्ती या वैमनस्य से खराब न किया जाए। जिन्हें रंग पसंद न हों, उनकी भावनाओं का सम्मान किया जाए। पांडेयहाता क्षेत्र के विकास का उल्लेख करते हुए सीएम योगी ने कहा कि संकरी गलियों वाला यह बाजार कभी पूरे पूर्वांचल, नेपाल और बिहार के व्यापार का केंद्र था, लेकिन समय के साथ जर्जर हो गया था। अब इसे 'विरासत गलियारा' के रूप में विकसित किया जा रहा है, जो प्रदेश का सबसे सुंदर हेरिटेज कॉरिडोर बनेगा। सड़क चौड़ीकरण में जिन व्यापारियों की दुकानें प्रभावित हुई हैं, उनके लिए नगर निगम मल्टी-कॉम्प्लेक्स बनाकर दुकानें आवंटित करेगा। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने सांसद रवि किशन पर हल्के-फुल्के अंदाज में चुटकी लेते हुए कहा कि व्यापारी तो दुकान से कमाएंगे, रवि किशन तो नाच-गाकर भी कमा लेंगे। इस पर मंच पर मौजूद रवि किशन ने होली गीत गाकर माहौल को और रंगीन कर दिया।

पूर्णागिरि धाम के कपाट कल से चौबीसों घंटे खुले रहेंगे

संवाददाता, टनकपुर

अमृत विचार : देश के सुप्रसिद्ध मां पूर्णागिरि मेले में चार मार्च से श्रद्धालु चौबीसों घंटे मां के दर्शन कर सकेंगे। अब तक सुबह सात बजे से रात आठ बजे तक ही दर्शन की अनुमति थी।

मंदिर समिति के अध्यक्ष पंडित किशन तिवारी ने बताया कि चार मार्च (बुधवार) से रात दिन मंदिर के कपाट खुल रहेंगे। इससे श्रद्धालुओं को दर्शन के लिए लंबा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। इधर मेले के चौथे दिन पांच हजार श्रद्धालुओं ने मां के दर्शन कर पुण्य लाभ कमाया। होली के बाद मंदिर में भीड़ उमड़ने की संभावना को देखते हुए पुलिस व तहसील प्रशासन ने भीड़ नियंत्रण के इंतजाम पूरे कर लिए हैं। एसपी रेखा यादव ने बताया कि पूर्णागिरि मेले की सुरक्षा के लिए एक कंपनी पीएसी पहुंच चुकी है। मेले की सुरक्षा में चार एसआई, 10 हेंडकांस्टेबल और दो ट्रैफिक अधिकारी लगाए गए हैं। एसडीआरएफ की टीम पहले से ही यहां मौजूद है। सीओ वंदना वर्मा ने बताया कि नेपाल में चुनाव के मद्देनजर तीन मार्च की मध्यरात्रि से पांच मार्च की मध्य रात्रि तक नेपाल सीमा सील होने से पूर्णागिरि दर्शन को आए श्रद्धालु नेपाल के ब्रह्मदेव और महेंद्र नगर स्थित सिद्धबाबा के दर्शनों को नहीं जा पाएंगे।

नामी मार्केटिंग कंपनी का नाम लेकर हड़पे 68 लाख

रुद्रपुर, अमृत विचार: थाना भीमताल के रेस्टोरेंट कारोबारी को नामी मार्केटिंग कंपनी का नाम लेकर लाखों रुपये हड़पने का मामला सामने आया है। साइबर ठग ने कम निवेश पर ज्यादा मुनाफा देने का प्रलोभन दिया और साइबर ठगी की घटना को अंजाम दिया। बोहरा गांव नौकुचियाताल भीमताल के रहने वाले राजेंद्र कुमार पंत ने बताया कि भीमताल में उनका छोटा सा रेस्टोरेंट है। अक्टूबर 2025 को सोशल मीडिया फेसबुक से रिचा सचदेवा नाम की महिला से बातचीत हुई। जिस पर अज्ञात महिला ने एक नामी ट्रेडिंग हेड टेक मार्केटिंग कंपनी का नाम लेकर कम निवेश कर ज्यादा मुनाफा कमाने का प्रलोभन दिया। बातों पर विश्वास करते हुए उसने 23 अक्टूबर 2025 से 13 फरवरी 2026 तक 11 बार बताए खाते में 68 लाख रुपये का भुगतान किया। जब कई दिन बाद भी मुनाफा नहीं आया तो कॉलर को कॉल की, लेकिन मोबाइल नंबर बंद आने लगा।

भाजपा के 2805 सभासद होंगे नामित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- शासन से मंजूरी मिलते ही की जायेगी नामांकन की औपचारिक घोषणा

अमृत विचार: होली के बाद प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी के हजारों कार्यकर्ताओं को बड़ा राजनीतिक तोहफा मिलने जा रहा है।

नगर निकायों में रिक्त नामित सभासद पदों को भरने की प्रक्रिया अंतिम चरण में पहुंच गई है। प्रदेश भर से चयनित 2805 नामित सभासदों की सूची तैयार कर राज्य सरकार को भेज दी गई है। सूत्रों के मुताबिक, शासन स्तर से मंजूरी मिलते ही नामांकन की औपचारिक घोषणा कर दी जाएगी।

भाजपा संगठन ने यह सूची जिला और महानगर स्तर से प्राप्त प्रस्तावों के आधार पर तैयार की है। इसमें संगठन के सक्रिय, पुराने और समर्पित कार्यकर्ताओं को प्राथमिकता दी गई है, जिन्होंने चुनाव, संगठन विस्तार और जनसंपर्क अभियानों में अहम भूमिका निभाई है। नामित सभासदों के चयन में सामाजिक संतुलन, क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व और संगठनात्मक योगदान को भी ध्यान में रखा गया है।

नगर निगम, नगर पालिका परिषद और नगर पंचायतों में नामित होने वाले ये सभासद स्थानीय विकास योजनाओं, बजट बैठकों और नीति निर्धारण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इससे निकायों में भाजपा की स्थिति और मजबूत होगी और संगठन को जमीनी स्तर पर अतिरिक्त धार मिलेगी।

पार्टी सूत्रों का कहना है कि होली के बाद जैसे ही शासन से हरी झंडी मिलेगी, जिलावार नामों की घोषणा की जाएगी। इसे 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारी के लिहाज से भी अहम माना जा रहा है। भाजपा नेतृत्व के इस कदम से कार्यकर्ताओं में उत्साह और नई ऊर्जा का संचार होना तय है।

वृंदावन में 200 से अधिक विधवाओं ने खेली होली

मथुरा, एजेंसी: सफेद साड़ियों में जिंदगी ने सोमवार को वृंदावन के ऐतिहासिक गोपीनाथ मंदिर में रंगों की खुली उड़ान भर ली। बरसों तक अशुभ कहकर त्योहारों से दूर रखी गईं विधवा महिलाओं ने हंसी की खनक, भक्ति की स्वर-लहरियों और उड़ते गुलाल के बीच इस बार न सिर्फ होली देखी, बल्कि उसे जीया, जैसे मानो रंगों ने उनके जीवन के सूनेपन पर दस्तक दी हो और कहा हो अब वर्जनाएं नहीं, बस उत्सव।

सुलभ इंटरनेशनल की कार्यकारी संयोजक नित्या पाठक ने बताया कि पांच आश्रमों से आईं 200 से अधिक विधवा महिलाओं ने पूरे उत्साह के साथ उत्सव में भाग लिया।

मां की पेंशन के विवाद में बड़े भाई की हत्या

संभल, अमृत विचार: मां की पेंशन को लेकर चल रहे विवाद के बीच छोटे भाई ने अपने दो बेटों के साथ मिलकर बड़े भाई की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी। घटना के बाद आरोपी पिता-पुत्र मौके से फरार हो गए। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर उनकी तलाश तेज कर दी है।

ऐंचोडा कंबोह थाना क्षेत्र के राजीवखेड़ा गांव निवासी 56 वर्षीय संजीव कुमार के पिता वेद प्रकाश सरकारी अध्यापक थे, जिनका वर्ष 2006 में निधन हो गया था। वेद प्रकाश की पत्नी ओमवती देवी को पारिवारिक पेंशन मिलती है। ब्रजकिशोर मां से पेंशन की रकम मांगता था, लेकिन ओमवती इनकार कर देती थीं।

हादसे में पिता-पुत्र की मौत, 2 घायल

संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : जलालाबाद-फर्रुखाबाद मार्ग पर डीसीएम ने ई-रिक्शा को टक्कर मार दी। हादसे में ई-रिक्शा पर सवार पिता-पुत्र घायल हो गए। अल्हागंज पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को जलालाबाद सीएचसी पर भेज दिया। डॉक्टर ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।

पीयूष।

रवि राज।

दोनों जलालाबाद में होली की खरीददारी करने के लिए जा रहे थे। चालक डीसीएम छोड़कर भाग गया।

अल्हागंज थाना क्षेत्र के गांव देहना निवासी 32 वर्षीय रविराज ने अपने 12 वर्षीय बेटे पीयूष से कहा कि होली का पर्व है और जलालाबाद बाजार में चलकर सामान खरीदकर लाते है। सोमवार की सुबह साढ़े 10 बजे पिता और पुत्र ई-रिक्शा में बैठकर जलालाबाद बाजार जा रहे थे। जलालाबाद-फर्रुखाबाद मार्ग पर सीएनजी गैस सिलेंडर से भरे डीसीएम ने ई-रिक्शा को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर लगने से दोनों लोग ई-रिक्शा से बाहर जाकर गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। साथ ही ई-रिक्शा चालक सरबजीत और उसके पिता मुन्ना लाल भी घायल हो गए। चालक डीसीएम छोड़कर भाग गया। अल्हागंज पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को सीएचसी पर भेज दिया।

स्पेलर मशीन में फंसकर कंधे से हाथ अलग हुआ

जैतीपुर, अमृत विचार: सुरजूपुर गांव में स्पेलर मशीन पर काम के दौरान 12 वर्षीय किशोर का हाथ कंधे से अलग हो गया। सुरजूपुर गांव के बिनौरा मोड़ पर हरिशंकर राठौर का सरसों सहित अन्य तेल निकालने का स्पेलर लगा हुआ है। रविवार शाम करीब पांच बजे मशीन चल रही थी। इसी दौरान गांव निवासी विश्राम का 12 वर्षीय बेटा रवि स्पेलर से खली निकालने लगा। तभी उसके हाथ में पहना कड़ा मशीन में फंस गया ।

माता-पिता, बहन-दादी की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या

संवाददाता, बहराइच

अमृत विचार। चार वर्ष पूर्व बेची गई पैतृक जमीन के एवज में मिले पैसों में हिस्सा न मिलने से नाराज छोटे पुत्र ने झगड़े के बाद पिता, मां, बहन और बुजुर्ग दादी की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या कर दी। बड़े भाई गुरुदेव को भी घायल कर दिया। बाद में खुद को घिरा देख आरोपी ने खुद पर ईंट से हमला करते हुए जान देने की कोशिश की।

एएसपी (ग्रामीण) दुर्गा प्रसाद तिवारी ने थाना रुपईडीहा के ग्राम रामपुर ऊदल निवासी गुरुदेव की ओर से दी गई तहरीर के आधार पर बताया कि बीती रात एक बजे उसके छोटे भाई निरंकार का पिता से जमीन के रुपये व गहनों में अपने हिस्से की मांग को लेकर विवाद हुआ। इसके बाद हिस्सा न मिलने से तिलमिलाए निरंकार ने पिता बदलूराम (60), मां संजू देवी (56), बहन पार्वती (42) व दादी शीतला (80) की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या कर दी। गुरुदेव ने चीख पुकार के बाद जब निरंकार को रोकने की कोशिश की तो उस पर भी हमला कर घायल कर दिया। हत्या के बाद निरंकार ने ईंट से अपने सिर पर प्रहार करके खुद को भी गंभीर रूप से जख्मी कर लिया। एएसपी ने बताया कि तहरीर पर निरंकार के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है।

फर्जी दस्तावेजों की वजह से युवक लंदन से डिपोर्ट

बिलासपुर, अमृत विचार : एक युवक के साथ आजाद ओवरसीज कंसलटेंसी के संचालकों ने 14 लाख रुपये की ठगी को अंजाम दिया। ठगों ने युवक को फर्जी ई-वीजा थमा दिया। जिसके चलते उसे लंदन एयरपोर्ट से डिपोर्ट कर वापस भारत भेज दिया गया।

गांव लाला नगला निवासी सुल्तान द्वारा कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई गई। जिसमें कहा कि माटखेड़ा रोड स्थित आजाद ओवरसीज के पार्टनर जगजीत सिंह चीमा, गुरपाल सिंह, साहब सिंह और शरीफ ने उसे स्टडी वीजा पर यूके भेजने का भरोसा दिलाया था।

आर्थिक बढ़त | सुदृढ़ कानून-व्यवस्था से बढ़ा भरोसा, त्योहारों में कई गुना बढ़े कारोबार

फेस्टिवल इकोनॉमी बनी विकास का मजबूत आधार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- धार्मिक आयोजनों से पर्यटन कारीगरों व बाजारों को मिला सीधा लाभ

अमृत विचार: योगी सरकार ने प्रदेश में 'फेस्टिवल इकोनॉमी' का तेजी से विकास किया है, जिसके चलते राज्य और स्थानीय स्तर पर आर्थिक गतिविधियों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की जा रही है। सुदृढ़ कानून-व्यवस्था, बेहतर प्रशासनिक तैयारी और जनप्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी ने त्योहारों को सुरक्षित, भव्य और व्यवस्थित बनाया है। इसका सीधा असर स्थानीय बाजारों, पर्यटन और सेवा क्षेत्र पर पड़ा है।

प्रदेश में बीते नौ वर्षों में पर्व-त्योहारों का स्वरूप केवल धार्मिक और सांस्कृतिक उत्सव तक सीमित नहीं रहा, बल्कि वे प्रदेश की अर्थव्यवस्था के मजबूत इंजन के रूप में उभरे हैं। प्रदेश में प्रमुख पर्वों पर विशेष सुरक्षा प्लान, अतिरिक्त पुलिस और पीएसी बल की तैनाती, ड्रोन व सीसीटीवी से निगरानी, कंट्रोल रूम के माध्यम से 24×7 मॉनिटरिंग और यातायात के लिए पूर्व नियोजित व्यवस्था लागू की जाती है। बेहतर सुरक्षा माहौल के कारण लोगों का भरोसा बढ़ा है। होली, दीपावली और नवरात्र जैसे अवसरों पर कई शहरों में सामान्य दिनों की तुलना में 30 से 50 प्रतिशत तक अधिक फुटफॉल दर्ज किया गया है। कपड़ा, सर्राफा, इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, मिठाई, सजावटी और पूजा सामग्री की मांग में तेज उछाल आया है, जिससे खुदरा व्यापार को नई गति मिली है। त्योहारों के विस्तारित स्वरूप का प्रभाव पर्यटन और सेवा क्षेत्र में भी साफ दिख रहा है। अयोध्या, वाराणसी, प्रयागराज और मथुरा जैसे धार्मिक नगर आर्थिक गतिविधियों के प्रमुख केंद्र बन गए हैं। पर्वों के दौरान होटल ऑक्यूपेंसी, परिवहन, टैक्सी, ई-रिक्शा और खानपान कारोबार में उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की गई है। पारंपरिक कारीगरों और स्वयं सहायता समूहों को भी त्योहारों से सीधा आर्थिक लाभ मिला है।

दीपोत्सव में लाखों दीयों की मांग से कुम्हारों को बड़े ऑर्डर मिले। देव दीपावली, माघ मेला और होली जैसे आयोजनों में हस्तशिल्प, गुलाल, पूजा सामग्री और पारंपरिक परिधानों की बिक्री बढ़ी। नवरात्र और दुर्गा पूजा के दौरान मूर्तिकार, पंडाल निर्माता, लाइटिंग और साउंड सिस्टम से जुड़े व्यवसायों को व्यापक काम मिला। महिला स्वयं सहायता समूहों ने दीये, मोमबत्ती, प्रसाद पैकिंग और पारंपरिक खाद्य उत्पादों के जरिये अच्छी आय अर्जित की, जिससे कुटीर उद्योगों को स्थायी बाजार मिला है।

रिपोर्ट के मुताबिक भारत में फरवरी में रिकार्ड 4.25 लाख यात्री वाहनों की बिक्री-8

कर्मचारी भविष्य निधि जमा पर ब्याज दर 8.25 प्रतिशत पर बरकरार-8

सीमा पर बाड़ लगाने के लिए 105 एकड़ जमीन देगी बंगाल सरकार-9

मैंने फोन और सोशल मीडिया बंद कर दिया और अंतरात्मा की आवाज सुनी : सैमसन-10

आज का मौसम
30.0⁰ अधिकतम तापमान
16.0⁰ न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.37
सूर्यास्त 06.13

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

फाल्गुन शुक्ल पक्ष पूर्णिमा 05:07 उपरांत प्रतिपदा विक्रम संवत 2082

मंगलवार, 3 मार्च 2026, वर्ष 7, अंक 98, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

कुवैत में कई अमेरिकी विमान गिरे, यूएई में रिफाइनरी बंद

हिजबुल्लाह भी कूदा जंग में, कई मोर्चों पर फैला संघर्ष

कुवैत में अमेरिकी दूतावास पर भी मिसाइल हमला, ईरान पर 1,000 से ज्यादा हमले, बी-2 स्टील्थ विमानों ने बरसाए बम

दुबई, एजेंसी

ईरान और अमेरिका-इजराइल के बीच संघर्ष का दायरा बढ़ने के साथ मंगलवार को तीसरे दिन युद्ध भीषण हो गया। इजराइल और अमेरिका के विमानों ने ईरान पर भारी बमवारी की तो जवाब में ईरान ने खाड़ी देशों को निशाना बनाते हुए कुवैत में अमेरिका के कई एफ- 15 लड़ाकू विमान मार गिराए। कुवैत में अमेरिकी दूतावास पर भी मिसाइल हमला किया, जिसके बाद यहां आग के साथ धुएं का गुबार उठता दिखाई दिया। ईरान के हमले के बाद संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में एक रिफाइनरी को बंद करना पड़ा। ईरान ने इजराइल के प्रधानमंत्री कार्यालय को भी निशाना बनाने का दावा किया है, हालांकि इजराइल ने इसकी पुष्टि नहीं की।

इस बीच ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला खोमेनी की मौत के बाद लेबनान के आतंकी संगठन हिजबुल्लाह भी जंग में कूद पड़ा। सोमवार को उसने उत्तरी इजराइल में रॉकेटों से हमला किया। जवाब में इजराइल सशस्त्र बल ने बेरुत में हमला कर हिजबुल्लाह के खुफिया मुख्यालय के प्रमुख हुसैन मकलेद को मार गिराया। इजराइल ने बेरुत में हिजबुल्लाह के वरिष्ठ आतंकवादियों, दर्जनों केंद्रों और हथियार जमा करने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले स्थल पर सटीक हमला किया। इस हमले में 31 अन्य लोगों की भी मौत हो गई। इधर, ईरान ने यूएई, कतर, कुवैत, बहरीन और सऊदी अरब समेत खाड़ी देशों को निशाना बनाना जारी रखा। यहां ईरान ने अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए।

भीषण जंग के बीच ईरान ने दावा किया कि उसने कुवैत में अमेरिका के कई एफ-15 स्ट्राइक ईगल लड़ाकू विमानों को मार गिराया है। ये विमान ईरान पर हमले के लिए उड़ान भर रहे थे। हालांकि उनके पायलटों को सुरक्षित बचा लिया गया। कुवैत के आधिकारिक प्रवक्ता कर्नल साद अल अतवान ने विमानों के गिरने की पुष्टि की। हालांकि अमेरिका ने कहा कि उसके तीन विमानों को कुवैत की वायु रक्षा प्रणाली ने धोखे में हमला कर गिराया है। ईरान ने इजराइल के प्रधानमंत्री कार्यालय को भी अपने हमलों का निशाना बनाए जाने का दावा किया है। हालांकि इसकी पुष्टि इजराइल ने नहीं की। कुवैत सिटी में अमेरिकी दूतावास पर भी मिसाइल से हमला किया जिसके बाद परिसर के अंदर से आग और धुआं उठता देखा गया।

ईरान और ईरान समर्थित मिलिशिया ने इजराइल और अरब देशों पर बड़े पैमाने पर मिसाइलें दागीं। इसके बाद सऊदी अरब की सरकारी स्वामित्व वाली तेल कंपनी अरामको ने दम्माम के समीप अपनी रास तानूरा तेल रिफाइनरी को अस्थाई रूप से बंद कर दिया। सऊदी अरब के सरकारी टेलीविजन ने बताया कि यह फैसला एहतियाती तौर पर लिया गया है। ईरानी हमलों के कारण तेल के व्यापार को खासा नुकसान पहुंचा है।

विशेष पेज - 4 और 5

तेहरान में इजराइली हमलों के बाद उठता धुएं का गुबार।

इजराइल में ईरान के मिसाइल हमले से गड्ढे में तब्दील सड़क।

ईरान में दो दिन के अंदर 555 लोगों की मौत, 131 शहरों को भारी नुकसान

तेहरान/वियना। युद्ध क्षेत्रों में मानवीय सहायता पहुंचाने वाली संस्था रेड क्रिसेंट के मुताबिक अमेरिका और इजराइल के संयुक्त हमलों में ईरान में दो दिनों में 555 लोगों की मौत हो गई है और देश के 131 नगरों को खासा नुकसान पहुंचा है। अमेरिकी सेना ने कहा है कि बी-2 स्टील्थ बमवर्षक विमानों ने 2,000 पाउंड के बमों से ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल ठिकानों पर उसने हमला किया। दावा किया गया है कि सोमवार को ईरान पर कुल मिलाकर 1,000 से ज्यादा हमले किए गए हैं। कतर ने ईरान के दो लड़ाकू विमानों को मार गिराने का दावा किया है। इस बीच ईरान ने आरोप लगाया कि अमेरिका-इजराइल ने उसके नतांज परमाणु संवर्धन स्थल को हवाई हमलों का निशाना बनाया है। हालांकि अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) ने इस दावे की पुष्टि नहीं की। आईएईए में ईरान के राजदूत रेजा नजफी ने सोमवार को कहा कि अमेरिका-इजराइल के हवाई हमलों में ईरान के नतांज परमाणु संवर्धन स्थल को निशाना बनाया गया है। लेकिन आईएईए प्रमुख राफेल ग्रॉसी ने कहा कि एजेंसी को कोई संकेत नहीं मिला है कि ईरान में परमाणु केंद्रों को निशाना बनाया गया है।

- **अपने परमाणु स्थल नतांज पर भी हवाई हमले का ईरान ने लगाया आरोप**

- **महायुद्ध में तब्दील होने लगा ईरान-अमेरिका-इजराइल संघर्ष, पश्चिम एशिया में और बिगड़े हालात**
- **बेरुत में इजराइल के जवाबी हमले में मारा गया हिजबुल्लाह का खुफिया प्रमुख, 31 आम लोगों की भी मौत**

हमले में घायल खामेनेई की पत्नी ने भी तोड़ा दम

तेहरान। इजराइल के हमले में घायल हुईं ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई की पत्नी की भी सोमवार को मौत हो गई। सरकारी मीडिया के अनुसार खामेनेई की पत्नी को शहादत नसीब हुई है। शनिवार को खामेनेई इजराइल के मिसाइल हमले में मारे गए थे। उनके कई रिश्तेदारों की भी मौत हो गई थी।

भारतीयों को निकालने के लिए आज विशेष उड़ानें

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच फंसे भारतीयों को वहां से निकालने की कवायद शुरू हो गई है। निजी विमान सेवा कंपनी इंडिगो मंगलवार को 10 विशेष उड़ानें शुरू करेगी जबकि एयर इंडिया एक्सप्रेस ने मस्कट के लिए नियमित उड़ानें शुरू करने की घोषणा की है। हालांकि इन उड़ानों को अभी नियामकीय मंजूरी मिलनी शेष हैं। इस बीच, एयर इंडिया ने मार्च की आधी रात तक पश्चिम एशिया के लिए अपनी सभी उड़ानें रद्द रखने की बात कही है।

पश्चिम एशिया में भीषण घमासान

- ईरान और उसके सहयोगी सशस्त्र समूहों की ओर से सोमवार को पश्चिम एशिया में इजराइल, अरब देशों और अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर मिसाइलें दागना जारी रखने के साथ युद्ध और भीषण होकर अब कई मोर्चों पर फैल गया है।
- दोनों पक्षों के हमलों की तीव्रता, अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या और युद्ध खत्म करने की कोई योजना न होने के कारण उसका लंबा चलना भी स्पष्ट हो गया है। इसके दूरगामी परिणाम पूरे क्षेत्र और उससे परे भी देखने को मिल रहे हैं।
- दुबई जैसे पश्चिम एशिया के सुरक्षित ठिकाने भी अब हमलों की चपेट में आ गए हैं। दुनिया भर में लाखों हवाई यात्री फंसे हुए हैं, तेल की कीमतें आसमान छू रही हैं। ईरान ने क्षेत्रीय तेल अवसंरचनाओं को भी निशाना बनाना शुरू कर दिया है।
- 'कतर एनर्जी' ने संघर्ष के कारण तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलपीजी) का उत्पादन बंद करने की घोषणा की है, जिससे दुनिया के शीर्ष आपूर्तिकर्ताओं में से एक बाजार से बाहर हो गया है। कंपनी ने साफ नहीं किया है कि उत्पादन कब बहाल होगा।
- ईरान के अपने हमलों को प्रमुख क्षेत्रीय तेल अवसंरचनाओं तक बढ़ाने से युद्ध की भयंकरता बढ़ गई है और सीधे तौर पर क्षेत्र की अर्थव्यवस्था की जीवनरेखा को निशाना बनाने लगी है। होर्मुज जलडमरूमध्य में कई जहाजों पर हमले भी हुए हैं।
- ईरान पर निरंतर बमबारी के कारण पश्चिम एशिया में ज्यादातर हवाई अड्डे बंद कर दिए गए और कई जगहों पर यात्री फंस गए। कई देश अपने नागरिकों को वापस लाने के लिए जद्दोजहद कर रहे हैं। अभी पता नहीं है कि हवाई अड्डे कब खुलेंगे।

ट्रंप का एलान, बोले- जरूरत पड़ी तो थल सेना भी भेजेंगे, अमेरिकी सैनिकों की मौत का बदला लेंगे

वाशिंगटन। ट्रंप ने सोमवार को कहा कि जरूरत पड़ी तो वह खाड़ी में थल सेना भी भेजेंगे। ट्रंप ने मीडिया से कहा कि यह सैन्य कार्रवाई 4-5 सप्ताह तक चल सकती है, हालांकि अमेरिका इससे कहीं अधिक समय तक युद्ध जारी रखने की पूरी क्षमता रखता है। ट्रंप ने वादा किया कि वाशिंगटन कुवैत में मारे गए तीन अमेरिकी सैनिकों की मौत का बदला लेगा। दावा किया कि अमेरिकी सेना तय समय सीमा से आगे चल रही है। 24 घंटों के भीतर ईरान के 49 शीर्ष नेताओं को खत्म कर दिया गया है और ईरानी नौसेना के 9-10 युद्धपोतों को समुद्र में डुबो दिया गया है। इसके अतिरिक्त अमेरिकी और इजराइली वायुसेना ने ईरान के नौसेना मुख्यालय और इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के मुख्य ठिकानों पर भीषण हमले किए हैं।

न्यूज ब्रीफ

नागपुर विस्फोट मामले में नौ अधिकारी गिरफ्तार

नागपुर। महाराष्ट्र के नागपुर जिले में विस्फोटक निर्माण कंपनी के कारखाने में हुए भीषण विस्फोट में 19 लोगों की मौत की घटना के बाद पुलिस ने कंपनी के नौ निदेशकों को गिरफ्तार कर लिया है। गैरइरादतन हत्या के आरोप में एसबीएल एनर्जी लिमिटेड के 21 निदेशकों और शेयरधारकों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। घटना के बाद नागपुर के पालक मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने बताया कि घटना की विस्तृत जांच नागपुर की संभागीय आयुक्त विजयलक्ष्मी बिदरी करेंगी। प्रारंभिक निष्कर्षों से पता चलता है कि विस्फोट लापरवाही के कारण हुआ है।

डॉलर के मुकाबले रुपये में 41 पैसे की भारी गिरावट

मुंबई। पश्चिम एशिया में तनाव के बीच सोमवार को रुपया 41 पैसे की जोरदार गिरावट के साथ 91.49 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के मुताबिक, ईरान और इजराइल-अमेरिका के बीच सैन्य हमलों के कारण कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल आने से अमेरिकी मुद्रा की मांग में तीव्र वृद्धि हुई है। घरेलू शेयर बाजार में भारी बिकवाली और विदेशी कोषों की निकासी ने भारतीय मुद्रा पर दबाव को और बढ़ा दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 91.23 पर खुला और कारोबार के दौरान इसने 91.65 का निचला स्तर छुआ। अंत में रुपया 91.49 पर बंद हुआ। शुक्रवार को रुपया 17 पैसे टूटकर 91.08 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

दिल्ली: बैंकों, स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के तीन बैंकों और छह स्कूलों को सोमवार को ईमेल के जरिए बम की धमकियां मिलीं, जिन्हें गहन जांच के बाद फर्जी घोषित कर दिया गया। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) ने बताया कि संस्थानों को उनके परिसर में विस्फोटक सामग्री होने की सूचना देने वाले ईमेल प्राप्त होने के बाद सुबह लगभग 8.20 बजे इस बाबत कॉल आने शुरू हो गए। जिन बैंकों को धमकियां मिलीं उनमें कनॉट प्लेस स्थित एक्सिस बैंक की शाखा, भारतीय स्टेट बैंक की एम्स शाखा और पूर्वी दिल्ली के शाहदरा स्थित एसबीआई की शाखा शामिल हैं।

फ्रांस, ब्रिटेन और जर्मनी ने किया खाड़ी देशों की मदद का एलान

लंदन, एजेंसी

- **कहा- ईरान की मिसाइल और ड्रोन को दागने से पहले ही नष्ट करेंगे**
- **ईरान पर साइप्रस में ब्रिटिश सैन्य अड्डे को निशाना बनाने का आरोप**

फ्रांस, ब्रिटेन और जर्मनी ने ईरान के हमले के शिकार बने खाड़ी देशों की मदद का एलान किया है। फ्रांस के विदेश मंत्री जीन नोएल बैरट ने कहा कि उनके सहयोगी देशों बहरीन, कुवैत, ओमान,कतर, इराक को इस जंग में घसीटा गया है। हम उनकी सुरक्षा के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि फ्रांस, ईरान के खिलाफ जार्डन की मदद करेगा।

इस बीच बहरीन पर हुए ईरानी हमले की जानकारी देते हुए ब्रिटेन के विदेश मंत्री कूपर ने कहा कि साइप्रस के ब्रिटिश सैन्य अड्डे को निशाना बनाया गया है। उन्होंने कहा कि इस मामले में ब्रिटेन को अपनी जिम्मेदारी का अहसास है जो खाड़ी में सहयोगियों की रक्षा से संबंधित है। ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी ने एक संयुक्त बयान में कहा, हम क्षेत्र में अपने और अपने सहयोगियों के हितों की रक्षा के लिए कदम उठाएंगे, जिसमें आवश्यक और आनुपातिक रक्षात्मक कार्रवाई सक्षम करना शामिल हो सकता है, ताकि ईरान की मिसाइल और ड्रोन दागने की क्षमता को उनके स्रोत पर नष्ट किया जा सके। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने कहा कि ब्रिटेन ने अमेरिकी अनुरोध स्वीकार किया है। खाड़ी क्षेत्र में हमारे साझेदारों ने भी हमसे उनकी रक्षा के लिए कार्रवाई करने का आग्रह किया है। ब्रिटेन के जेट विमान पहले से ही हवा में हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि ब्रिटेन ईरान पर प्रारंभिक हमलों में शामिल नहीं था और अब भी किसी आक्रामक सैन्य कार्रवाई में शामिल नहीं होगा।

ईरान ने खारिज किया ट्रंप का दावा, कहा- भ्रम न फैलाएं, अब हम अमेरिका से बातचीत नहीं करेंगे

तेहरान। ईरान के सुरक्षा प्रमुख अली लारीजानी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ कोई भी नई बातचीत करने से इन्कार कर दिया है। इससे ईरान और अमेरिका-इजराइल के बीच पूरे पश्चिम एशिया में सैन्य टकराव बढ़ने की आशंका है। लारीजानी ने पर्दे के पीछे गोपनीय बातचीत (बैक चैनल डिप्लोमेसी) की खबरों को खारिज करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति पर आरोप लगाया कि उन्होंने भ्रम वाली हरकतें करके इलाके को अस्थिरता में धकेल दिया है। लारीजानी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि ट्रंप ने अपने अमेरिका फर्स्ट के नारे को इजराइल फर्स्ट में बदल दिया है और इजराइल की इच्छाओं के लिए अमेरिकी सैनिकों की कुर्बानी दे दी है। अब उन्हें और अमेरिकियों के मारे जाने का डर है लेकिन ईरान अपना अभियान जारी रखेगा।

पूरी दुनिया को अपनी जद में लेने लगी युद्ध की विभीषिका

कच्चे तेल की कीमतों में 10% वृद्धि

न्यूयॉर्क। ईरान पर अमेरिका और इजराइल के हमलों के बाद सोमवार को वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल आया। ये कीमतें तेज उछाल के साथ करीब 10% तक बढ़ गईं। ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान की आशंका गहरा गई है। कच्चा तेल सोमवार सुबह करीब नौ प्रतिशत चढ़ गया।

सेंसेक्स में 1,048 अंकों की गिरावट

मुंबई। पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने और कच्चे तेल में तेज उछाल से स्थानीय शेयर बाजार में सोमवार को तेज गिरावट आई और बीएसई सेंसेक्स 1,048 अंक का गोता लगा गया और छह महीने के निचले स्तर पर पहुंचकर बंद हुआ। एनएसई का निफ्टी भी 313 अंक के नुकसान में रहा।

चांदी 32,000, सोना 8,100 उछला

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया संकट गहराने से निवेशक सुरक्षित संपत्ति की ओर रुख करने लगे हैं। इस कारण सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में चांदी तीन लाख रुपये किलोग्राम और सोना 1.73 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के करीब जा पहुंचा। दोनों धातुओं की कीमतों में 12% तक का उछाल आया।

यूरेनियम आपूर्ति पर भारत और कनाडा के बीच करार

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत और कनाडा ने सोमवार को यूरेनियम एवं महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति को लेकर अहम समझौतों पर हस्ताक्षर करने के साथ वर्ष 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 50 अरब अमेरिकी डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य रखा। इसके साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के बीच व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) को जल्द अंतिम रूप देने पर भी सहमति बनी।

दोनों नेताओं के बीच यहां हुई बातचीत के दौरान रक्षा, महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी, छोटे एवं मॉड्यूलर परमाणु रिएक्टर (एसएमआर), शिक्षा और नवीकरणीय ऊर्जा में सहयोग बढ़ाने का संकल्प लिया गया। मोदी ने प्रेस वक्तव्य में कहा कि भारत और कनाडा के बीच द्विपक्षीय व्यापार को वर्ष 2030 तक 50 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य है। यह फिलहाल लगभग 13 अरब डॉलर है। उन्होंने कहा, आर्थिक सहयोग की पूरी क्षमता हासिल करना हमारी प्राथमिकता है। इसलिए हमने सीईपीए को जल्द अंतिम रूप देने का निर्णय लिया है। इससे दोनों देशों में निवेश और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

समझौते के दौरान कार्नी के साथ प्रधानमंत्री मोदी।

- **दोनों देशों ने तय किया आपसी व्यापार को 50 अरब डॉलर ले जाने का लक्ष्य**

भारत-कनाडा संबंध नई ऊर्जा से भरे हुए: मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत एवं कनाडा के द्विपक्षीय संबंध अब नई ऊर्जा, आपसी विश्वास और सकारात्मकता से भरे हुए हैं। कनाडा 2.6 अरब डॉलर के यूरेनियम आपूर्ति समझौते के तहत भारत के असैन्य परमाणु ऊर्जा क्षेत्र का समर्थन करेगा। असैन्य परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में दीर्घकालिक यूरेनियम आपूर्ति पर ऐतिहासिक समझौता हुआ है। हम छोटे मॉड्यूलर और उन्नत रिएक्टरों पर भी साथ काम करेंगे।

स्कूल बस के फर्श में था छेद नीचे गिरकर बच्ची की मौत

अलीगढ़, एजेंसी

- **कासगंज में दर्दनाक घटना, स्कूल प्रबंधक और बस चालक गिरफ्तार**

जिले के गंगीरी क्षेत्र में एक निजी स्कूल बस के फर्श में मौजूद बड़े छेद से नीचे गिरकर सात साल की एक बच्ची की मौत हो गई। शनिवार को यह हादसा चलती स्कूल बस में हुआ है। जैसे ही छात्रा नीचे गिरी उसके भाई ने चिल्लाकर ड्राइवर से कहा- अंकल बस रोकिए, बहन नीचे गिर गई। ड्राइवर ने बस रोककर देखा तो पता चला की पहिये के नीचे आने से बच्ची की मौत हो चुकी थी।

कासगंज जिले के ढोलना कस्बे में स्थित एक निजी स्कूल की बस अलीगढ़ जिले के गंगीरी से गुजर रही थी। इस दौरान सात साल की एक बच्ची बस के फर्श में बने एक छेद से नीचे गिर गई। हादसे के बाद ड्राइवर ने बच्ची के परिजनों को जानकारी दी और उसके बाद शव को बस की पिछली सीट पर रखकर भागने लगा। लेकिन ग्रामीणो ने उसका पीछा किया और करीब 2 किमी दूर उसे पकड़ लिया। पुलिस के अनुसार इस मामले में स्कूल के प्रबंधक अरविंद यादव और बस चालक चंद्र प्रकाश को गिरफ्तार कर लिया गया है।

गंभीर मामला

निचली अदालत में काल्पनिक आधार पर निर्णय करने को लेकर सुप्रीम कोर्ट सख्त, कहा- गहन जांच करेंगे

एआई निर्मित फर्जी फैसलों पर भरोसा चूक नहीं कदाचार

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने निचली अदालत में एआई की मदद से कथित तौर पर तैयार किए गए काल्पनिक फैसलों पर भरोसा करने के मामले का संज्ञान लेते हुए कहा कि इसके आधार पर निर्णय लेना कोई त्रुटि नहीं बल्कि कदाचार के बराबर है। न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति आलोक आराधे की पीठ ने कहा है कि वह मामले की विस्तार से पड़ताल करेगी। शीर्ष अदालत ने इस मामले में अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमनी, सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता तथा बार भारतीय विधिज्ञ परिषद को नोटिस जारी किया है।

- **कोर्ट ने कहा- इसका शुचिता पर असर, कानूनी नतीजे भुगतने होंगे**

अदालत ने इस मामले में सहायता के लिए वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम दीवान को भी नियुक्त किया है। पीठ ने कहा, हम निचली अदालत के एआई निर्मित गैरमौजूद, फर्जी या कृत्रिम कथित निर्णयों पर भरोसा करने का संज्ञान लेते हैं और इसके परिणामों तथा जवाबदेही की पड़ताल करना चाहते हैं क्योंकि इसका न्यायिक प्रक्रिया की शुचिता पर सीधा असर पड़ता है। पीठ ने 27 फरवरी के आदेश में कहा, सबसे पहले, हमें यह स्पष्ट करना होगा कि इस प्रकार के निराधार और फर्जी कथित फैसलों पर आधारित निर्णय लेना, निर्णय लेने में त्रुटि नहीं है। यह कदाचार होगा और इसके कानूनी परिणाम भुगतने होंगे। यह आवश्यक है कि हम इस मुद्दे की अधिक विस्तार से पड़ताल करें।

शीर्ष अदालत ने कहा कि यह मामला काफी चिंता का विषय है। पीठ ने सुनवाई 10 मार्च को निर्धारित करते हुए निर्देश दिया कि विशेष अनुमति याचिका के निपटारे तक निचली अदालत अधिवक्ता-आयुक्त की रिपोर्ट पर कार्यवाही न करे। इससे पहले 17 फरवरी को सीजेआई सूर्यकांत के नेतृत्व वाली शीर्ष अदालत की पीठ ने एआई उपकरणों से तैयार की गई याचिकाओं को दाखिल करने के वकीलों के बढ़ते चलन पर गंभीर चिंता व्यक्त की थी।

आंध्रप्रदेश हाईकोर्ट में सुनवाई में सामने आया मामला

यह मुद्दा शीर्ष अदालत के समक्ष तब सामने आया जब वह आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट के जनवरी के एक आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिकाकर्ताओं ने कुछ आपत्तियां उठाकर अधिवक्ता आयुक्त की रिपोर्ट को चुनौती दी थी। निचली अदालत ने पिछले साल अगस्त में अपने आदेश में आपत्तियों को खारिज कर दिया था और इस प्रक्रिया में कुछ निर्णयों पर भरोसा किया था। इसके बाद, याचिकाकर्ताओं ने निचली अदालत के आदेश को चुनौती दी और दलील दी कि जिन फैसलों का जिक्र किया गया और जिन पर भरोसा किया गया, वे अस्तित्वहीन और फर्जी थे। शीर्ष अदालत ने उल्लेख किया कि हाईकोर्ट ने आपत्ति पर विचार किया और पाया कि फैसले एआई के जरिए तैयार किए गए थे।

बरेली न्यूरो एण्ड स्पाईन सुपर स्पेशलिटी सेंटर

डा. मोहित गुप्ता
M.Ch., Neurosurgery (AIIMS)
Senior Consultant Neurosurgeon
मस्तिष्क, रीढ़ एवं नस रोग विशेषज्ञ
Reg. No. UPMCI 65389
समय - प्रातः 10 से 12:30 बजे तक एवं सायं 6 से 8:30 बजे तक
अब डॉ. मोहित गुप्ता रविवार को भी मिलेंगे प्रातः 10 से दोपहर 1 बजे तक

सुविधायें
ब्रेन हैमरेज | स्लिप डिस्क
ब्रेन ट्यूमर | मिर्गी का दौरा
गर्दन दर्द (सर्वाइकल)
रीढ़ की चोट, टी.बी
सिर दर्द, माइग्रेन
कमर दर्द, कंधों में दर्द
पीठ दर्द, रीढ़ की गांठ
सिर की चोट (हेड इंजरी)
हाथ पैरों में झनझनाहट
फालिज (लकवा)
नसों का दर्द
सियाटिका (कमर में पैरों का दर्द)
दिमागी में पानी व खून जमना
दिमाग, रीढ़ एवं नस सम्बन्धित सभी बीमारियों का इलाज एवं ऑपरेशन
Bareilly Neuro and Spine Super Speciality Centre
Google Maps Location
सी-427, डिवाइन अस्पताल के सामने, के.के. अस्पताल रोड, राजेन्द्र नगर, बरेली
7417389433, 7017678157
9897287601, 8191879754

रंग डालने को लेकर हुआ बवाल, फायरिंग व पथराव

बाजार से लौटते समय महिलाओं से छेड़खानी, दो लोग घायल

संवाददाता, फतेहगंज पूर्वी

- अत्तूनगला में मामूली कहासुनी ने बढ़कर उग्र रूप ले लिया
- पथराव में मची अफरा-तफरी में एक महिला व युवक घायल
- गांव में तनाव, पुलिस ने हालात किए काबू, फोर्स तैनात

अमृत विचार : क्षेत्र के गांव अत्तूनगरा में होली से पहले रंग डालने को लेकर मामूली कहासुनी ने उग्र रूप ले लिया। देर शाम शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते मारपीट, फायरिंग और पथराव में बदल गया। गोलियों की आवाज से पूरा गांव दहल उठा और मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घटना में एक युवक और एक महिला घायल हो गए, जबकि दबंगों ने एक टेंपो को भी क्षतिग्रस्त कर दिया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सोमवार देर शाम नगर से बिलपुर मार्ग पर गांव अत्तूनगरा के सामने कुछ महिलाएं, बालिकाएं और युवक बाजार से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान रास्ते में मौजूद कुछ शरारती तत्वों ने महिलाओं पर जबरन रंग डालना शुरू कर दिया। आरोप है कि रंग डालने वाले युवक शराब के नशे में थे। महिलाओं और साथ चल रहे लोगों ने इसका विरोध किया तो दोनों पक्षों में कहासुनी शुरू हो गई।

मारपीट और पथराव के बाद टैम्पों को क्षतिग्रस्त कर दिया। • अमृत विचार

देखते ही देखते विवाद ने तूल पकड़ लिया और दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। आरोप है कि इस दौरान फायरिंग हुई और जमकर पथराव भी हुआ। अचानक हुई गोलीबारी से गांव में भगदड़ मच गई। अफरा-तफरी के बीच एक युवक और एक महिला घायल हो गए। आशंका जताई जा रही है कि भागने के दौरान गिरने से दोनों के हाथ में गंभीर चोट आई है। आरोप है कि बवाल के दौरान कुछ दबंगों ने मौके पर खड़े एक टेंपो को निशाना बनाते हुए उसे बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया। घटना के बाद पूरे गांव में तनाव का माहौल बना हुआ है।

सूचना मिलते ही थाना प्रभारी संतोष सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और हालात को नियंत्रित किया। पुलिस आरोपितों की तलाश में दबिश दे रही है। कस्बा प्रभारी लक्ष्मी नारायण सिंह ने बताया कि फिलहाल किसी भी पक्ष से तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलने पर विधिक कार्रवाई की जाएगी। एहतियातन गांव में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। पुलिस का कहना है कि हालात काबू में हैं।

बिशारतगंज में आमने-सामने से हुई कार-बाइक में भिड़ंत, युवक की मौत

संवाददाता, बिशारतगंज

अमृत विचार : अलीगंज-रमपुरा मार्ग पर सोमवार शाम पराबहाउद्दीनपुर गांव के समीप हुए सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मृतक रोहित

प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार ने बताया कि थाना भमोरा क्षेत्र के नौगवा ठाकुरान गांव निवासी गजरा मौर्य का 20 वर्षीय पुत्र रोहित बाइक से थाना बिशारतगंज क्षेत्र के गिघौली गांव में रिश्तेदारी में जा रहा था। इसी दौरान अलीगंज से देवचरा की ओर जा रही एक ईको कार से उसकी आमने-सामने भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि रोहित ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे की सूचना पर सीओ आंवला नितिन कुमार भी मौके पर पहुंचे पुलिस ने दोनों वाहनों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। परिजनों की तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है। घटना के बाद कार चालक को ग्रामीणों ने पुलिस के सुपुर्द कर दिया। मृतक रोहित अविवाहित था और पुताई का कार्य कर अपने परिवार का भरण-पोषण करता था।

हाफिजगंज थाना क्षेत्र में रविवार शाम हाफिजगंज तिराहे के पास तेजी से आ रही बाइक ने साइकिल में टक्कर मारने से ओमकार(26) की जान चली गई। वह भटठे से मजदूरी करके लौट रहे थे। घर में अकेले कमाने वाले थे।

मिट्टी की ढांग गिरने से घायल किशोर की मौत

मीरगंज, अमृत विचार : क्षेत्र के एक गांव में मिट्टी की ढांग गिरने से घायल किशोर की इलाज के दौरान मौत हो गई। उसकी मौत की सूचना से घर में होली के त्योहार पर कोहराम मच गया।आपको बता दें कि गांव धनेटा निवासी विक्की मौर्य उम्र करीब 16 वर्ष बीते शुक्रवार को घर में चूल्हा बनाने के लिए कुछ लोगों के साथ मिट्टी लेने भाखड़ा नदी किनारे गया। नदी किनारे मिट्टी खोदते समय ढांग विक्की और उसके साथी के ऊपर गिर गई थी। जिससे दोनों मलबे में दब गए थे। ग्रामीणों ने दोनों को बाहर निकाला। उन्हें गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया। रविवार रात में इलाज के दौरान 16 वर्षीय विक्की मौर्य पुत्र अनिल मौर्य की मौत हो गई।होली त्योहार के एक दिन पहले विक्की की मौत से घर में कोहराम मच गया। पूर्व प्रधान प्रेमराज मौर्य ने बताया विक्की अनिल का इकलौता पुत्र था। वह गड्ढे में बैठकर मिट्टी खोद रहा था। ढांग गिरने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। अब उसकी मृत्यु हो गई। परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

मृतक विक्की

ट्रॉली की टक्कर से बाइक सवार की मौत

भोजीपुरा अमृत विचार : जादोंपुर सेथल रोड पर मसीत गांव के पास आज सुबह अज्ञात ट्रैक्टर ट्राली की टक्कर से एक बाइक साबर की मौके पर ही मौत हो गई जबकि एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। बाईक सवार मुकेश पुत्र छोटे लाल निवासी ग्राम हिमकरा, नवाबगंज सुबह करीब 7 बजे वाईक से भोजीपुरा आ रहा था रास्ते मे जादोंपुर सेथल रोड़ पर मसीत गांव के पास किसी अज्ञात ट्रैक्टर ट्राली ने टक्कर मार दी, हादसे मे मुकेश की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में एक अन्य युवक भी घायल हुआ है, जिसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

लुटेरे ने महिला पर किया हमला, गिरफ्तार

घायल महिला से घटना की जानकारी लेते क्षेत्राधिकारी नीलेश मिश्रा।

संवाददाता, नवाबगंज

अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव विथरी में देर रात लूट की नीयत से घर में घुसे युवक ने बुजुर्ग महिला पर धारदार हथियार से जानलेवा हमला कर दिया। लूट का विरोध करने पर आरोपी ने महिला के सिर पर वार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी को हिरासत में ले लिया है।

कस्बे से सटा हुआ गांव विथरी निवासी वीरपाल, दूध बेचने का कार्य करता है। वीरपाल ने थाना नवाबगंज में दी तहरीर में बताया कि उसके माता-पिता हीराकली और नत्थूलाल घर के पास अलग मकान में रहते हैं। वह माता पिता से अलग घर में रहता है। उसके पिता नत्थूलाल पैरालाईसिस से पीड़ित हैं और चलने-फिरने में असमर्थ हैं। आरोप है कि बीती रात करीब ढाई तीन बजे गांव का ही प्रदीप मौर्य घर में घुस आया और हीराकली के कान से सोने का कुंडल खींच लिया। जब महिला ने आरोपी को पहचान कर नाम लेकर ललकारा तो उसने धारदार हथियार से सिर और चेहरे पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। हमले में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। शोर-शराबा सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। 112 पुलिस की मदद से घायल महिला को सीएचसी नवाबगंज ले जाया गया, जहां हालत गंभीर होने पर उन्हें बरेली जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।महिला की हालत गंभीर बनी हुई है पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे हिरासत में ले लिया।

खरीदारी को लोग उमड़े, 500 रुपये किलो बिका मावा

शेरगढ़ ,अमृत विचार : कस्बे में सोमवार को खरीदारी को लोगों की भीड़ उमड़ी। इस दौरान क्षेत्र के गांवों से पहुंचे लोगों ने खूब खरीदारी की। दुकानदारों ने औने-पौने दामों पर विक्री कर खूब चांदी काटी।

नगर में अबीर गुलाल पिचकारी आदि की जमकर विक्री हुई। नगर की दुकानों पर खोया 450 से 500 रुपए प्रति किलो तक बिका। बड़ी संख्या में क्षेत्र के गांवों से लोग खरीदारी को शेरगढ़ पहुंचे जिससे नगर की गलियां गुलजार रही। प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ गजेंद्र सिंह ने बताया कि होली में रंग डालने के दौरान बेहद सावधानी बरतें, केमिकल रहित रंग का प्रयोग करें। किसी भी समस्या होने पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र या फिर निकटवर्ती स्वास्थ्य केंद्र में जाकर स्वास्थ्य संबंधी सलाह लें।

होलिका दहन को लेकर क्षेत्र में असमंजस का माहौल रहा। कुछ ने सोमवार को पूजन किया तो बड़ी संख्या में लोग मंगलवार को भी होलिका पूजन करेंगे।

पुलिस की मानें तो थाना क्षेत्र के प्रहलादपुर,अंबरपुर,मधुकरपुर,प नबड़िया,सुकटिया तथा कुड़का में सोमवार की रात तो वहीं शेष गांव में मंगलवार की रात्रि होलिका दहन किया जाएगा।

बिना परमिट काटे पेड़ वन विभाग ने पकड़े

वन विभाग ने पकड़ा बगैर अनुमति के काटे गये पेड़ लदा वाहन। • अमृत विचार

संवाददाता, मीरगंज

अमृत विचार: सोमवार सुबह करीब 9 बजे क्षेत्र के गांव हल्दी खुर्द में बिना परमिट शीशम के पेड़ काटे जाने की सूचना ग्रामीणों ने डीएफओ को दी। डी एफ ओ स्तर से क्षेत्राधिकारी को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही वन रेंजर संतोष कुमार मठपाल अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे।

टीम में डिप्टी रेंजर मुकेश कुमार, वन दरोगा फराज नदीम, छत्रपाल सिंह, वनरक्षक जतिन और वनरक्षक छेदा लाल शामिल रहे। टीम के मौके पर पहुंचने से पहले एक पिकअप लकड़ी भरकर जा चुकी थी, जबकि दूसरी पिकअप में लकड़ी भरी जा रही थी। वन विभाग की टीम ने मौके से लकड़ी से भरी पिकअप को कब्जे में ले लिया।टीम की जांच में सामने आया कि खेत मालिक राजवीर सिंह निवासी हल्दी खुर्द के खेत से बिना परमिट शीशम के पेड़ काटे जा रहे थे। 22 कुंतल शीशम लठ्ठा जब्त किया गया है।इस मामले में ठेकेदार शादाब अली निवासी परौरा और पिकअप चालक महावीर सिंह निवासी ग्राम मसीहाबाद समेत वृक्ष स्वामी राजवीर सिंह निवासी ग्राम हल्दी खुर्द के खिलाफ धारा 4/10 और अधिनियम नियमावली 3/28 में मुकदमा दर्ज कराया गया है।वहीं पिकअप को सीज कराया गया है।रेंजर संतोष कुमार मठपाल ने बताया कि क्षेत्र में बिना परमिट लकड़ी का कटान नहीं होने दिया जाएगा।परमिट के बाद ही लकड़ी कटान करने को कहा गया है।

कर्ज से परेशान मजदूर ने फंदे पर झूलकर दी जान

हाफिजगंज,अमृत विचार: थाना क्षेत्र के गांव मटकुला में कर्ज और बकाया मजदूरी से परेशान एक मजदूर ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस को मौके से एक सुसाइड नोट भी मिला है, जिसके आधार पर मामले की जांच की जा रही है।

- बकाया मजदूरी नहीं दे रहा था ठेकेदार

मृतक दीपांकर मिश्रा पिछले माह गांव के अन्य मजदूरों के साथ ठेकेदार के जरिए काम करने आंध्र प्रदेश गए थे। परिजनों के अनुसार वहां एक सीमेंट फैक्ट्री में काम करने के बाद मजदूरी मांगने पर कंपनी प्रबंधन ने बताया कि ठेकेदार मार्च तक का करीब ढाई लाख रुपये अग्रिम ले चुका है। आरोप है कि ठेकेदार ने मजदूरों को भुगतान नहीं किया। घर लौटने के बाद दीपांकर ने 24 फरवरी को थाना हाफिजगंज में शिकायत दी और 28 फरवरी को जनसुनवाई पोर्टल पर भी प्रार्थना पत्र भेजा, लेकिन भुगतान न होने से वह लगातार तनाव में थे। परिजनों का कहना है कि होली के त्योहार पर घर खर्च और सामान के लिए रुपये न होने से वह बेहद परेशान थे।

बताया गया कि ठेकेदार ने पांच हजार रुपये खाते में डालने का आश्वासन दिया था, पर राशि नहीं आई। इसके बाद दीपांकर घर लौटते समय चकरोड किनारे जामुन के पेड़ पर फांसी के फंदे से लटक गए। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

सड़क किनारे खड़ी कार चोरी

रिठौरा,अमृत विचार: भोजीपुरा मार्ग पर शमशान भूमि के बाहर खड़ी ईको कार को अज्ञात चोर चुरा ले गए।सुबह होने पर मोहल्ला खेड़ा का कार स्वामी नौशाद वहां पहुंचा तो उसकी कार वहां से गायब थी। काफी देर तक खोजने पर नहीं मिली तो पीड़ित ने 112 पर काल कर पुलिस को सूचना दी।

किशोरी को लेकर युवक फरार

भमोरा, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने बताया कि वह हिमाचल प्रदेश में रहकर मजदूरी कर अपने बच्चों का पालन पोषण करता है। 19 फरवरी को उसकी पत्नी दवा लेने गई हुई थी तभी उसकी पुत्री को एक युवक बहला फुसला कर ले गया । तलाश किया तो जानकारी हुई कि सोरों निवासी दीपक पुत्री को बहला फुसला कर ले गया है थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच की बात कही । परिजन बेटी के गायब होने पर परेशान हैं। पुलिस को जानकारी देने के बाद भी युवक के घर वालों के संपर्क कर रहे हैं । ताकि बेटी वापस मिल जाए।

सांस्कृतिक धरोहर है संत समाज

संवाददाता,नवाबगंज

- भाजपा नेता ने साधु-संतों का किया सम्मान

अमृत विचार: संत समाज भारतीय संस्कृति की धरोहर है और उनका सम्मान करना हर व्यक्ति का दायित्व है। प्रदेश सरकार की नीतियों और कार्यशैली की और योगी आदित्यनाथ का नेतृत्व प्रेरणादायक है। यह बात भाजपा नेता एडवोकेट नंद किशोर ने कही। वह आज यहां संतो का सम्मान करने के बाद कार्यक्रम को सबोधित कर रहे थे।

कार्यक्रम का आयोजन क्षेत्र के गांव ईंध जगीर स्थित प्राचीन शिव मंदिर परिसर में किया गया, जहां नगर और आसपास के गांवों से आए कई दर्जन संत-महात्माओं का माल्यार्पण कर तथा अंगवस्त्र ओढ़ाकर स्वागत किया गया। आयोजन में धार्मिक वातावरण में भाजपा समर्थकों की भी अच्छी-खासी मौजूदगी रही। सम्मानित किए गए संतों में प्रमुख रूप से मोहित शर्मा,गोपाल शरण, मोहन मिश्रा, विशाल शर्मा, कमल मिश्रा,प्रदीप राज, योगेश मिश्रा, कमलाकांत शास्त्री और हरिओम मिश्रा सहित अन्य संत शामिल रहे। कार्यक्रम के दौरान भाजपा नेता की पत्नी रेशम भी मौजूद रहीं। साथ ही ग्राम प्रधान प्रेमशंकर गंगवार उर्फ लला समेत कई स्थानीय गणमान्य लोग उपस्थित रहे। चर्चा है कि यह आयोजन चुनाव को ध्यान में रखकर किया गया है और आयोजक कार्यक्रम के जरिए अपनी सक्रियता का प्रदर्शन कर रहे हैं।

ईध जागीर मंदिर पर साधु संतों को सम्मानित करते भाजपा नेता नंदकिशोर और उनकी पत्नी रेशम। • अमृत विचार

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005

बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ
- 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
- बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
- आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
- कैशलेस ईलाज

स्वास्थ्य जागरूकता अभियान
निः शुल्क परामर्श
कैम्प में समस्त ब्लड जाँचें, ई.सी.जी., एक्स-रे 50% के छूट पर किये जायेंगे।
रजिस्ट्रेशन शुल्क 20/-
प्रेमलोक हॉस्पिटल
नरियावल अड्डा, शाहजहाँपुर रोड, बरेली।
महीने के प्रत्येक रविवार को
समय : सुबह 10 से 5 बजे तक
डॉ. दीपक माहेश्वरी
MBBS., MD, Consultant Physucuan & Critical Care Specialist
ब्लड प्रेशर, हृदय रोग श्वांस रोग, गम्भीर रोग विशेषज्ञ
9084307201, 9412244430
डॉ. नितिन अग्रवाल हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

सूचना

मेरे पुराने पासपोर्ट सं. एम 6116297 में मेरा नाम अनवरी गलत दर्ज हो गया है जबकि मेरा सही नाम अनबरी बेगम (ANBARI BEGUM) है । मुझे इसी नाम से जाना जाए। अनबरी बेगम पत्नी **इकबाल अहमद (IQBAL AHMAD) नि. ग्राम रिछोला किफायतुल्ला पोस्ट, थाना व तह. नवाबगंज जिला बरेली ।**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र इमरान को गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगा। मेरा व मेरे परिवार से कोई वास्ता नहीं होगा। **मो. इकबाल पुत्र श्री मो. सद्दीक निवासी बुन्दा की डेरी जिला पीलीभीत।**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

कुत्तों ने 4 साल के मासूम को नोच कर मार डाला

शाही के सुकली गांव में खेत पर अकेले पहुंचे बच्चे पर हमला

संवाददाता, मीरगंज

अमृत विचार : शाही थाना क्षेत्र के सुकली गांव में सोमवार को दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहां आवारा कुत्तों ने चार वर्षीय मासूम को घेरकर बेरहमी से नोच डाला। हमले में गंभीर रूप से घायल बच्चे ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना के बाद पूरे गांव में दहशत और आक्रोश का माहौल है।

मृतक अर्श।

जानकारी के अनुसार, सुकली निवासी खुर्शीद का चार वर्षीय बेटा अर्श सोमवार दोपहर करीब डेढ़ बजे गांव से लगभग 500 मीटर दूर खेत पर पहुंच गया। खेत में पशुओं के लिए बरसीम का चारा लगा हुआ है। बताया जा रहा है कि अर्श अक्सर अपने पिता और दादा के साथ खेत पर जाता था। पिता शाही में दूध देने गए थे और खेत पर नहीं थे। अर्श को अकेला पाकर आवारा कुत्तों के झुंड ने हमला कर दिया। कुत्तों ने उसे बुरी तरह नोच डाला। मासूम की चीखें सुनकर ग्रामीण दौड़े, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। परिजनों के अनुसार, जब पिता खेत पर पहुंचे तो देखा कि कुत्ते अर्श को नोच रहे थे। उन्होंने किसी तरह कुत्तों को भगाया, लेकिन तब तक अर्श की मौत हो चुकी थी। लहूलुहान हालत में जब बच्चे का शव घर पहुंचा तो परिवार में कोहराम मच गया। अर्श अपने भाइयों में सबसे छोटा था।

● गांव में दहशत और आक्रोश का माहौल, परिजनों का पोस्टमार्टम कराने से इनकार

ग्रामीणों का आरोप है कि कुत्ते पहले भी कई लोगों पर हमला कर चुके हैं। गांव में चर्चा है कि पास के मुर्गी फार्म से मृत चूजों को खुले में फेंका जाता है, जिससे कुत्ते आक्रामक और हिंसक हो गए हैं। गांववासियों ने प्रशासन से आवारा कुत्तों पर तत्काल नियंत्रण लगाने की मांग की है। थानाध्यक्ष राजेश बैसला ने बताया कि मासूम के परिजनों ने पोस्टमार्टम कराने और तहरीर देने से इनकार कर दिया है। पुलिस आवश्यक जानकारी जुटा रही है।

जल लेने को रवाना हुईं भुड़िया कॉलोनी की महिलाएं

बहेड़ी, अमृत विचार : बहेड़ी की भुड़िया कॉलोनी की महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग सोमवार को बहगुल डैम के लिए रवाना हुए। वहां से नदी का जल लेकर ये लोग वापस आएंगे और उसी के साथ नाम कीर्तन शुरू हो जाएगा, जो रविवार तक लगातार दिन -रात चलेगा और फिर सोमवार को भंडारे के साथ समापन होगा।

जल लेने जातीं महिलाएं।

पुलिस इंस्पेक्टर बनकर जालसाजों ने पांच हजार ठगे

बिथरी चैनपुर, अमृत विचार: ठगों ने थाना प्रभारी बनकर युवक को फोन कॉल पर बंधक बनाकर पांच हजार रूपए ठग लिए। दोस्त के आ जाने से युवक ज्यादा पैसे की जालसाजी से बच पाया।

ठिरिया निजावत खां निवासी रोहित ने बताया कि सोमवार दोपहर वह दुकान पर बैठे थे। तभी अनजान नम्बर से काल आया। काल करने वाले ने खुद को थाने का एसएचओ बताया। धमकाते हुए कहा की तुम मोबाइल पर गन्दी फिल्मे देखते हो। तुम्हारे खिलाफ मुकदमा लिखा जा रहा है। यदि बचना चाहते हो तो तुरंत मेरे नंबर पर 16 हजार रूपए भेज दो। रोहित के मना करने पर वह उसे धमकाने लगा।रोहित ने बताया डर के कारण उसे तीन बार मे पांच हजार रुपय ट्रांसफर कर दिए। बाद मे रोहित के दोस्त के आ जाने पर ठगो ने काल कट कर दिया। तब रोहित को ज्ञात हुआ की उसके साथ ठगी हो गयी है। जिसकी शिकायत उसने पुलिस से की है।

शिवधाम गुरुगांव में धूमधाम से मनाया गया होलिका उत्सव

संवाददाता, गुलड़िया

अमृत विचार: शिव धाम गुड़गांव मुश्किल गांव में शिव धाम मंदिर पर होलिका उत्सव का पर्व बड़ी धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर अवध और बृज क्षेत्र से आए हुरीयारों ने खूब धमाल किया और बहजोई के कलाकारों ने लठमार होली खेल कर सबका मन मोह लिया। इस अवसर पर आश्रम के संत शरण दास महाराज ने सभी श्रद्धालुओं व दूर-दराज से आए महंत के साथ होली खेली और श्री कृष्ण धाम वृंदावन से पधारे प्रेमानंद महाराज के शिष्य किशोरी शरण महाराज ने भजन सुनाए। बहजोई से आए कलाकारों ने भी भगवान राम व कृष्णा एवं शिव पार्वती की सुंदर झांकियां दिखाकर सभी भक्तों का मन मोह लिया और सभी भक्ति झांकियां का आनंद लिया और होली के रंगों में सभी भक्तों ने एक दूसरे के साथ रंग लगा होली मनाई।

कार्यक्रम पेश करते कलाकार। ● अमृत विचार

राम जी की निकली सवारी रामजी की है लीला न्यारी, हम हो गए राधा रानी के गीतों का श्रद्धालुओं ने आनंद लिया। मंदिर के महंत संत शरण दास महाराज ने कहा कि होली का अपना एक अलग महत्व है यह भगवान के भक्तों की विजय का पर्व है बुराई रूपी होलिका ने भगवान के भक्त प्रहलाद को खत्म करने के लिए काम किया था वह खुद नष्ट हो गए लेकिन भगवान का भक्ति सा कुशल जीवित निकल आया। शिव धाम गुरुगांव में बरेली ,बदायूं ,आंवला के अलावा वृंदावन ,हरिद्वार आदि से महंत ने पहुंचकर गुरुगांव मंदिर पर होली का उत्सव मनाया इस अवसर पर पीयूष वर्मा,हर फूल सिंह, ज्ञानचंद लोधी,डॉक्टर जीराज यादव, अमित राज यादव, सुनील लोधी, आदि लोगों ने पहुंच शिव धाम मंदिर पर होली का पर्व मनाया ।

होली पर पुलिस अलर्ट, कहीं पैदल मार्च तो कहीं बाइक रैली से संदेश

संवाददाता, देवरनियां

अमृत विचार: कोतवाली देवरनियाँ व रिछा चौकी क्षेत्र में होली और रमजान को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में है। संवेदनशील स्थानों और आसपास के मिश्रित आबादी वाले इलाकों में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए हैं। सोमवार शाम को उप जिलाधिकारी इश्ता किशोर, क्षेत्राधिकारी बहेड़ी अरुण कुमार सिंह, कोतवाली प्रभारी उप निरीक्षक आशुतोष द्विवेदी सहित पुलिस बल के साथ वसुधरन जागीर , सिंगतरा , नगर पंचायत देवरनियाँ , गिरधरपुर , मगरी नवादा , धर्मपुरा में फ्लैग मार्च निकाला। जुलूस मार्ग चिह्नित कर संवेदनशील रास्तों का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने प्रमुख चौराहा धार्मिक स्थलों और भीड़ भाड़ वाले स्थानों का निरीक्षण कर कर्मचारियों से अफवाह व हुड़दंग की स्थिति में तत्काल सख्त कार्रवाई की करें।

देवरनियां में मोहल्ले और गलियों में पैदल मार्च करती देवरनियां पुलिस। ● अमृत विचार

बहेड़ी में पुलिस अलर्ट मोड पर है होली से पहले शहर के बाहरी इलाकों और बाईपास पर बाइक रैली निकाली।

देवरनियां में डीजे संचालकों को भड़काऊ गाने न बजाने की हिदायत

देवरनियाँ , अमृत विचार : कोतवाली देवरनियां में सोमवार को एसएसआई नवदीप सिंह की अध्यक्षता में क्षेत्र के डीजे संचालकों की मीटिंग का आयोजन किया गया जिसमें डीजे वालों को आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए कहा कि होली के त्योहार में डीजे पर कोई भी भड़काऊ गाने नहीं बजाए जाएंगे। धीमी आवाज में डीजे को बजाने की अपील की उन्होंने कहा कि यदि कोई तेज आवाज में बजाने अथवा भड़काऊ गाने बजवाने के लिए दबाव डालता है तो वह तुरंत क्षेत्रीय हल्का इंचार्ज अथवा कोतवाली के सी यू जी नम्बर पर पुलिस को सूचना दे।

डीजे की ऊंचाई 12 फीट से ऊंची न हो

क्योलडिया , अमृत विचार : थाना परिसर में सोमवार को डीजे संचालकों के साथ मीटिंग हुई जिसमें प्रभारी निरीक्षक वेद सिंह ने डीजे संचालकों को सख्त निर्देश दिए ।कहा कि होली पर्व पर देश विरोधी गाने नहीं बजाएं जाएंगे और आवाज को मानक के अनुसार रखें शांति समिति के बैठक में हिदायत दी की डीजे की ऊंचाई वाहन के साथ 12 फीट से ऊंची नहीं होनी चाहिए और डीजे पर ऐसा कोई गाना नहीं बजाया जाए जिससे किसी जाति धर्म में या अन्य समुदाय पर ठेस पहुंचे। डीजे संचालकों को नोटिस भी दिए और सभी से रमजान व होली शांतिपूर्वक मनाने की अपील की अफवाह पर ध्यान ना दें और कानून का पालन करें।

पुलिस अफसरों ने शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए बाइकों पर किया मार्च

क्योलडिया, अमृत विचार : होली पर्व के मद्देनजर आम जन में शांति सुरक्षा का भाव बनाए रखने और अपनी ओर से कानून व्यवस्था चुस्त दुरुस्त रखने का संदेश देने के उद्देश्य प्रभारी निरीक्षक वेद सिंह के नेतृत्व में क्योलडिया, भौआ बाजार, करुआ साहिबगंज में भारी पुलिस बल के सहित बाइक सवार जवानों ने मार्च निकाला और खुरापातियों को सख्त संदेश दिया कि अगर त्योहार में खलल डालने की कोशिश की तो उनके मंसूबों को पूरी तरह कुचल दिया जाएगा। इस दौरान उप निरीक्षक अर्जित कुमार, मुकेश कुमार, महेंद्र प्रताप, देशराज सिंह तोमर समेत दर्जनों पुलिसकर्मी मैजूद रहे।

टीम देखकर भागा युवक 25 किलो मावा नष्ट कराया

संवाददाता, फरीदपुर

अमृत विचारः खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम त्योहार से एक दिन पूर्व मावा मंडी पहुंची। वहां टीम को देखकर मावा बेचने आया युवक भाग खड़ा हुआ। टीम ने युवक का मावा गड्ढे में दबाकर नष्ट करा दिया है।

होली पर नकली और मिलावटी मावा खप जाता है। अनजान लोग असली नकली की पहचान नहीं कर पाते और खराब चीज ले जाते है जिसका सेवन करने पर वह बीमार भी हो जाते हैं। होली पर मावा की खपत बढ़ती है तो मुनाफाखोर मिलावटी मावा बाजार में खपाते हैं। मिलावटी खाद्य पदार्थ बिकने से रोकने का काम खाद्य सुरक्षा विभाग का है लेकिन विभाग की टीम होली और दिवाली में ही सक्रिय होती है और खानापूर्ति कर शांत हो जाती है। सोमवार को मावा मंडी पहुंची टीम को देखकर युवक भागा तो टीम को आसानी से नकली मावा मिल गया। टीम ने उस मावा को मिट्टी के गड्ढे में दबाकर नष्ट करा दिया है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी हिमांशु ने बताया सोमवार को फरीदपुर की मावा मंडी पर पहुंचा तो एक युवक अपना मावा छोड़ कर भाग गया जिसे नष्ट करा दिया गया मावा की मात्रा लगभग 25 किलो थी।

गड्ढे में दबाकर मावा नष्ट करती टीम।

बहेड़ी के किसानों को नई तकनीक और योजनाओं के बारे में दी जानकारी

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचारः आईवीआरआई की ओर से सोमवार को बहेड़ी के गांव जसनपुर में ब्लॉक स्तरीय एक दिवसीय किसान मेला एवं प्रदर्शनी का आयोजन हुआ। मेला से जिले के कुल 260 किसान लाभान्वित हुए, जिनमें 45 महिलाएं भी शामिल थीं।

मेला का उद्घाटन करते हुए संयुक्त निदेशक प्रसार शिक्षा डॉ. रूपसी तिवारी ने कहा कि मेला का मुख्य उद्देश्य किसानों को पशुपालन और पशु स्वास्थ्य के क्षेत्र में संस्थान की ओर से विकसित नई तकनीकों और प्रगतियों से अवगत कराना है। उन्होंने नस्ल प्रबंधन, पशु स्वास्थ्य देखभाल, परजीवी रोगों का निदान, जैविक खेती, सरकारी योजनाओं और ऋण सुविधाओं के बारे में किसानों को जानकारी दी। डॉ हीरा राम ने परजीवी रोगों और उनके रोकथाम के उपाय बताए। डॉ हरिओम पांडे ने गाय, भैंस और बकरी जैसी पशुओं की उन्नत नस्ल व रख-रखाव पर जानकारी दी। डॉ. अंजू काला ने पशुओं के सही खान-पान और दाना बनाने की विधि बताई। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के विजेता किसानों को सम्मानित किया गया। डॉ के. महेन्द्रन, डॉ. अनुराग पटेल, डॉ एचआर. मीना, डॉ. महेश चन्द्र, डॉ राम सिंह सुमन, डॉ मदन सिंह, डॉ श्रुति, डॉ रणजीत सिंह, डॉ शार्दूल, दुर्गा दत्त शर्मा, वीर सिंह आदि का विशेष योगदान रहा।

महिला किसान को सम्मानित करतीं डॉ. रुपसा तिवारी। ● अमृत विचार

● आईवीआरआई ने बहेड़ी के जसनपुर में किसान मेला आयोजित किया

ट्रेन से कटकर गोवंशीय पशु की मौत, लगा जाम

भमोरा, अमृत विचार : बरेली सिटी से नागपुर जा रही बीसीएन मालगाड़ी से मकरंदपुर रेलवे स्टेशन व क्रॉसिंग के बीच गोवंशीय पशु की कटकर मौत हो गई। स्टेशन मास्टर विकास ने बताया कि मालगाड़ी मकरंदपुर रेलवे स्टेशन से गुजर रही थी तभी फाटक व स्टेशन के बीच में गोवंशीय पशु आ गया जिसकी कटकर मौत हो गई जिसके चलते ट्रेन फाटक पर लगभग 20 मिनट रुकी रही और आंवला भमोरा मार्ग पर लंबा जाम लग गया।

कार ने बाइक को मारी टक्कर, तीन घायल

फतेहगंज पूर्वी : आज ग्राम निकसुआ के समीप कार ने मोटरसाइकिल सवारों को टक्कर मार दी ।जिससे मोटरसाइकिल पर सवार तीन लोग घायल हो गए। सूचना पर थाने की टीम द्वारा मौके पर पहुँच कर घायलों को उपचार हेतु भेजा गया ।

चीनी मिल में स्वास्थ्य शिविर में 110 की जांच

स्वास्थ्य शिविर में मौजूद अफसर। ● अमृत विचार

संवाददाता, मीरगंज

अमृत विचारः सोमवार को धामपुर बायो ऑर्गेनिक्स चीनी मिल में स्वास्थ्य शिविर लगाया गया। इसमें बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लेकर स्वास्थ्य की जांच कराई। शिविर का आयोजन इकाई प्रमुख सरबजीत सैनी द्वारा किया गया। इस दौरान कर्मचारियों के लिए कोलेस्ट्रॉल, शुगर और अन्य आवश्यक स्वास्थ्य जांच की सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। जांच शिविर में कुल 110 अधिकारियों और कर्मचारियों ने स्वास्थ्य जांच कराई और इसका लाभ प्राप्त किया। इस दौरान कारखाना प्रबंधक अरविन्द गंगवार, ओपी वर्मा, महेंद्र अग्रवाल, जय गोपाल चावला, अभिषेक शर्मा, संजय कुमार सिंह, अनिल गुप्ता तथा संजय यादव शेषनाथ यादव, शिवम, नवनीत रस्तोगी, आदि रहे।

कार्यालय ग्राम पंचायत बलेही पहाड़पुर विकासखंड मीरगंज (बरेली)

अल्पकालीन निविदा सूचना

समस्त अधिकृत फर्मो/विक्रेताओं को सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में ग्राम पंचायत बलेही पहाड़पुर में मनरेगा योजना से निम्न निर्माण कार्य हेतु कार्य स्थल पर सामग्री आपूर्ति हेतु पंजीकृत फर्मो से निविदा आमंत्रित की जाती है जिसका सामग्री विवरण निम्नवत है -प्रथम श्रेणी ईट, बजरी, बजरफुट, सीमेंट, रेत, रोड़ी, सरिया व अन्य सामग्री जो प्राक्कलन में लिखित है।

क्र.सं.	कार्य का नाम	अनु. लागत	योजना
1.	पन्ना लाल के घर से चौराहे तक सीसी निर्माण कार्य	255827/-	मनरेगा

उक्त कार्य हेतु सीलबंद निविदाएं दिनांक 03.03.2026 से दिनांक 09.03.2026 दोपहर 1:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। जो उसी दिनांक 09.03.2026 दोपहर 3:00 बजे निविदादाताओं या उनके प्रतिनिधि के समक्ष खोली जाएगी। कार्य हेतु सामग्री आपूर्ति आदि की सूचना ग्राम पंचायत कार्यालय पर उपलब्ध है जो किसी भी कार्यालय दिवस में देखी जा सकती है। किसी भी विवाद की स्थिति में ग्राम पंचायत का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा।

प्रधान-श्रीमती दुर्गावती   सचिव

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-ऑक्शन सूचना

वरि0 मंडल वाणिज्य प्रबन्धक/इज्जतनगर द्वारा आई.आर.ई.पी.एस. (IREPS) पर पंजीकृत संस्थाओ से ई-ऑक्शन के माध्यम से प्रीमियम ब्रांड कैटरिंग आउटलेट ठेकों हेतु बोलियां आमंत्रित की जा रही है। ऑक्शन कैटेलाग को आई.आर.ई.पी.एस. (IREPS) की वेबसाईट www.ireps.gov.in पर प्रकाशित किया जा चुका है। इज्जतनगर मंडल की आगामी ई-ऑक्शन का विवरण निम्नवत है:-

श्रेणी	कैटलॉग सं0	ऑक्शन प्रारम्भ	ऑक्शन समापन
खानपान	IZN-CAT-PBCO-26	18.03.26/12:00:00	18.03.26/12:40:00

क्रम	स्टेशन	स्टेशन कोड	श्रेणी	ऑक्शन के लिये इकाई	चिन्हित इकाई	लोकेशन
1	इज्जतनगर	IZN	डी	जीएमयू	अनारक्षित	इज्जतनगर स्टेशन परिसर में RCR एवं Modern toilet के मध्य
2	काठगोदाम	KGM	ए	एसएमयू	अन्य पिछड़ा वर्ग	काठगोदाम स्टेशन परिसर

1. बोलीदाताओ को सलाह दी जाती है कि ई-ऑक्शन से सम्बन्धित जानकारी के लिये रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in देखें।
2. उक्त ई-ऑक्शन, आई.आर.ई.पी.एस (IREPS) के ई-ऑक्शन लीजिंग मॉडयूल के माध्यम से आमंत्रित किया गया है।
3. ई-ऑक्शन सम्बन्धित समस्त जानकारी जैसे पात्रता, कार्य का दायरा, ठेके की अवधि, नियम एवं शर्ते आदि आई.आर.ई.पी.एस (IREPS) की वेबसाईट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।
4. बोलीदाता उक्त दिये गये दिनांक एवं समय के अनुसार ही ई-ऑक्शन में भाग ले सकते है।
5. सभी संभावित बोली दाताओं से अनुरोध है कि ई-ऑक्शन से सम्बनधित किसी भी शुद्धिपत्र हेतु नियमित रूप से रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in का अवलोकन करते रहें।

मुजाधि/वाणिज्य-274   सहायक वाणिज्य प्रबन्धक/इज्जतनगर

"ट्रैनों में ज्वलनशील पदार्थ लेकर यात्रा न करें"

पीटीआर के तीन जंगल मार्गों पर रात में यातायात प्रतिबंधित

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : बाघ समेत वन्यजीवों की सुरक्षा को लेकर पीलीभीत टाइगर रिजर्व क्षेत्र के अंतर्गत पीलीभीत-पूरनपुर हाईवे समेत तीन जंगल मार्गों पर शाम से लेकर सुबह तक वाहनों की आवाजाही को प्रतिबंधित किया जा रहा है। रात में बाघ समेत अन्य वन्यजीव सड़कों पर आने के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। ऐसे में वन्यजीवों की जान को खतरा भी है। दरअसल, टाइगर रिजर्व प्रशासन द्वारा यह कदम सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए आदेश के अनुपालन में लिया गया है। वन्यजीवों की सुरक्षा की दृष्टि से टाइगर रिजर्व प्रशासन द्वारा लिए गए इस निर्णय को लेकर खासा घमासान खड़ा हो गया है। ऐसे में यदि इन जंगल मार्गों पर यातायात प्रतिबंधित किया गया तो टकराव के आसार से भी इंकार नहीं किया जा सकता है। हालांकि वन अफसर इस बात पर रात में जंगल मार्गों पर यातायात प्रतिबंधित करने की बात पर अडिग हैं।

पीलीभीत-पूरनपुर हाईवे पर माला जंगल के अंदर से गुजरते वाहन। ● अमृत विचार

● इन्हीं मार्गों पर रहती है वन्यजीवों की सर्वाधिक चहलकदमी

पीलीभीत टाइगर रिजर्व के जंगल क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले पूरनपुर-पीलीभीत, पीलीभीत-माधोटांडा और माधोटांडा-खटीमा मार्ग समेत अन्य जंगल मार्गों पर बाघ समेत अन्य वन्यजीवों के गुजर रहे वाहनों के आगे आने के मामले अकसर सामने आ रहे हैं। वन अफसरों की मानें तो वन्यजीवों की सर्वाधिक चहलकदमी इनहीं तीनों जंगल मार्गों पर पर रहती है। इन जंगल मार्गों पर रात को भी बड़ी तादाद में वाहनों की आवाजाही जारी रहती है। ऐसे में रात को जंगल मार्गों पर आने वाले वन्यजीवों की जान को तो खतरा है ही, साथ ही मार्ग से गुजर रहे लोगों पर भी खतरा मंडराता रहता है। हालांकि पूर्व में टाइगर रिजर्व प्रशासन ने मानव-वन्यजीव संघर्ष रोकने और वन्यजीवों की सुरक्षा को लेकर माधोटांडा-खटीमा मार्ग के संवेदनशील क्षेत्र से रात्रि में वाहनों के आवाजाही को प्रतिबंध करने करने निर्णय भी लिया था, मगर इसको अमलीजामा नहीं पहनाया जा सका था।

> सुप्रीम कोर्ट के पारित आदेश के क्रम में वन क्षेत्र से गुजरने वाले जंगल मार्गों पर रात के समय यातायात प्रतिबंधित किया गया है। मात्र आपातकालीन वाहनों को एस्कार्ट के साथ जाने की अनुमति दी गई है। यह निर्णय वन्यजीवों की सुरक्षा को लेकर लिया जा रहा है। इस बाबत संबंधित रेंजों के क्षेत्रीय वनाधिकारियों को निर्देशित किया गया है। **-भरत कुमार डीके**, प्रभारी डीएफओ, पीलीभीत टाइगर रिजर्व

इधर, अब टाइगर रिजर्व प्रशासन ने मात्र महोफ रेंज के अंतर्गत आने वाले माधोटांडा-खटीमा मार्ग ही नहीं बल्कि माला रेंज के अंतर्गत सर्वाधिक वाहनों की आवाजाही वाले पीलीभीत-पूरनपुर हाइवे और पीलीभीत-माधोटांडा मार्ग पर रात्रि के दौरान यातायात प्रतिबंधित कर दिया है। इस बाबत टाइगर रिजर्व प्रशासन की ओर से रविवार शाम माला एवं महोफ रेंज के क्षेत्रीय वनाधिकारियों को आदेश जारी किया गया है। टाइगर रिजर्व प्रशासन के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट द्वारा बीते वर्ष 17 नवंबर को पारित आदेश के क्रम में नेशनल टाइगर कंजर्वेशन अथॉरिटी (एनटीसीए) द्वारा जारी आदेश के अनुपालन में टाइगर रिजर्व के अंतर्गत गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग एवं राजमार्ग समेत जनपदस्तरीय मार्गो पर यातायात प्रतिबंधित किया गया है। इसी आदेश के परिपेक्ष्य में अब टाइगर रिजर्व प्रशासन पीटीआर के अंतर्गत पीलीभीत-पूरनपुर हाईवे, पीलीभीत-माधोटांडा एवं माधोटांडा-खटीमा मार्ग (वन क्षेत्र के अंदर से गुजरने वाले खंड) पर सूर्यास्त से लेकर सूर्योदय तक यातायात प्रतिबंधित कर दिया है। टाइगर रिजर्व प्रशासन के मुताबिक इस प्रतिबंध के दौरान केवल आपातकालीन वाहनों को वन विभाग के एस्कार्ट के साथ गुजरने की अनुमति दी गई है।

कोई विकल्प नहीं होने से मची खलबली

टाइगर रिजर्व प्रशासन की ओर से पीलीभीत-पूरनपुर हाईवे समेत तीन जंगल मार्गों पर यातायात प्रतिबंधित करने संबंधी आदेश रविवार शाम जारी किया गया। यह सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने के साथ खलबली मच गई। कुछ जनप्रतिनिधियों के प्रतिनिधि ने तो आश्वस्त किया कि कि कोई भी रास्ता बंद नहीं होगा। एक नेता ने आदेश को जनविरोधी करार दिया।

कार्यालय जिला प्रोबेशन अधिकारी, पीलीभीत

पत्रांक : C-1715/प्रोबे./विज्ञप्ति प्रकाशन/2025-26   दिनांक : 28.2.26

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि दिनांक 26.02.2026 को एक अज्ञात शिशु (बालिका) जिसकी उम्र लगभग 01 दिन, लम्बाई 46 सेमी. एवं वजन 3.250 कि.ग्रा. है, थाना माधौटाण्डा के अंतर्गत ग्राम करेलिया होली तालाब के किनारे विनोद कुमार के मकान के पीछे लावारिस अवस्था में पायी गयी है। उक्त बालिका को बाल कल्याण समिति, पीलीभीत के आदेशानुसार राजकीय दत्तक ग्रहण अभिकरण गोदावरी स्टेट पीलीभीत में उच्च देखरेख एवं संरक्षण हेतु आवासित करा दिया गया है। इस बालिका का यदि कोई परिवारीजन/ संरक्षक/जैविक माता-पिता हो तो वह 60 दिन के अंदर जिला प्रोबेशन अधिकारी अथवा बाल संरक्षण अधिकारी के विकास भवन कमरा नं. 62, द्वितीय तल स्थित कार्यालय में संपर्क कर सकते है। यदि कोई परिवारीजन विज्ञप्ति सूचना के 60 दिन के अंदर दावा प्रस्तुत नहीं करेगा, तब उक्त बालिका को उसके सर्वोत्तम हित हेतु दत्तक ग्रहण के लिये कानूनी रूप से बाल कल्याण समिति, पीलीभीत द्वारा स्वतंत्र घोषित कर दिया जायेगा।

संपर्क हेतु मो.नं. 7518024015, 9457535474

(अनुराग श्याम रस्तोगी)
जिला प्रोबेशन अधिकारी/
जिला बाल संरक्षण अधिकारी
पीलीभीत

ईरान-अमेरिका युद्ध लंबा खिंचने के आसार

- पूरे क्षेत्र में युद्ध की विभीषिका फैलाने के लिए ईरान पड़ोसी देशों पर कर रहा लगातार हमले
- अमेरिका-इजराइल सत्ता परिवर्तन के लिए आक्रमण की धार और तेज करने की तैयारी में

अगर जरूरत पड़ी तो अमेरिकी सेना ईरान पर चार से पांच हफ्ते तक हमला जारी रख सकती है। उन्होंने कहा कि ईरान में सत्ता बदलने के लिए जिस तरह हमने वेनेजुएला में निकोलस मादुरो को हटाया है, उसी तरह की जरूरत यहां भी पड़ सकती है, ताकि देश के अधिकांश हिस्से को ज्यादा प्रभावित ना किया जाए। यह मुश्किल नहीं होगा। हमारे पास दुनिया भर के अलग-अलग देशों में गोला-बारूद रखा हुआ है।

–डोनाल्ड ट्रंप, द न्यूयॉर्क टाइम्स के साथ संक्षिप्त टेलीफोन इंटरव्यू

इजराइल के हेब्रान में ईरान की ओर से दागी गई मिसाइल के आसमान से नीचे गिरने का दृश्य।

मनोज त्रिपाठी

अमृत विचार। इजराइल-अमेरिका और ईरान के बीच जारी युद्ध छोटा और निर्णायक होने की उम्मीद के विपरीत लंबा खिंच सकता है। ईरान जिस तरह पश्चिमी देशों के अनुमान से कहीं अधिक मजबूती से मुकाबला कर रहा है, उससे यह जोखिम लगातार बढ़ता जा रहा है। ईरान ने स्पष्ट किया है कि वह लंबे समय तक चलने वाले युद्ध के लिए तैयार है। ईरानी सेना का दावा है कि उनकी मिसाइल क्षमताएं अभी भी काफी हद तक सुरक्षित हैं, और ड्रोन अगले कई दिनों तक हमलों के लिए तैयार हैं। उधर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप साफ कह रहे हैं कि ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान तब तक जारी रहेगा, जब तक सभी लक्ष्य प्राप्त नहीं हो जाते। इस बीच अमेरिकी रक्षा अधिकारियों के अनुसार, मध्य पूर्व में और अधिक सैनिक भेजे जा रहे हैं।

ईरान हमले के बाद लगातार युद्ध को अपने तक सीमित न रखकर पूरे क्षेत्र में फैलाने की कोशिश कर रहा है। वह अपनी लंबी रेंज की मिसाइलों से मध्य पूर्व देशों में स्थित सभी अमेरिकी बेस पर हमला कर रहा है। बहरीन, कतर, संयुक्त अरब अमीरात में अमेरिकी सैन्य ठिकानों और संपत्तियों पर उसके हमले जारी हैं, इससे पूरे क्षेत्र में अस्थिरता फैल गई है। ईरान चाहता है कि ये देश अमेरिका और इजरायल को कार्रवाई करने से रोकें। दुनिया पर ईंधन संकट का दबाव डालने के लिए उसने सऊदी अरब, कुवैत और कतर में तेल और गैस उत्पादन ढांचे को भी निशाना बनाया है।

भारत की पश्चिमी कमान के पूर्व फ्लैग-ऑफिसर-कमांडिंग वाइस एडमिरल शेखर सिन्हा (सेवानिवृत्त) के मुताबिक ईरान के पास मिसाइलों और ड्रोन का विशाल भंडार हैं। ऐसे संकेत हैं कि रूस और चीन ने अपनी आपूर्ति लाइनें खोल दी हैं। रक्षा अध्ययन एवं विश्लेषण संस्थान के पूर्व उप महानिदेशक मेजर जनरल आलोक देब का कहना है कि जल्दी सत्ता परिवर्तन मुश्किल है, क्योंकि ईरान के पास सैन्य और नागरिक नेतृत्व का एक बड़ा समूह है, जिसे नौकरशाही का भी समर्थन प्राप्त है। विशेषज्ञों के अनुसार सबसे बड़ा खतरा 'बदले की भावना' में छिपा है। यदि ईरान को लगता है कि अमेरिकी हमले उसके अस्तित्व के लिए खतरा हैं, तो वह एक व्यापक युद्ध की ओर बढ़ सकता है।

इजराइल के बेटशियान शहर में ईरानी मिसाइल हमले में ध्वस्त हुई इमारत।

जश्न अभी विद्रोह का इशारा नहीं

- ईरान, अमेरिका समर्थित अरब देशों पर हमले इस उम्मीद में कर रहा है कि वे ट्रंप पर युद्धविराम समझौते के लिए दबाव डालेंगे, जबकि ट्रंप और नेतन्याहू को ईरान के कुछ हिस्सों में खामेनेई की मौत के बाद हुए जश्न से आशा है कि जनवरी की तरह ईरानी जनता विद्रोह करके धार्मिक शासन का अंत कर देगी। लेकिन अभी डेढ़ माह पहले जैसे हालात ईरान में अभी नहीं नजर आ रहे हैं।

अमेरिका को और नुकसान की आशंका रखनी चाहिए

- अमेरिका के ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष जनरल डैनियल केन ने कहा है कि ईरान के खिलाफ अमेरिकी लड़ाई 'एक रात के अभियान' तक सीमित नहीं रहेगी। अमेरिका को अपने और अधिक सैनिकों के हताहत होने की आशंका रखनी चाहिए, जो सैन्य लक्ष्य सौंपे गये हैं, उन्हें हासिल करने में समय लगेगा। कुछ मामलों में, यह काम कठिन और चुनौतीपूर्ण होगा।

ईरान में 550 से ज्यादा लोगों की मौत

- **तेहरान।** इजराइल तथा अमेरिका के ईरान पर संयुक्त हमले में अब तक ईरान में 555 से ज्यादा लोगों की मौत हो गयी है। इजराइल ने ईरान के साथ साथ लेबनान को भी निशाना बनाया और दावा किया कि उसने वहां सक्रिय आतंकी संगठन हिजबुल्लाह के खुफिया प्रमुख हुसैन माकलेद को मार डाला है। इससे पहले लेबनान ने कहा कि दक्षिणी इलाकों और राजधानी बेरूत पर इजराइली हवाई हमलों में 31 लोग मारे गए और डेढ़ सौ से अधिक घायल हो गए।

पिछले साल 12 दिन चली जंग, अब तक 6 बार संघर्ष

स्पेशल डेस्क

अमृत विचार। अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच छोटे संघर्ष कई बार हो चुके हैं। अब तक छह बार हो चुकी लड़ाई मिसाइलों, ड्रोनों और हवाई हमलों से ही लड़ी गई है। सबसे बड़ी जंग जून 2025 में 12 दिन चली थी। 1988 में एक दिन के लिए अमेरिका और ईरान के बीच छोटी लेकिन तेज जंग हुई थी, जिसमें अमेरिका ने जीत हासिल की थी। इस जंग में अमेरिका के 2 जबकि ईरान के 56 सैनिक मारे गए थे। ईरान की नौसेना लगभग तबाह हो गई थी। जनवरी 2020 में अमेरिका ने ईरान के बड़े कमांडर कासिम सुलेमानी को मार दिया था। ईरान ने बदला लेने के लिए इराक में अमेरिकी बेस पर मिसाइलें दागी थीं। इस जंग में कोई सैनिक नहीं मरा लेकिन 110 से ज्यादा अमेरिकी सैनिकों को दिमागी चोट पहुंची थी। अप्रैल 2024 में ईरान ने इजराइल पर 300 से ज्यादा ड्रोन और मिसाइलें दागी थीं। लेकिन इजराइल ने 99 प्रतिशत हमले रोक लिए। जंग 2 दिन चली, नुकसान बहुत कम हुआ। इसके बाद अक्टूबर 2024 में ईरान ने 180 मिसाइलें दागीं। इजराइल ने ईरान पर हमला किया। दोनों संघर्ष में इजरायल की जीत हुई। जून 2025 में इजराइल और अमेरिका के साथ ईरान की सबसे बड़ी जंग हुई, जो 12 दिन, 13 जून से 24 जून तक चली। इजराइल और अमेरिका ने मिलकर ईरान के परमाणु कार्यक्रम को निशाना बनाया और लगभग ध्वस्त कर दिया। इस जंग में ईरान के एक हजार से ज्यादा लोग मारे गए, जिनमें 400 से नागरिक थे। इजराइल में भी 28 लोग मारे गए। ईरान के कई परमाणु प्लांट, मिसाइल फैक्ट्री और एयर डिफेंस तबाह हो गया। इसी दौरान अमेरिका ने 2 जून को ईरान के तीन परमाणु प्लांट पर हमला किया था।

ईरान पर हमले को लेकर अमेरिकी संसद में होगी चर्चा

वाशिंगटन, एजेंसी

ईरान पर अमेरिका की बमबारी के बाद अमेरिकी संसद युद्ध शुरू करने की राष्ट्रपति की शक्तियों पर चर्चा कर सकती है। संसद के दोनों सदनों प्रतिनिधि सभा और सीनेट ने इस सप्ताह युद्ध से जुड़ी शक्तियों को लेकर प्रस्ताव तैयार किए हैं, जिनपर बहस के बाद मतदान होना है। इन हमलों में अमेरिकी करदाताओं का बेहिसाब पैसा खर्च हो रहा है। 11 सितंबर 2001 के हमलों के बाद साल 2003 में इराक युद्ध से पहले अमेरिकी संसद में लंबी बहस हुई थीं, लेकिन इस बार ऐसा नहीं हुआ। इसके अलावा हाल ही में वेनेजुएला में अमेरिका ने सीमित सैन्य हमले किए थे। लेकिन ईरान के खिलाफ 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' नाम से शुरू किए गए इस अभियान का निकट भविष्य में अंत होता प्रतीत नहीं हो रहा है। ईरान के जवाबी हमलों में अमेरिका के कम से कम तीन सैन्य कर्मियों की मौत हो चुकी है। ट्रंप ने रविवार को आगाह किया था कि जान गंवाने वाले अमेरिकियों की संख्या बढ़ सकती है। यह समय संसद के लिए महत्वपूर्ण है। अमेरिकी संविधान के तहत केवल संसद के पास युद्ध की घोषणा करने का अधिकार होता है। निगरानी संगठन 'प्रोजेक्ट ऑन गवर्नमेंट ओवरसाइट' में द कंस्टीट्यूशन प्रोजेक्ट के कार्यकारी निदेशक डेविड जानोव्स्की ने कहा, "संविधान का उद्देश्य किसी एक सरकारी संस्था या व्यक्ति को सर्वशक्तिशाली होने से रोकना है।" उन्होंने कहा, "वास्तविक जन प्रतिनिधि संसद सदस्य होते हैं, राष्ट्रपति नहीं। हालांकि, हम आम तौर पर राष्ट्रपति पर ही सबका ध्यान रहता है। हमें ऐसे जन प्रतिनिधियों की जरूरत है, जो यह तय करें कि युद्ध में शामिल होना है या नहीं।" अमेरिका में युद्ध की घोषणा, युद्ध की मंजूरी या सैन्य बल के उपयोग के लिए संसद की मंजूरी जरूरी होती है। लेकिन ऐसा कभी कभार ही होता है। वास्तव में, संसद ने देश के इतिहास में केवल पांच बार युद्ध की घोषणा की है। आखिरी बार संसद ने 1941 में पर्ल हार्बर हमले के एक दिन बाद दूसरे विश्व युद्ध में दाखिल होने की घोषणा की थी।

विश्वसनीय बदलाव ही समाधान : ईयू अध्यक्ष

- **ब्रुसेल्स।** यूरोपीय यूनियन (ईयू) की अध्यक्ष उर्सूला वान डेर लेयेन ने कहा है कि पश्चिम एशिया की स्थिति अब भी अस्थिर बनी हुई है, लेकिन ईरान के लंबे समय से पीड़ित लोगों के लिए एक नयी उम्मीद जगी है। हम अपने भविष्य का निर्धारण करने के उनके अधिकार का पुरजोर समर्थन करते हैं। ईरान को अपने पड़ोसियों और संप्रभु देशों पर किये जा रहे अपने लापरवाह और अंधाधुंध हमलों को बंद करना चाहिए। इस क्षेत्र की स्थिरता का एकमात्र स्थायी समाधान ईरान में एक विश्वसनीय बदलाव है, जिसमें परमाणु और बैलिस्टिक कार्यक्रमों पर रोक के साथ क्षेत्र में अस्थिरता पैदा करने वाली गतिविधियों का अंत शामिल है।

फ्रांस परमाणु हथियारों की संख्या बढ़ाएगा

- **पेरिस।** फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने सोमवार को घोषणा की कि फ्रांस अपने परमाणु हथियारों की संख्या में वृद्धि करेगा। मैक्रों ने उत्तर-पश्चिमी फ्रांस के ले लोंग स्थित सैन्य प्रतिष्ठान में कहा, ' 'मैंने अपने शस्त्रागार में युद्धक हथियारों की संख्या बढ़ाने का फैसला किया है।फ्रांस परमाणु हथियारों से लैस अपने विमानों को सहयोगी देशों में अस्थायी रूप से तैनात करने की अनुमति देगा।

फ्रैंडली फायर में गिरे तीन एफ-15

- कुवैत में क्रैश हुए तीन अमेरिकी लड़ाकू विमानों पर अमेरिकी सेना ने अपडेट जारी किया है। सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट में सेंट्रल कमान ने लिखा है कि उनके तीन एफ-15 विमान कुवैत की फ्रैंडली फायर में गिरे हैं। इस बारे में अमेरिकी सेना ने एक बयान में कहा कि "अमेरिकी वायुसेना के लड़ाकू विमानों को कुवैती एयर डिफेंस ने गलती से मार गिराया है।" बयान में आगे कहा गया कि सभी पायलट सुरक्षित हैं। कुवैत ने इस घटना की पुष्टि की है और हम कुवैत के एयर डिफेंस फोर्सेस के प्रयासों और जारी अभियान में उनके समर्थन के आभारी हैं।

परमाणु ठिकाने पर हमला नहीं

- जिनेवा। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) ने कहा है कि अब तक ईरान के किसी भी परमाणु ठिकाने पर हमला नहीं हुआ है, लेकिन 'रेडियोधर्मिता रिसाव' की संभावना को टाला नहीं जा सकता। आईएईए के महानिदेशक राफेल ग्रोसी ने कहा कि आईएईए स्थिति की निगरानी जारी रखेगा।

मस्कट में तेल टैंकर पर हमला, भारतीय की मौत

दुबई, एजेंसी

ओमान में मस्कट प्रांत के तट पर सोमवार को विस्फोटकों से भरी एक मानवरहित नौका के तेल टैंकर से टकराने से एक भारतीय नागरिक की मौत हो गई। ओमान के रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा, कि समुद्री सुरक्षा केंद्र ने बताया कि मस्कट प्रांत के तट से 52 समुद्री मील दूर तेल टैंकर एमकेडी वीवाईओएम पर एक मानवरहित नाव द्वारा हमला किया गया था। उसने कहा कि हमले के परिणामस्वरूप इंजन रूम में विस्फोट के बाद आग लग गयी एवं चालक दल के एक सदस्य की मौत हो गई। उसने कहा कि चालक दल के शेष 21 सदस्यों को सुरक्षित निकाला गया। बचाए गए चालक दल में 16 भारतीय नागरिक, चार बांग्लादेशी नागरिक और एक यूक्रेनी नागरिक शामिल थे। एक दिन पहले, होर्मुज जलडमरूमध्य में एक अन्य तेल टैंकर पर हमला हुआ था।

दुबई से भारत के लिए सीमित उड़ानें शुरू

दुबई। दुबई हवाई अड्डे ने सोमवार शाम सीमित संख्या में उड़ानों का परिचालन शुरू करने की घोषणा की है जिसमें कई भारतीय शहरों की उड़ानें भी शामिल हैं। ये उड़ानें दुबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा और दुबई वर्ल्ड सेंट्रल-अल मक्तूम इंटरनेशनल से शुरू होंगी। दुबई हवाई अड्डे को ईरानी मिसाइल हमले के बाद बंद कर दिया गया था।

उत्तर प्रदेश के पांच लोग दुबई में फंसे

चंदौली, एजेंसी : पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण उड़ान सेवाएं बाधित होने के चलते प्री-वेडिंग फोटोशूट के लिए दुबई गए उत्तर प्रदेश के चंदौली जिले के दूल्हा और दुल्हन समेत दो परिवारों के पांच लोग वहां फंस गए हैं। कोयला व्यापारी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर के निवासी अजय जैन ने सोमवार को बताया कि उनका बड़ा बेटा प्रिंस जैन (27), जिसकी अप्रैल में शादी होने वाली है, अपनी मंगेतर पायल जैन (26) के साथ दुबई गया था। उन्होंने बताया कि उनके साथ प्रिंस का छोटा भाई अरिहंत (19), पायल का भाई मोनू जैन (30) और उनकी पत्नी मुस्कान (28) भी हैं।

न्यू वर्ल्ड आर्डर

ट्रंप की परमाणु हथियारों का प्रसार रोकने के लिए कूटनीति के बजाय धमकी, सैन्य दबाव और रिजीम चेंज की रणनीति

शांति का फरिश्ता बनने की चाहत और जंग का रास्ता

स्पेशल डेस्क

अमृत विचार। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दूसरी बार सत्ता में यह कहकर लौटे थे कि वह लंबे समय से चलते आ रहे युद्धों को समाप्त करेंगे। अपने इस वादे के पीछे उन्होंने अमेरिकी जनता को अफगानिस्तान और इराक में लड़े गए युद्धों की याद दिलाई थी, लेकिन एक साल में ही उन्होंने सीरिया, वेनेजुएला और ईरान सहित कई देशों में खुलेआम सैन्य अभियान शुरू कर दिए। ट्रंप एक तरफ तो दुनिया के सामने खुद को शांति का सबसे बड़ा फरिश्ता पेश कर रहे हैं। वह दावा करते हैं कि उन्होंने आठ युद्ध समाप्त कराए हैं, इसके बावजूद उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार नहीं मिला। अपने शांति अभियान के लिए ही वह एक ओर जहां 'बोर्ड ऑफ पीस' बना रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ ग्रीनलैंड पर कब्जा करने, पनामा नहर वापस लेने, क्यूबा को दबाने और वेनेजुएला की ही तरह कोलंबिया के राष्ट्रपति को खुली धमकी भी देने से नहीं चूक रहे हैं।

सेंट्रल गाजा पट्टी में ईरान द्वारा किया गया मिसाइल हमला।

ट्रंप ने 2016 में जब पहली बार राष्ट्रपति का चुनाव लड़ा था, तो उन्होंने अमेरिका में पिछली सरकारों की सैन्य कार्रवाइयों का विरोध करते हुए कहा था कि दूसरे देशों में सरकार बदलना पूरी तरह से एक विफल नीति है और भरोसा दिलाया था कि वे विदेशी सरकारों को गिराने की होड़ रोकेंगे। कुछ इसी तरह का दावा उन्होंने दोबारा राष्ट्रपति का चुनाव लड़ते समय भी किया था कि उनके पहले कार्यकाल में कोई नया युद्ध शुरू नहीं हुआ, और इसी के दम पर वह चुनाव जीते थे।

लेकिन अब देखा जा रहा है कि ट्रंप की 'युद्ध और शांति' से जुड़ी नीति उनके 'पीस थ्रू स्ट्रेंथ' यानी शक्ति के माध्यम से शांति के सिद्धांत पर आधारित है। इसी के चलते अब वह तर्क दे रहे हैं कि अमेरिका की अत्यधिक सैन्य शक्ति ही दुनिया में शांति बनाए रखने का एकमात्र तरीका है। ट्रंप की रणनीति राष्ट्र निर्माण के बजाय विशिष्ट लक्ष्यों पर सटीक और बड़े प्रहार करने की है। इसी मिशन के तहत उन्होंने

2026 में एक ट्रिलियन डॉलर का रक्षा बजट प्रस्तावित किया है, ताकि अमेरिकी सेना की मारक क्षमता और तैयारी को अभेद्य और अविजित बनाया जा सके। वह परमाणु हथियारों का प्रसार रोकने के लिए कूटनीति के बजाय सीधे धमकी और सैन्य दबाव बनाने के साथ शासन परिवर्तन (रिजीम चेंज) जैसी संभावनाओं को आगे बढ़ा रहे हैं। ईरान पर हमले को इसी परिप्रेक्ष्य में देखा जा रहा है। अपनी तमाम कोशिशों के बाद उन्होंने काफी सोच-समझकर यह दांव चला है, और उन्हें उम्मीद है कि इसके माध्यम से वह मध्य पूर्व को नया स्वरूप देने में कामयाब हो सकेंगे। यह एक ऐसा मंसूबा है, जिसे बीते तमाम दशकों में कई अमेरिकी राष्ट्रपति चाहकर भी करने में सफल नहीं रहे हैं।

ऐसे में अगर अमेरिका केवल हवाई ताकत का इस्तेमाल करके ट्रंप ईरान के परमाणु कार्यक्रम को पूरी तरह नष्ट करने और वहां सत्ता परिवर्तन कराने में सफल हो जाते हैं, तो यह उनकी बड़ी ऐतिहासिक जीत में शुमार हो जाएगा। इसके बाद वह दावा कर सकेंगे कि जिस काम को पीढ़ियों से कोई हासिल नहीं कर पाया, वह उन्होंने कर दिखाया है। अपने इस लक्ष्य के लिए उनके इरादा कितना मजबूत है, इसे इसी बात से समझा जा सकता है, जब वह समाचार संस्थान एक्सियोस को बताते हैं कि 'मैं लंबे समय तक खेल सकता हूं और पूरे मामले को अपने हाथ में ले सकता हूं, या फिर मैं इसे दो या तीन दिनों में समाप्त भी कर सकता हूं।' इसी के बाद वह ट्रूथ सोशल पर लिखते हैं कि ' ईरान पर भारी और सटीक बमबारी... पूरे सप्ताह या जब तक आवश्यक हो, बिना किसी रुकावट के जारी रहेगी।'

इन बातों से ट्रंप का विदेश नीति के प्रति मनमाना रवैया सामने आता है, जिसमें उन्होंने हमला करने से पहले न तो अमेरिकी कांग्रेस को कोई जानकारी दी और न ही अमेरिकी जनता को कुछ बताया। ईरान के साथ युद्ध शुरू करना अमेरिकी जनता के हित में क्यों है, इस बारे में ट्रंप ने पहले से कोई ठोस तर्क भी नहीं दिए। सिर्फ इसी बात पर जोर दिया कि अगर ईरान परमाणु बम बना लेता है तो अमेरिका और उसके सहयोगी देशों को कितना बड़ा खतरा होगा। उन्होंने दावा किया कि ईरान जल्दी ही एक ऐसी मिसाइल हासिल बना लेगा जो अमेरिकी धरती तक पहुंच सकती है।

भारतीय एयरलाइंस ने रद्द कीं 357 अंतर्राष्ट्रीय उड़ानें

परिवार से मिलकर हुए भावुक

लेबनान के बेरूत के दक्षिणी उपनगर दाहियेह पर इजरायली हवाई हमलों के बाद आग की लपटें और धुआं उठता हुआ दिखाई दिया।

नई दिल्ली/मुंबई, एजेंसी। पश्चिम एशिया में संघर्ष के कारण परिचालन में व्यवधान तीसरे दिन भी जारी रहने को लेकर भारतीय विमानन कंपनियों ने सोमवार को 357 अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों का संचालन रद्द कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि सोमवार को देश के चार मुख्य हवाई अड्डों - दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और चेन्नई पर आगमन और प्रस्थान सहित 300 से अधिक उड़ानें रद्द की गईं। अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते संघर्ष के मद्देनजर पश्चिम एशिया क्षेत्र के कई हवाई क्षेत्र बंद रहे। नागर विमानन मंत्रालय ने सोमवार को ''एक्स'' पर एक पोस्ट में कहा, यात्रियों को राहत पहुंचाने के लिए पश्चिम एशिया क्षेत्र की स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। मौजूदा स्थिति के कारण आज संचालित होने वाली 357 उड़ानें रद्द कर दी गईं।

- **नागर विमानन मंत्रालय ने कहा-यात्रियों को राहत पहुंचाने के लिए स्थिति पर रखी जा रही लगातार नजर**

भारतीय एयरलाइंस ने 28 फरवरी से शुरूआती तीन दिनों में, संघर्ष के कारण विभिन्न गंतव्यों के लिए 1,117 अंतर्राष्ट्रीय उड़ानें रद्द कर दीं। अधिकारियों और वेबसाइटों व अन्य स्रोतों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, सोमवार को इंडिगो ने 163 से अधिक उड़ानें रद्द कीं, जबकि एयर इंडिया समूह (एअर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस) ने 110 से अधिक उड़ानें रद्द कीं। स्पाइसजेट ने कम से कम 20 उड़ानें रद्द कीं, जबकि अकासा एयर ने आठ उड़ानें संचालित नहीं कीं। एयर इंडिया ने सोमवार को उत्तरी अमेरिका और यूरोप के लिए लगभग 20 उड़ानें संचालित कीं। यूरोप में प्रवेश करने से पहले इन उड़ानों ने ओमान, सऊदी अरब और मिस्र के ऊपर से होते हुए लंबा मार्ग अपनाया। इस बीच, मुंबई और दिल्ली हवाई अड्डों पर दिन भर में क्रमशः 116 और 87 उड़ानें रद्द हुईं। बेंगलुरु और चेन्नई हवाई अड्डों पर क्रमशः 72 और 28 उड़ानें रद्द हुईं।

दिल्ली हवाई अड्डे के संचालक डीआईएएल ने सोमवार को कहा कि पश्चिम एशिया में चल रहे राजनीतिक घटनाक्रमों के कारण पश्चिम की ओर जाने वाली कुछ अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों में देरी या समय-सारणी में बदलाव हो रहा है। मंत्रालय ने सोमवार को यह भी कहा कि एयरलाइंस और संबंधित हितधारकों के समन्वय से ''एयरसेवा'', सोशल मीडिया मंच और विशेष हेल्पलाइन के माध्यम से कुल 559 यात्रियों की शिकायतों का समाधान किया गया है। मंगलवार को भी कई उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। एयर इंडिया ने कहा कि उसने पश्चिम एशिया से आने-जाने वाली अपनी सभी उड़ानों का निलंबन 3 मार्च तक बढ़ा दिया है, जबकि अमेरिका, कनाडा, यूरोप और ब्रिटेन के लिए उसकी निर्धारित उड़ानें फिर से शुरू हो गई हैं। एयर इंडिया ने ''एक्स'' पर एक पोस्ट में कहा कि पश्चिम एशिया के ऊपर कई हवाई क्षेत्रों के लगातार बंद होने के मद्देनजर, एयर इंडिया ने इस क्षेत्र से आने-जाने वाली अपनी सभी उड़ानों का अस्थायी निलंबन 3 मार्च 2026 को रात 23:59 बजे तक बढ़ा दिया है। एक्स पर एक पोस्ट में, अकासा एयर ने कहा कि अबू धाबी, दोहा, जेद्दा, कुवैत और रियाद से आने-जाने वाली उसकी उड़ानें मंगलवार को निलंबित रहेंगी। इंडिगो ने ''एक्स'' पर एक पोस्ट में कहा, हमारी निरंतर एहतियाती रणनीति के तहत, पश्चिम एशियाई हवाई क्षेत्र के कुछ हिस्सों से होकर गुजरने वाली चुनिंदा अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का अस्थायी निलंबन बढ़ा दिया गया है। इस बीच, बेंगलुरु में अधिकारियों ने बताया कि सोमवार को केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 72 अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द कर दी गईं।

दुबई से सीमित उड़ानें शुरू, कई भारतीय शहर सूची में शामिल

दुबई। दुबई हवाई अड्डे ने सोमवार शाम सीमित संख्या में उड़ानों का परिचालन शुरू करने की घोषणा की है जिसमें कई भारतीय शहरों की उड़ानें भी शामिल हैं। दुबई हवाई अड्डे के मीडिया कार्यालय ने एक बयान में इस बात की पुष्टि की है कि 02 मार्च की शाम सीमित परिचालन शुरू किया जा रहा है। ये उड़ानें दुबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा और दुबई वर्ल्ड सेंट्रल – अल मक्तूम इंटरनेशनल से शुरू होंगी। इजराइल और अमेरिका के संयुक्त अभियान में 28 फरवरी को ईरान पर हुए हमले के बाद ईरान ने संयुक्त अरब अमीरात समेत पश्चिम एशिया के कई देशों पर हमले किए थे। उसके बाद से ही दुबई हवाई अड्डे को बंद कर दिया गया था। दुबई हवाई अड्डे की वेबसाइट के अनुसार, पहली उड़ान ईके 500 मुंबई के लिए शाम आठ बजे (भारतीय समय के अनुसार रात 9 .30 बजे) रवाना होगी। यह एमिरेट्स की उड़ान है। चेन्नई की उड़ान ईके 542 स्थानीय समय के अनुसार रात नौ बजे और नई दिल्ली की उड़ान रात 9 .30 बजे रवाना होगी। बेंगलुरु के लिए ईके 568 रात 9 .35 बजे (स्थानीय समय) और हैदराबाद के लिए ईके 524 रात 9 .30 बजे उड़ान भरेगी। इन भारतीय शहरों के अलावा मॉस्को, कजान, येकातेरिंगबुर्ग, वारसा, बेलग्रेड, बुखारेस्ट और अल्माटी के लिए भी उड़ानें तय की गई हैं।

इजराइल के साथ दुनिया की भी रक्षा कर रहे : नेतन्याहू

यरूशलम। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सोमवार को कहा कि ईरान का परमाणु और मिसाइल कार्यक्रम पूरी दुनिया के लिए खतरा है और इजराइली सेना की कार्रवाई का उद्देश्य केवल इजराइल की नहीं, बल्कि पूरे विश्व की सुरक्षा करना है। बेत शेमेश पर रविवार को हुए ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल हमले के बाद वहां का दौरा करते समय नेतन्याहू ने कहा, यह ऑपरेशन ''रोरिंग लॉयन'' का तीसरा दिन है। इजराइली सेना और इजराइल सरकार ने हमारे मित्र अमेरिका और राष्ट्रपति ट्रंप के साथ मिलकर इजराइल के अस्तित्व को होने वाले खतरे और अमेरिका तथा पूरी दुनिया के लिए बड़े खतरों को नष्ट करने के लिए यह अभियान शुरू किया है। बेत शेमेश में एक आवासीय क्षेत्र में मिसाइल गिरने से नौ लोग मारे गए और 20 से अधिक लोग घायल हो गए। यह क्षेत्र यरूशलम से लगभग 35 किलोमीटर दूर स्थित है।

अबू धाबी से लौटे यात्रियों का आईजीआई पर भावुक स्वागत

नई दिल्ली, एजेंसी | पश्चिम एशिया में जारी भारी तनाव और हालिया मिसाइल हमलों के बीच अबू धाबी से भारतीयों की वापसी शुरू हो गई है। सोमवार रात जब एतिहाद एयरवेज की विशेष उड़ान (ईवाई 216) इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरी, तो वहां का नजारा बेहद भावुक था। करीब 300 से अधिक यात्रियों को लेकर पहुंचे इस विमान के बाहर निकलते ही परिजनों ने अपनों को गले लगा लिया और ईश्वर का शुक्रिया अदा किया।

आंखों देखा खौफ : आसमान में दिख रही थीं मिसाइलें

हवाई अड्डे पर उतरे यात्रियों के चेहरे पर सुरक्षित लौटने की खुशी के साथ–साथ पिछले कुछ दिनों का खौफ भी साफ झलक रहा था। यात्री शिव शर्मा ने बताया, "अबू धाबी एयरपोर्ट पर स्थिति बहुत तनावपूर्ण थी। जब हम वहां फंसे थे, तब कई बार सायरन बजे। हमने अपनी आंखों से मिसाइलों और ड्रोनों को इंटरसेप्ट होते देखा। लग रहा था कि हम कभी वापस नहीं आ पाएंगे।

परिजनों की लंबी प्रतीक्षा खत्म : हवाई अड्डे के टर्मिनल–3 के बाहर घंटों से इंतजार कर रहे विनोद शर्मा जैसे कई पिता अपने बेटों को सुरक्षित देख भावुक हो गए। उन्होंने कहा, पिछले 48 घंटों से हमने खाना–पीना छोड़ दिया था। टीवी पर हमलों की खबरें देखकर दिल बैठा जा रहा था।

पाकिस्तान में तीन दिन के लिए कर्फ्यू

इस्लामाबाद। अमेरिका और इजराइल के संयुक्त हमलों में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत को लेकर हुए हिंसक प्रदर्शनों में कई लोगों की जान जाने और दर्जनों लोगों के घायल होने के बाद, पाकिस्तान ने सोमवार तड़के गिलगित और स्कार्दू में सेना तैनात कर तीन दिन के लिए कर्फ्यू लगा दिया। रविवार को हजारों शिया प्रदर्शनकारियों ने स्कार्दू शहर में संयुक्त राष्ट्र सैन्य पर्यवेक्षक समूह और संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम के कार्यालयों पर हमला किया। अधिकारियों के अनुसार, प्रदर्शनकारियों ने गिलगित में एक पुलिस थाने में आगजनी की और एक स्कूल को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। गिलगित–बाल्टिस्तान क्षेत्र की पुलिस ने बताया कि इस घटना में कम से कम 12 लोग मारे गए और 80 अन्य घायल हो गए।

फ्रांस सहयोगी देशों को परमाणु हथियारों से लैस विमानों की अस्थायी तैनाती की अनुमति देगा

लील लॉन्ग (फ्रांस), एजेंसी। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने सोमवार को घोषणा की कि उनका देश यूरोप की स्वतंत्रता को मजबूत करने के उद्देश्य से अपनी नई परमाणु रणनीति के तहत सहयोगी देशों को परमाणु आयुध से लैस लड़ाकू विमानों की अस्थायी तैनाती की अनुमति देगा। मैक्रों ने फ्रांस के उत्तर–पश्चिमी क्षेत्र में स्थित लील लॉन्ग सैन्य अड्डे पर देश की परमाणु रणनीति के बारे में भाषण के दौरान ये घोषणाएं कीं। उन्होंने यह भी घोषणा की कि फ्रांस अपने परमाणु हथियारों की संख्या को बढ़ाएगा। वर्तमान में फ्रांस के पास 300 से कम परमाणु हथियार हैं। मैक्रों ने हालांकि परमाणु हथियारों में वृद्धि की कोई निश्चित संख्या नहीं बताई। राष्ट्रपति ने कहा कि यह अभूतपूर्व नई नीति हमारे सामरिक वायु रक्षा बलों के कुछ तत्वों को सहयोगी देशों में अस्थायी रूप से तैनात करने का प्रावधान कर सकती है, लेकिन उन्होंने कहा कि परमाणु हथियारों के उपयोग के संबंध में किसी भी अन्य राष्ट्र के साथ निर्णय लेने में कोई साझेदारी नहीं होगी। मैक्रों ने कहा कि इस तरह के समझौतों को लेकर ब्रिटेन, जर्मनी, पोलैंड, नीदरलैंड, बेल्जियम, यूनान, स्वीडन और डेनमार्क के साथ बातचीत शुरू हो गई है। इस सैन्य अड्डे पर देश की बैलिस्टिक मिसाइल से लैस पनडुब्बियां तैनात हैं। मैक्रों के भाषण का उद्देश्य यह स्पष्ट करना था कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ बार–बार होने वाले तनावों से महाद्वीप में उठाई गई चिंताओं के बीच फ्रांसीसी परमाणु हथियार यूरोप की सुरक्षा में कैसे उपयुक्त हैं। फ्रांसीसी संविधान के तहत सशस्त्र बलों के कमांडर–इन–चीफ मैक्रों ने कहा कि फ्रांस अपने सहयोगी देशों को निवारक अभ्यासों में भाग लेने की अनुमति देगा।

उड़ाने रद्द होने से कई देशों की सरकारें अपने नागरिकों की सुरक्षा को लेकर चिंतित

लंदन, एजेंसी। अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर किए गए हमले के बाद पश्चिम एशिया से होकर गुजरने वाली उड़ानें रद्द होने की वजह से दुनिया के कई देशों की सरकारों को अपने–अपने नागरिकों को सुरक्षित घर वापस लाने में काफी संघर्ष का सामना करना पड़ रहा है। पश्चिम एशिया के कई देशों में पर्यटक और व्यावसायिक यात्री अप्रत्याशित रूप से होटलों, हवाई अड्डों और क्रूज जहाजों में फंसे हुए हैं। इस बारे में कोई जानकारी नहीं है कि ये हवाई अड्डे कब फिर से खुलेंगे या पश्चिम एशिया के लिए और उसके माध्यम से उड़ानें कब फिर से शुरू होंगी। कई देशों की सरकारों ने अपने–अपने नागरिकों को सुरक्षित स्थानों में शरण लेने की सलाह दी है। दुबई, अबू धाबी और दोहा के हवाई अड्डों को बंद कर दिया गया है– जिनमें दुनिया का सबसे व्यस्त माना जाने वाला दुबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा भी शामिल है। ये हवाई अड्डे यूरोप, अफ्रीका और पश्चिमी देशों से एशिया के बीच यात्रा के महत्वपूर्ण केंद्र हैं। इन हमलों के कारण ये हवाई अड्डे प्रभावित हुए हैं। कतर एयरवेज ने सोमवार को कहा कि उसकी उड़ानें स्थगित रहेंगी और अगली जानकारी मंगलवार सुबह जारी की जाएगी, जबकि जॉर्डन ने अपने हवाई क्षेत्र को आंशिक रूप से बंद करने की घोषणा की है। पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण जर्मनी के लगभग 30,000 पर्यटक वर्तमान में क्रूज जहाजों, होटलों या बंद हवाई अड्डों पर फंसे हुए हैं और घर वापस नहीं लौट पा रहे हैं। जर्मनी के विदेश मंत्री जोहान वाडेफुल ने रविवार देर रात कहा कि हवाई क्षेत्र बंद होने के कारण फिलहाल सैन्य निकासी संभव नहीं है। चेक गणराज्य अपने नागरिकों को वापस लाने के लिए मिस्र और जॉर्डन में दो विमान भेज रहा है। पश्चिम एशिया में चेक गणराज्य के करीब 6,700 लोग फंसे हुए हैं। एशिया में अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द होने के कारण इंडोनेशिया के पर्यटक द्वीप बाली में हजारों यात्री फंस गए।

अमेरिकी रक्षामंत्री पीट हेगसेथ बोले, ईरान युद्ध अंतहीन नहीं, हम जीत के लिए लड़ते हैं

वाशिंगटन। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने सोमवार को ईरान में अमेरिका–इजराइल के हमलों के एक लंबे क्षेत्रीय संघर्ष में तब्दील होने की बढ़ती चिंताओं पर कहा कि यह इराक नहीं है और यह अंतहीन नहीं है। हेगसेथ ने वायुसेना के जनरल एवं ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष डैन केन के साथ शनिवार के हमलों के बाद से ट्रंप प्रशासन की पहली प्रेसवार्ता की। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हालांकि कुछ पत्रकारों के साथ फोन पर साक्षात्कार किए हैं, लेकिन उन्होंने कैमरे पर सवालों के जवाब नहीं दिए हैं और अभियान शुरू होने के बाद से केवल दो वीडियो जारी किए हैं। हेगसेथ ने कहा, हम जीतने के लिए लड़ते हैं, और हम समय या जीवन बर्बाद नहीं करते। उन्होंने कहा, यह तथाकथित सत्ता परिवर्तन का युद्ध नहीं है, लेकिन सत्ता परिवर्तन निश्चित रूप से हुआ है और दुनिया के लिए यह बेहतर स्थिति है। यह प्रेस वार्ता ऐसे समय हुई है जब क्षेत्र में संघर्ष एक व्यापक युद्ध में तब्दील हो चुका है। ईरान और उसके सहयोगी सशस्त्र समूहों ने इजराइल, अरब देशों और पश्चिम एशिया में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर मिसाइल दागी हैं। इस युद्ध में चार अमेरिकी सैनिक मारे गए हैं। ट्रंप ने रविवार को कहा था कि और भी अमेरिकी सैनिक हताहत हो सकते हैं। केन ने कहा कि अमेरिका को नुकसान होने की आशंका है।

संकट

होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल–गैस टैंकर की आवाजाही प्रभावित होने का असर

पश्चिम एशिया में संकट गहराने से तेल के दाम में तेजी

फ्रैंकफर्ट, एजेंसी

ईरान पर अमेरिका और इजराइल के समन्वित हमलों के बाद पश्चिम एशिया में जंग के हालात से सोमवार को वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल आया। होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल एवं गैस टैंकर की आवाजाही प्रभावित होने से दाम में तेजी आई है। अमेरिकी तेल की कीमतें 7.6 प्रतिशत बढ़कर 72.12 डॉलर प्रति बैरल हो गईं, जबकि अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड की कीमत 8.6 प्रतिशत बढ़कर 79.11 डॉलर प्रति बैरल हो गई। यूरोप में प्राकृतिक गैस वायदा की कीमतों में 40 प्रतिशत से अधिक की उछाल आया। इसका कारण एलएनजी की एक प्रमुख आपूर्तिकर्ता कतर ने संघर्ष के कारण उत्पादन रोक दिया है।

तेल की ऊंची कीमतों से अमेरिकी चालकों के लिए पेट्रोल की कीमत बढ़ने की आशंका है। साथ ही ऐसे समय में जब कई देशों के लोग मुद्रास्फीति से जूझ रहे हैं, अन्य वस्तुओं की कीमतों में भी वृद्धि हो सकती है, आंकड़ा विश्लेषण कंपनी केप्लर ने एक्स पर बताया कि उपग्रह नेविगेशन प्रणालियों में व्यवधान के कारण टैंकर की आवाजाही में भारी कमी आई है। वहीं यूके मेरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस सेंटर ने जलडमरूमध्य के दोनों ओर के क्षेत्र में कई जहाजों पर हमलों की सूचना दी है।

कारोबारियों को आशंका है कि कि ईरान और पश्चिम एशिया के अन्य देशों से कच्चे तेल की आपूर्ति धीमी पड़ सकती है या ठप हो सकती है। क्षेत्र में हमलों, खासकर फारस की खाड़ी के संकरे प्रवेश मार्ग होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजर रहे दो जहाजों पर हमले के कारण निर्यात क्षमता प्रभावित हुई है। ऊर्जा क्षेत्र के विशेषज्ञों का मानना है कि यदि पश्चिम एशिया में हमले लंबे समय तक जारी रहे तो कच्चे तेल और पेट्रोल-डीजल की कीमतों में आगे और बढ़ोतरी हो सकती है।

इस बीच, तेल उत्पादक देशों के समूह ''ओपेक प्लस'' के आठ सदस्यों ने रविवार को तेल उत्पादन बढ़ाने की घोषणा की। पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन (ओपेक) ने कहा कि वह अप्रैल में प्रतिदिन 2,06,000 बैरल उत्पादन बढ़ाने जा रहा है। उत्पादन बढ़ाने वाले देशों में सऊदी अरब, रूस, इराक, यूएई, कुवैत, कजाखस्तान, अल्जीरिया और ओमान शामिल हैं। रिस्टैड एनर्जी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष जॉर्ज लियोन ने कहा, वैश्विक तेल आपूर्ति का लगभग पांचवां हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है। ऐसे में बाजार इस बात को लेकर अधिक चिंतित है कि कच्चे तेल की खेप वास्तव में यहां से जा पाएगी या नहीं। यदि खाड़ी क्षेत्र में आवाजाही बाधित होती है तो अतिरिक्त उत्पादन से तत्काल राहत सीमित रहेगी। ईरान प्रतिदिन लगभग 16 लाख बैरल तेल का निर्यात करता है, जिसका अधिकांश हिस्सा चीन को जाता है। यदि ईरान का यह निर्यात बाधित होता है तो चीन को वैकल्पिक आपूर्ति स्रोत तलाशने पड़ सकते हैं, जिससे वैश्विक ऊर्जा कीमतों पर और दबाव बढ़ सकता है।

निर्माणाधीन पुल का हिस्सा ढहा, तीन इंजीनियर निलंबित

गोपालगंज, एजेंसी। बिहार के गोपालगंज जिले में घोघरी नदी पर निर्माणाधीन एक छोटे पुल का हिस्सा ढह जाने के बाद राज्य सरकार ने तीन अभियंताओं को निलंबित किया है और संबंधित ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई शुरू की है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। यह घटना 28 फरवरी को हुई थी। ग्रामीण कार्य विभाग द्वारा 2.87 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित किया जा रहा यह पुल छह मार्च तक पूरा किया जाना निर्धारित था। पुल का हिस्सा ढहने के बाद आरडब्ल्यूडी ने कर्तव्य में लापरवाही के आरोप में कार्यपालक अभियंता, सहायक अभियंता और एक कनिष्ठ अभियंता को निलंबित कर दिया है। निर्माण कार्य के लिए जिम्मेदार ठेकेदार को काली सूची में डालने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। गोपालगंज के जिलाधिकारी पवन कुमार सिन्हा ने सोमवार को घटनास्थल का दौरा किया और आरडब्ल्यूडी के अभियंताओं के खिलाफ कड़ी विभागीय कार्रवाई का आदेश दिया।

केजरीवाल को बरी करने का विशेष कोर्ट का आदेश त्रुटिपूर्ण

नई दिल्ली, एजेंसी

- **आबकारी मामले में सीबीआई ने दी दिल्ली हाईकोर्ट में दलील**
- **एजेंसी ने कहा-कोर्ट का फैसला गलत व्याख्या पर आधारित**

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने आबकारी नीति मामले में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और अन्य को बरी करने संबंधी विशेष अदालत के आदेश को चुनौती देते हुए दिल्ली उच्च न्यायालय में दलील दी कि यह आदेश अभियोजन पक्ष के मामले की चुनिंदा व्याख्या पर आधारित था, जिसमें आरोपियों की संलिप्तता दर्शाने वाली सामग्री को नजरअंदाज किया गया था।

सीबीआई ने इसे स्पष्ट रूप से त्रुटिपूर्ण" करार दिया है। एजेंसी ने इस आदेश को विकृत बताते हुए कहा कि इसमें स्पष्ट त्रुटियां हैं, यह तथ्यों की गलत व्याख्या पर आधारित है और आरोप तय करने के चरण से संबंधित उच्चतम न्यायालय के कथनों का उल्लंघन करता है। विशेष अदालत ने शुक्रवार को शराब नीति मामले में केजरीवाल, सिसोदिया और 21 अन्य लोगों को सीबीआई द्वारा दायर आरोपपत्र का संज्ञान लेने से इनकार करते हुए बरी कर दिया था। इस मामले में जिन 21 लोगों को क्लीन चिट दी गई है, उनमें तेलंगाना जागृति की अध्यक्ष के. कविता भी शामिल हैं।

विशेष न्यायाधीश जितेंद्र सिंह ने जांच में कमियों के लिए सीबीआई को फटकार लगाते हुए कहा था कि केजरीवाल के खिलाफ कोई ठोस सबूत नहीं है और सिसोदिया एवं अन्य आरोपियों के खिलाफ प्रथम दृष्टया कोई मामला नहीं बनता है। सीबीआई ने कुछ ही घंटों के भीतर तत्काल पुनरीक्षण याचिका के माध्यम से उच्च न्यायालय में इस आदेश को चुनौती दी। इस मामले की सुनवाई नौ मार्च को होगी। सीबीआई ने कहा, जिस आदेश को चुनौती दी गई है, वह स्पष्ट रूप से अवैध, विकृत और त्रुटियों से ग्रस्त है।

मुंबई, अमृतसर समेत कई शहरों में बनेगा जम्मू-कश्मीर भवन

जम्मू, एजेंसी। जम्मू कश्मीर सरकार ने अधिकारियों और निवासियों के लिए आवास सुविधाओं के विकास के उद्देश्य से मुंबई, अमृतसर और चंडीगढ़ सहित कई प्रमुख शहरों में नए जम्मू कश्मीर भवन के प्रस्ताव के साथ एक अभियान शुरू किया है। आवास एवं प्रोटोकॉल विभाग के अधिकारियों ने बताया कि वैधानिक मंजूरी, विस्तृत परियोजना रिपोर्ट को अंतिम रूप देने और कार्यकारी एजेंसियों की मंजूरी के बाद, अतिरिक्त आवासों का निर्माण चरणबद्ध तरीके से पूरा होने की उम्मीद है। संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त किए जाने और पूर्ववर्ती जम्मू कश्मीर राज्य को दो केंद्रशासित प्रदेशों में विभाजित किए जाने के बाद पुनर्गठन अधिनियम, 2019 के तहत जम्मू कश्मीर और लद्दाख के बीच संपत्तियों का विभाजन किया गया। अधिकारियों ने कहा कि सरकार का इरादा नई दिल्ली, मुंबई, अमृतसर और चंडीगढ़ सहित विभिन्न शहरों में अपनी भूमि पर आवास ढांचा विकसित करने का है।

खामेनेई के बाद युद्ध

खामेनेई मारे गए, उनके के साथ ही देश के रक्षा मंत्री, सेना प्रमुख और कई सैन्य कमांडर समेत शासन से संबंधी कुछ महत्वपूर्ण लोग भी खेत रहे। खामेनेई ईरान के सर्वोच्च नेता होने के नाते शासन व्यवस्था के केंद्र और सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ थे। किसी युद्धरत देश के लिए हमले के पहले ही दिन इतनी बड़ी क्षति उसे घुटने पर ला देने के लिए बहुत है। सामान्य धारणा यह कि इससे ईरान कमजोर पड़ेगा और युद्ध जल्द ही खत्म हो जाएगा, पर फिलहाल ऐसा नहीं दिख रहा। बेशक, ईरान के नेता असमंजस में होंगे कि इस युद्ध को कैसे झेला जाए, इसके व्यापक विनाश से कैसे बचा जाए, लेकिन उनके बयान और दूसरे तथ्य इस ओर इशारा करते हैं कि युद्ध शीघ्र समाप्त नहीं होगा। संभव है कि यह कुछ हफ्ते या महीनों लंबा खिंचे।

ऐसे में यह बहुत से देशों को सीधे और कई को परोक्षतः बुरी तरह प्रभावित करेगा। सच तो यह है कि ईरान का इस्लामी शासन एक व्यक्ति पर निर्भर व्यवस्था नहीं है। सर्वोच्च नेता खामेनेई के मारे जाने के बाद उनकी जगह जो भी दूसरा धार्मिक नेता आयेगा उसके लिए राष्ट्रवाद के नाम पर जनसमर्थन हेतु युद्ध जारी रखना जरूरी होगा और इसके नाम पर उसे इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गाड्र्स कोर का समर्थन भी मिलता रहेगा, जो पारंपरिक सेना के साथ-साथ काम करते हुए देश के भीतर और बाहर से आने वाले खतरों से शासन की रक्षा करने का विशेष दायित्व संभालती है।

ट्रंप और नेतन्याहू की राष्ट्रीय राजनीति के लिए भी यह युद्ध आवश्यक है। साल के अंत में नेतन्याहू को आम चुनाव का सामना करना है, उनका मानना है कि युद्ध से उनकी राजनीतिक स्थिति मजबूत होती है, उधर ट्रंप को टैरिफ मसले पर यूरोपीय देशों और कोर्ट द्वारा उनकी भद पिटने के बाद सुर्खरू होने के लिए राष्ट्र सुरक्षा के नाम पर युद्ध एक बेहतर सियासी उपाय है। दोनों की यह दलील बहुत खोखली है कि उनसे कमजोर ईरान उनके लिए खतरा है और यह आक्रमण किसी आशंकित खतरे के खिलाफ उठाया गया है, बल्कि यह एक सोचा-समझकर छेड़ा गया नियोजित युद्ध है। इसराइल और अमेरिका का आकलन है कि ईरान का इस्लामी शासन इस समय कमजोर स्थिति में है। वह गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रहा इसलिए उसे ध्वस्त करने के इस सुनहरे अवसर को गंवाया नहीं जाना चाहिए। अब जबकि खामेनेई मारे जा चुके हैं, तब उनके के लिए बेहतर अवसर है कि वह इसी दौर में अपने सभी मंसूबे पूरे कर लें, इसलिए भी वे युद्ध को तब तक खींचेंगे जब तक ईरान पूरी तरह तबाह होकर हथियार न डाल दे। पर सवाल यह भी है कि क्या वे अपनी मंशा में जल्द कामयाब होंगे, क्या उनकी इच्छापूर्ति तमाम दूसरे देशों को संकट में नहीं डाल देगी? क्या शांति की भी कोई सूरत नजर आती है? खामेनेई की मौत के बाद अंतरिम कौंसिल कल परसों तक 88 धर्मगुरु के मत से नया सुप्रीम लीडर चुन ही लेंगे। अब देखना यह होगा कि ईरान का नवनिर्वाचित सुप्रीम लीडर तथा देश के अन्य सियासी गुट इस युद्ध के बारे में क्या रुख अपनाते हैं?

प्रसंगवश

दुनिया में वन्यजीवों के अस्तित्व पर बढ़ता संकट

यह कहने में कोई गुरेज नहीं होना चाहिए कि वन्य जीवों के अस्तित्व पर संकट लगातार गहराता जा रहा है। विश्व वन्यजीव कोष (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ) की नवीनतम 'लिविंग प्लैनेट' रिपोर्ट (एलपीआर) 2024, जो 2025 तक के रुझानों को समेटती है, यह चिंताजनक तथ्य सामने रखती है कि 1970 से अब तक वैश्विक स्तर पर वन्यजीव आबादी में औसतन 73 प्रतिशत की कमी आ चुकी है। रिपोर्ट के अनुसार लैटिन अमेरिका और कैरिबियन क्षेत्र में जैव विविधता सबसे अधिक प्रभावित हुई है। मीठे पानी के पारिस्थितिक तंत्र में 85 प्रतिशत तक गिरावट दर्ज की गई है। प्रवाल भित्तियों का निरंतर विरंजन, अमेजन वर्षावन और उपध्रुवीय गाइरे का पतन तथा

अरविंद जयतिलक
वरिष्ठ लेखक

ग्रीनलैंड और पश्चिमी अंटार्कटिका की बर्फ चादरों का पिघलना गंभीर संकेत हैं। रिपोर्ट जलवायु परिवर्तन को इन परिस्थितियों का प्रमुख कारण मानते हुए चेतावनी देती है कि पृथ्वी खतरनाक मोड़ के निकट पहुंच रही है और अगले पांच वर्ष निर्णायक साबित हो सकते हैं।

यह पहली बार नहीं है जब वन्यजीवों की घटती संख्या को लेकर वैश्विक चिंता व्यक्त की गई हो। गत वर्ष नेशनल ऑटोनॉमस यूनिवर्सिटी ऑफ मैक्सिको और स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने दावा किया कि पृथ्वी छठे व्यापक विनाश काल में प्रवेश कर चुकी है। उनका शोध प्रोसीडिंग्स ऑफ द नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज में प्रकाशित हुआ, जिसमें बताया गया कि पिछले सौ वर्षों में 200 कशेरुकी प्रजातियां विलुप्त हो चुकी हैं, जबकि सामान्य परिस्थितियों में इतनी हानि हजारों वर्षों में होती। अनुमान है कि यदि वर्तमान प्रवृत्ति जारी रही तो आगामी दशकों में 75 प्रतिशत तक प्रजातियां समाप्त हो सकती हैं।

जंगलों की अंधाधुंध कटाई, बढ़ता प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और अवैध शिकार वन्यजीव संकट के प्रमुख कारण हैं। हाथी, गोरिल्ला, गिद्ध और अनेक सरीसृप तेजी से घटे हैं। आर्कटिक लोमड़ी इसका उदाहरण है, जिसकी गर्म फर के कारण व्यापक शिकार किया जाता है। फिनलैंड की संस्था जस्टिस फॉर एनिमल ने चेताया है कि लक्जरी उद्योग के लालच ने इनका अस्तित्व संकट में डाल दिया है। यूरोप के कुछ देशों में इनकी संख्या अत्यंत सीमित रह गई है। ब्रिटेन में रॉयल सोसायटी फॉर द प्रोटेक्शन ऑफ बर्ड्स के सर्वेक्षण के अनुसार हेन हैरियर की संख्या में उल्लेखनीय कमी आई है। इसी प्रकार अफ्रीका में अवैध हाथीदांत व्यापार के कारण प्रतिवर्ष भारी संख्या में हाथियों का शिकार होता है। भारत में भी अवैध शिकार, शहरीकरण, प्रदूषण और कृषि विस्तार के चलते वन्यजीवों की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। जलीय जीव भी इससे अछूते नहीं हैं। औद्योगिक प्रदूषण, फफूंद संक्रमण और अवैध मत्स्य शिकार के कारण सैकड़ों प्रजातियां विलुप्ति के कगार पर हैं। यूरोप के समुद्रों में व्हेल और डॉल्फिन की संख्या घट रही है। दक्षिण-पूर्व एशिया में पशुओं के उपचार में प्रयुक्त हानिकारक दवाओं के कारण गिद्धों की संख्या में भारी गिरावट आई है। भारत में पिछले दशकों में गिद्धों की संख्या में 97 प्रतिशत तक कमी दर्ज की गई, जिससे पारिस्थितिक संतुलन प्रभावित हुआ है।

विश्व में ज्ञात प्रजातियों की संख्या लगभग 18 लाख है, जो वास्तविक जैव-विविधता का एक छोटा हिस्सा मात्र है। भारत में लगभग 75 हजार प्रजातियां पाई जाती हैं। संरक्षण हेतु कानून मौजूद हैं, पर प्रभावी क्रियान्वयन आवश्यक है। जैव विविधता को बचाने के लिए जलवायु परिवर्तन की रोकथाम, प्रदूषण नियंत्रण और वनों के संरक्षण की दिशा में ठोस, सामूहिक और दीर्घकालिक प्रयास अनिवार्य हैं। (ये लेखक के निजी विचार हैं।)

सच्ची बुद्धिमत्ता क्षणिक सुखों की खोज करने के बजाय अनावश्यक पीड़ा से मुक्त जीवन जीने में निहित है।
-अरस्तु, दार्शनिक

इस्लामिक देशों का कथित भाईचारा आया सामने

विवेक शुक्ला
वरिष्ठ पत्रकार

मुंबई के मोहम्मद अली रोड पर रमजान की रौनक अपने चरम पर थी। मीनारा मस्जिद के आसपास की गलियों में खरीदारों की भीड़ उमड़ रही थी। इसी हलचल के बीच एक होटल में बैठे कुछ मुस्लिम बुद्धिजीवी, पत्रकार और कारोबारी गहरी चिंता के साथ मुस्लिम देशों के संगठन, इस्लामी सहयोग संगठन (ओआईसी) की निष्क्रियता पर चर्चा कर रहे थे। उनका सवाल सीधा था, अमेरिका द्वारा ईरान पर किए गए हमलों के बाद भी ओआईसी की आवाज इतनी धीमी क्यों है?

57 मुस्लिम देशों का प्रतिनिधित्व करने वाला यह संगठन अक्सर फिलिस्तीन जैसे मुद्दों पर मुखर रहता है, प्रस्ताव पारित करता है और कड़े बयान जारी करता है, लेकिन जब मामला ईरान जैसा प्रभावशाली और क्षेत्रीय शक्ति-संतुलन में अहम देश हो, तब उसकी प्रतिक्रिया अपेक्षाकृत नरम क्यों दिखाई देती है? यह प्रश्न केवल भावनात्मक नहीं, बल्कि राजनीतिक और कूटनीतिक जटिलताओं से जुड़ा है। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कोई नया अध्याय नहीं है। 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद से दोनों देशों के संबंधों में अविश्वास और टकराव बना हुआ है। ईरान के परमाणु कार्यक्रम, उस पर लगाए गए प्रतिबंधों और पश्चिम एशिया में उसकी बढ़ती भूमिका ने इस तनाव को और गहरा किया है। जब भी हालात बिगड़ते हैं, पूरी दुनिया की निगाहें इस क्षेत्र पर टिक जाती हैं। ऐसे समय में उम्मीद की जाती है कि इस्लामिक देश एकजुट होकर शांति, संवाद और न्याय की वकालत करेंगे। पर व्यवहार में तस्वीर अधिक जटिल दिखती है। ओआईसी का गठन मुस्लिम देशों के बीच सहयोग, एकता और साझा हितों की रक्षा के उद्देश्य से हुआ था। सिद्धांततः यदि किसी सदस्य देश पर संकट आए, तो बाकी देश उसका समर्थन करें और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर उसकी आवाज बनें, लेकिन व्यावहारिक राजनीति में यह संगठन अक्सर औपचारिक बयानों तक सीमित रह जाता है। ईरान के मामले में भी कई देशों ने सावधानी भरे वक्तव्य दिए, कुछ ने चुप्पी साध ली और कुछ ने अप्रत्यक्ष रूप से अमेरिकी रुख के प्रति सहमति जताई।

इस विभाजन के पीछे सबसे बड़ी वजह मुस्लिम दुनिया के भीतर मौजूद वैचारिक और रणनीतिक मतभेद हैं। पश्चिम एशिया में ईरान और सऊदी अरब के बीच लंबे समय से प्रभाव की प्रतिस्पर्धा रही है। एक ओर शिया नेतृत्व वाला ईरान है, तो दूसरी ओर सुन्नी बहुल खाड़ी देश। यह प्रतिस्पर्धा केवल धार्मिक पहचान तक सीमित नहीं, बल्कि क्षेत्रीय प्रभुत्व, सुरक्षा और राजनीतिक प्रभाव से भी जुड़ी है। परिणामस्वरूप, किसी भी सामूहिक मंच पर सर्वसम्मति बनाना कठिन हो जाता है। दूसरा महत्वपूर्ण कारण कई मुस्लिम देशों के अमेरिका के साथ गहरे आर्थिक और सुरक्षा संबंध हैं। खाड़ी देशों की सुरक्षा संरचना काफी हद तक अमेरिकी सैन्य सहयोग पर आधारित है। ऊर्जा व्यापार, हथियार सौदे और निवेश संबंध भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे में वे खुलकर अमेरिका की आलोचना करने से बचते हैं।

इसके अलावा, कुछ अरब देशों का मानना है कि क्षेत्रीय तनाव के लिए ईरान की नीतियां भी जिम्मेदार रही हैं। यमन, सीरिया और इराक में उसकी सक्रियता को लेकर कई देशों में असंतोष है। इसलिए वे इस टकराव को केवल "मुस्लिम देश बनाम अमेरिका" के रूप में नहीं देखते, बल्कि इसे व्यापक भू-राजनीतिक संघर्ष के रूप में आंकते हैं। यही सोच ओआईसी के भीतर साझा बयानबाज़ी को सीमित कर देती है। ओआईसी की कार्यप्रणाली भी एक बाधा है। संगठन अक्सर सर्वसम्मति पर आधारित निर्णय प्रक्रिया अपनाता है। जब सदस्य देशों के हित, गठबंधन और प्राथमिकताएं अलग-अलग हों, तब कठोर और स्पष्ट निर्णय लेना कठिन हो जाता है। कई बार तीखे शब्दों वाले प्रस्ताव पारित तो हो जाते हैं, लेकिन उनके अनुपालन या ठोस कूटनीतिक कदमों का अभाव रहता है। इससे संगठन की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगते हैं।

दूसरी ओर, आम मुस्लिम समाज की अपेक्षाएं अलग हैं। वे चाहते हैं कि इस्लामिक देश अन्याय या बाहरी हस्तक्षेप के खिलाफ एकजुट स्वर में बोलें। सोशल मीडिया पर भी यह भावना दिखाई देती है कि कम से कम कूटनीतिक स्तर पर मजबूत और स्पष्ट रुख अपनाया जाना चाहिए था, लेकिन सरकारें भावनात्मक आवेगों की बजाय रणनीतिक, आर्थिक और सुरक्षा गणनाओं के आधार पर निर्णय लेती हैं। इस स्थिति का व्यापक प्रभाव भी है। यदि 57 देश सचमुच एक मंच पर संगठित होकर बोलें, तो अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में उनका प्रभाव काफी बढ़ सकता है। संयुक्त राष्ट्र जैसे मंचों पर वे एक मजबूत दबाव समूह बन सकते हैं। पर आपसी अविश्वास और क्षेत्रीय प्रतिस्पर्धा के कारण यह संभावना अक्सर साकार नहीं हो पाती।

अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते टकराव न एक बार फिर इस्लामिक दुनिया की आंतरिक सीमाओं को उजागर किया है। ओआईसी के सामने चुनौती यही है कि वह केवल औपचारिक वक्तव्यों तक सीमित न रहे, बल्कि सदस्य देशों के बीच भरोसा, पारदर्शिता और साझा रणनीति विकसित करे। यदि इस्लामिक देश वैश्विक मंच पर प्रभावशाली भूमिका निभाना चाहते हैं, तो उन्हें अपने मतभेद कम कर व्यापक सामूहिक हितों को प्राथमिकता देनी होगी। अन्यथा हर बड़े संकट में उनकी बंटी हुई प्रतिक्रिया निराशा को ही जन्म देती रहेगी। (ये लेखक के निजी विचार हैं।)

> यदि 57 देश सचमुच एक मंच पर संगठित होकर बोलें, तो अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में उनका प्रभाव काफी बढ़ सकता है। संयुक्त राष्ट्र जैसे मंचों पर वे एक मजबूत दबाव समूह बन सकते हैं। पर आपसी अविश्वास और क्षेत्रीय प्रतिस्पर्धा के कारण यह संभावना अक्सर साकार नहीं हो पाती।

आमने

भाजपा को यह स्वीकार करना चाहिए कि हां, उन्होंने षड्यंत्र किया, उन्होंने छोटापन दिखाया और देश के संस्थानों का गलत इस्तेमाल किया। भाजपा को देश से माफी मांगनी चाहिए कि अब वे आगे ऐसा नहीं करेंगे। भाजपा को फिर से उसी लड़ाई-झगड़े में जाने के बजाय, अब माफी मांगने वाली मुद्रा में जाना चाहिए।
-अरविंद केजरीवाल, पूर्व मुख्यमंत्री, दिल्ली

सामने

आप पार्टी को थोड़ी सी भी राजनीतिक जगह मिलती है, वे भाजपा को लेकर देश और इजराइल व अमेरिका तक के मुद्दों के लिए दोषी ठहराते हुए बयानबाजी शुरू कर देते हैं। 11 साल का कार्यकाल शून्य विकास, भ्रष्टाचार, घोटालों व 'शीश महल' से भरा रहा, जबकि भाजपा का एक साल का कार्यकाल विकास से परिपूर्ण रहा है। – वीरेंद्र सचदेवा
भाजपा अध्यक्ष, दिल्ली

नेपाल चुनाव: बालेन को लेकर खौफजदा पुरानी पार्टियां

यशोदा श्रीवास्तव
वरिष्ठ पत्रकार

इस बार के चुनाव में नेपाल को कैसी सरकार नसीब होती है, इसके कयास लगाए जाने लगे है। किसी एक दल की पूर्ण बहुमत की सरकार को लेकर सभी के मन में शंका है। भारत में नेपाल के राजदूत रहे नेपाली कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दीप कुमार उपाध्याय का साफ कहना है कि नेपाल के नसीब में किसी एक दल की स्थाई सरकार न होना दुर्भाग्यपूर्ण है। नेपाल में लोकतंत्र बहाली के बाद से यह स्थिति बनी हुई है और यही कारण है कि नेपाल में लोकतंत्र को मजबूती नहीं मिल पा रही है।

इस सबके बीच विकट परिस्थितियों में हो रहे इस चुनाव में प्रधानमंत्री पद के तीन बड़े चेहरों पर लोगों की निगाह टिकी हुई है। नंबर एक पर राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के बालेन शाह हैं। दूसरे पर नेपाली कांग्रेस के गगन थापा और तीसरे नंबर पर एमाले के केपी शर्मा ओली हैं। चुनाव आगामी पांच मार्च को है। मतों की गिनती सात मार्च को है। आठ या नौ मार्च तक नेपाल में नई सरकार का गठन हो जाएगा, बालेन शाह को लेकर पुरानी राजनीतिक दलों की सांसें अटकी हुई हैं। सवाल उठता है कि यदि किसी को पूर्ण बहुमत नहीं मिला, तो किस पार्टी के नेतृत्व में सरकार बनेगी और इसमें कौन-कौन दल शामिल हो सकते हैं? यदि राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी सत्ता में नहीं आ पाती तो उसकी भूमिका क्या होगी?

जेन जी आंदोलन के बाद अंतरिम सरकार के नेतृत्व में हो रहे इस चुनाव में सुडान गुरूंग के साथ काठमांडू के पूर्व मेयर बालेन शाह भी रवि लामी छाने के साथ आ गए। सुडान गुरूंग जेन जी आंदोलन के नायक के रूप में जाने जाते हैं, वहीं बालेन शाह की पहचान एक रैपर और इंजीनियर की है। उन्होंने निर्दल लड़कर काठमांडू नगर निगम के मेयर पद का चुनाव जीता था। बतौर मेयर उन्होंने अपने कार्यालय में ग्रेटर नेपाल का मानचित्र लगाकर राष्ट्रवादी नेता की छवि धारण करने की कोशिश की थी। जेन जी आंदोलन के बाद जब अंतरिम सरकार के गठन की नौबत आई तो जेन जी का एक धड़ा बालेन को प्रधानमंत्री बनाने के पक्ष में था जो फलीभूत नहीं हो सका। अब जब बालेन शाह राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के प्रधानमंत्री पद के चेहरे के रूप में झापा क्षेत्र संख्या पांच से एमाले अध्यक्ष और पूर्व पीएम केपी शर्मा ओली के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं, तो संभावित प्रधानमंत्री के रूप में उनकी चर्चा लाजिमी है।

नेपाल के इस चुनाव का परिणाम वैश्विक स्तर पर भी खास है, क्योंकि पूर्व की परंपरावादी राजनीतिक दलों की हालत बहुत बेहतर नहीं है। पुरानी पार्टी में एक नेपाली कांग्रेस है, जिसके ठीक-ठाक प्रदर्शन की उम्मीद है, लेकिन यह पार्टी भी अब नए नेतृत्व के अधीन है। भारी अंतर्विरोध के बीच वरिष्ठ नेता गगन थापा को नया अध्यक्ष चुना गया है। गगन थापा अपनी पार्टी की ओर से प्रधानमंत्री पद का चेहरा हैं। नेपाली कांग्रेस के भी अकेले दम पर सत्ता में आने की संभावना नहीं है फिर भी इस पार्टी के नए अध्यक्ष के रुख को लेकर चर्चा होती रहती है। हालांकि उन्होंने साफ कहा है कि नेपाल भारत और चीन के मध्य स्थित है इसलिए इसे दोनों देशों से संतुलन बनाकर ही आगे बढ़ना होगा। गगन थापा के इस कथन को अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर सकारात्मक दृष्टि से देखा गया। भारत और चीन दोनों के लिए गगन थापा का बयान मायने रखता है, लेकिन शेर बहादुर देउबा अथवा कोइराला परिवार के बिना चुनाव मैदान में उतरी नेपाली कांग्रेस का प्रदर्शन इस चुनाव में कैसा होता है, यह देखना जरूरी होगा। 2022 के चुनाव में नेपाली कांग्रेस 89 सीटें जीत कर सबसे बड़े दल के रूप में उभरकर सामने आई थी।

आज जिन परिस्थितियों में यह चुनाव हो रहा है, उसे देख ऐसा नहीं लगता कि नेपाली कांग्रेस 2022 के चुनाव परिणाम को दोहरा पाएगी? और यदि ऐसा हो पाया तो निस्संदेह यह गगन थापा की बड़ी कामयाबी होगी और तब उनकी सरकार की संभावना बढ़ सकती है। नेपाल में मतदान के बहुत कम दिन शेष है। ऐसे में जब सरकार गठन की बात चलती है, तो मध्य नेपाल अर्थात मैदान और पहाड़ के बीच के हिस्से में एमाले की चर्चा भी खूब हो रही है। एमाले अध्यक्ष केपी शर्मा ओली गठबंधन की ही सही चार बार प्रधानमंत्री रह चुके हैं। इस बार राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के उम्मीदवार बालेन शाह से उनका मुकाबला बेहद कड़ा है। राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के अंदरूनी सर्वे में यह सीट बालेन शाह जीत रहे हैं, लेकिन इस क्षेत्र के लोगों की मानें तो यह इतना आसान भी नहीं है।

2022 में एमाले को 78 सीटों पर जीत मिली थी। वह दूसरा सबसे बड़ा दल था। इसके बाद प्रचंड के नेतृत्व वाली माओवादी केंद्र था, जिसके 32 सदस्य चुने गए थे। 2022 के प्रतिनिधि सभा में रवि लामी छाने की पार्टी राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी 20 सीटों के साथ तीसरे नंबर की बड़ी पार्टी थी और सरकार में हिस्सेदारी के तौर पर इस पार्टी को एक उप प्रधानमंत्री और गृहमंत्री का पद आया था, इन दोनों पदों पर पार्टी अध्यक्ष रवि लामी छाने स्वयं काबिज थे। जहां तक प्रधानमंत्री पद का सवाल है, तो यह शेर बहादुर देउबा,ओली और प्रचंड के हिस्से में आता रहा। इस बार बेशक राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी की धूम है, लेकिन प्रतिनिधि सभा के 165 और उच्च सदन के 110 यानी 275 सीटों में से बहुमत का आंकड़ा जुटा पाना किसी के लिए भी आसान नहीं जान पड़ता। फिर भी चाहे नेपाली कांग्रेस हो, एमाले हो या माओवादी केंद्र, राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी को लेकर खौफजदा तो हैं, इनमें इस बात को लेकर खौफ है कि खुदा न खास्ता राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी सत्ता में आ गई तो उक्त तीनों पार्टियों के ढेर सारे बड़े नेताओं का जेल जाना तय है क्योंकि भ्रष्टाचार के बड़े-बड़े मामले में उनके हाथ सने हुए हैं। बीच चुनाव खबर यह भी है कि इस खौफ से उबरने के लिए नेपाली कांग्रेस, एमाले और माओवादी केंद्र के अंदरखाने कुछ और ही खिचड़ी पक रही है, जिसका प्रकटीकरण चुनाव परिणाम के बाद ही संभव है। (ये लेखक के निजी विचार हैं।)

> चुनाव आगामी पांच मार्च को है। मतों की गिनती सात मार्च को है। आठ या नौ मार्च तक नेपाल में नई सरकार का गठन हो जाएगा, बालेन शाह को लेकर पुरानी राजनीतिक दलों की सांसें अटकी हुई हैं।

सोशल फोरम

छोटे फैसले, बड़ा भविष्य

कभी-कभी लगता है समय नदी नहीं, कुम्हार है। हर दिन हमें थोड़ा-थोड़ा घुमाता है, दबाता है, आकार देता है। हम सोचते हैं हम भाग रहे हैं, पर सच यह है कि हम गढ़े जा रहे हैं। फर्क सिर्फ इतना है कि कौन मिट्टी बना रहता है और कौन आकार लेने की हिम्मत करता है। पिछले दिनों में आपने कितनी बार खुद को टाला? और कितनी बार

मनोज अभिज्ञान
अधिवक्ता

खुद को पकड़ा? यह सवाल किसी और के लिए नहीं है। दुनिया आपकी उपलब्धियों की तालिका देखती है, पर असली कहानी उन क्षणों में लिखी जाती है, जब आपने आसान रास्ता छोड़कर सही रास्ता चुना या कम से कम कोशिश की। जीवन की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि हम बड़े अवसरों का इंतजार करते रहते हैं, जबकि असली बदलाव छोटे फैसलों में छिपा होता है।

कई लोग कहेंगे कि समय तेज भाग रहा है। सच तो यह है कि समय हमेशा अपनी रफ्तार से चलता है। बेचैनी हमारी है। हम तुलना में उलझे रहते हैं। किसी की नौकरी, किसी की गाड़ी, किसी की लोकप्रियता, लेकिन किसी की शांति? वही सबसे बड़ी पूंजी है। अगर कुछ छूटा है, तो उसे बोझ मत बनाइए। उसे बीज बना दीजिए। हर छूटा हुआ काम संकेत है कि उसमें अब भी संभावना बची है, जो खत्म हो गया, वह सिर्फ एक अध्याय था। किताब अभी बाकी है। जिंदगी स्प्रिंट नहीं, लंबी बातचीत है। खुद से, अपने लोगों व विचारों से। अगर कुछ अधूरा रह गया है, तो वह आपकी अक्षमता का प्रमाण नहीं, यात्रा का संकेत है। अधूरापन ही हमें आगे बढ़ने की वजह देता है। पूरी हो चुकी कहानी में उत्साह नहीं बचता, जो करना है, वह धीरे और लगातार करना है। बड़े पेड़ भी एक दिन में नहीं बढ़ते, पर रोज बढ़ते हैं।

समय किसी के लिए रुकता नहीं, वह हर उस व्यक्ति के साथ चलता है, जो चलने का निर्णय लेता है। सवाल यह नहीं कि कितना समय बीत गया। सवाल यह है कि आपने उसमें कितना जीवन जोड़ा। अब अगला कदम आपका है। घड़ी चल रही है, पर कहानी भी चल रही है। कहानी तब तक जिंदा है, जब तक आप उसे आगे लिखने का साहस रखते हैं। कभी-कभी घड़ी उतारकर मेज पर रख देनी चाहिए, ताकि समय का शोर थोड़ा कम हो सके। स्क्रीन की रोशनी से बाहर भी दुनिया है, जो धीरे-धीरे बुलाती रहती है। लोग जो सन्नाटे की भाषा पढ़ लेते हैं, वे जानते हैं कि अनुपस्थिति भी एक तरह की उपस्थिति होती है, जो लोग 'बिटवीन द लाइंस' पढ़ लेते हैं, वे जानते हैं कि कुछ यात्राएं शोर से दूर तय होती हैं। बाकी सब ठीक है।

-फेसबुक वॉल से

सामयिकी

ईरान-अमेरिका टकराव और इतिहास की वापसी

मध्य-पूर्व एक बार फिर इतिहास के सबसे खतरनाक मोड़ पर खड़ा है। सदियों पुरानी सभ्यताओं की यह भूमि पिछले सौ वर्षों से राजनीतिक प्रयोगशाला बनी हुई है, लेकिन फरवरी 2026 के अंतिम सप्ताह की घटनाओं ने क्षेत्र को सीधे वैश्विक युद्ध की दहलीज पर ला खड़ा किया है। 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल ने संयुक्त सैन्य अभियान चलाकर ईरान के भीतर कई ठिकानों पर व्यापक हवाई हमले किए। इस अभियान को "ओपरेशन एपिक फ्यूरी" नाम दिया गया। दावा किया गया कि निशाना परमाणु और मिसाइल संरचनाएं थीं, पर इसके राजनीतिक अर्थ कहीं अधिक गहरे हैं।

जयदेव राठी
अधिवक्ता

इन हमलों में ईरान की सैन्य कमान, मिसाइल साइटों और रणनीतिक प्रतिष्ठानों को लक्ष्य बनाया गया। सबसे विस्फोटक खबर यह रही कि ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की हमले में मृत्यु की पुष्टि की गई। यदि यह तथ्य दीर्घकालिक रूप से प्रमाणित रहता है, तो यह केवल एक सैन्य घटना नहीं बल्कि ईरान की सत्ता संरचना में भूकंपीय बदलाव है। इस्लामी गणतांत्रिक व्यवस्था में सर्वोच्च नेता का पद राजनीतिक ही नहीं, धार्मिक-वैधानिक अधिकार का केंद्र है। ऐसे में नेतृत्व का अचानक शून्य पूरे क्षेत्र को अस्थिर कर सकता है। ईरान ने हमलों का तीखा जवाब दिया। इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने मिसाइल और ड्रोन हमले कर खाड़ी क्षेत्र में स्थित अमेरिकी ठिकानों और इजराइली लक्ष्यों को निशाना बनाया। बहरीन, कतर, कुवैत, संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब में हाई-अलर्ट घोषित किया गया। कई देशों ने अस्थायी रूप से अपना एयरस्पेस बंद कर दिया, जिससे अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर व्यापक असर पड़ा। दुबई और अबू धाबी जैसे हवाई अड्डों पर उड़ानें रद्द हुईं। यह संकेत है कि यह संघर्ष दो देशों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरे पश्चिम एशिया को प्रभावित करेगा।

ईरान-अमेरिका टकराव केवल परमाणु कार्यक्रम तक सीमित नहीं है, यह क्षेत्रीय प्रभुत्व की लड़ाई भी है। इजराइल ईरान के परमाणु और मिसाइल कार्यक्रम को अस्तित्वगत खतरे के रूप में देखता है, वहीं ईरान स्वयं को अमेरिकी सैन्य उपस्थिति और इजराइली नीतियों से घिरा मानता है। लेबनान में हिज्बुल्लाह, गाजा में हमास और सीरिया में विभिन्न मिलिशिया समूहों के माध्यम से वर्षों से छाया-युद्ध चलता रहा है, जो अब प्रत्यक्ष सैन्य भिड़ंत में बदलता दिख रहा है। आर्थिक आयाम भी कम महत्वपूर्ण नहीं हैं। खाड़ी क्षेत्र वैश्विक तेल आपूर्ति का केंद्र है। तनाव बढ़ते ही कच्चे तेल की कीमतों में उछाल आया और शेयर बाजारों में अनिश्चितता का माहौल बना। भारत जैसे ऊर्जा आयात पर निर्भर देश सीधे प्रभावित होंगे। यदि होर्मुज जलडमरूमध्य में नौसैनिक तनाव बढ़ता है, तो वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पर गंभीर असर पड़ सकता है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में तीखी बहस हुई है। यूरोपीय देशों ने संयम की अपील की है, रूस और चीन ने अमेरिकी कार्रवाई पर सवाल उठाए हैं, जबकि अमेरिका ने इसे "पूर्व-निवारक सुरक्षा कदम" बताया है। प्रश्न यही है- क्या यह कदम शांति लाएगा या नए युद्ध चक्र की शुरुआत करेगा? 2003 के इराक युद्ध का अनुभव चेतावनी देता है कि त्वरित सैन्य कार्रवाई दीर्घकालिक अस्थिरता में बदल सकती है। फिलहाल सबसे बड़ी चुनौती युद्ध को व्यापक क्षेत्रीय टकराव में बदलने से रोकना है। कूटनीतिक वार्ता और मध्यस्थता ही स्थायी रास्ता प्रतीत होती है। मध्य-पूर्व आज फिर इतिहास की प्रयोगशाला बना है और इस बार इसके परिणाम पूरी दुनिया को प्रभावित कर सकते हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता* 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

फाल्गुनी रामलीला : होली के रंगों में राम भक्ति का अनूठा संगम

जब फाल्गुन की बयार और फिजाओं में अबीर-गुलाल की सुगंध घुलने लगती है, तब बरेली के आंगन में एक अद्भुत दृश्य जीवंत होता है। यहां की हवा में केवल केसरिया रंग नहीं, बल्कि उस साझी तहजीब और अटूट श्रद्धा की खुशबू भी महकती है, जिसे बरेलीवासी "फाल्गुनी रामलीला" के नाम से जानते हैं। जहां पूरा देश शारदीय नवरात्रि के बाद दशहरे पर रामलीला देखता है, वहीं बरेली के बमनपुरी (ब्रह्मपुरी) में होली के हुड़दंग के बीच मर्यादा पुरुषोत्तम के आदर्शों को जिया जाता है। यह महज एक रामलीला का मंचन नहीं, बल्कि रुहेलखंड की अस्मिता और पिछले 166 वर्षों से चली आ रही एक ऐसी जीवंत परंपरा है, जिसने अपनी सांस्कृतिक गहराई से यूनेस्को जैसे वैश्विक पटल पर भी अपनी अमिट छाप छोड़ी है। बरेली की इस अनूठी परंपरा से रु-ब-रू करा रही - *रतन सिंह गुर्जर की रिपोर्ट...*

166 वर्ष पुरानी परंपरा

ब्रह्मपुरी में स्थानीय श्रद्धालुओं ने मिलकर 1860 के आसपास श्रीरामलीला सभा की शुरुआत की। श्रीरामलीला सभा से जुड़े पंकज मिश्रा पुरानी यादों को ताजा करते हुए बताते हैं कि पूर्वजों ने मिलकर इस परंपरा की नींव रखी। इसके बाद ये आयोजन पूरे शहर के लिए आस्था का प्रतीक बन गया। आयोजन को यहां तक पहुंचाने में पूर्वजों का अपार त्याग भी रहा है। एक दौर वह था, जब उन सबके पास संसाधन शून्य थे, गैस लालटेन की रोशनी में रामलीला मंचन होता था और राम बरात को श्रद्धापूर्वक कंधों पर उठाकर निकाला जाता था। फाल्गुन माह में होने वाला ये आयोजन विश्वभर की रामलीलाओं की सांस्कृतिक धरोहर के रूप में प्रतिष्ठित करता है। रामलीला सभा के उपाध्यक्ष महेश पंडित बताते हैं कि यह रामलीला तुलसीदास की कृति "विनय पत्रिका" से ली गई है। होली पर आयोजित होने वाली रामलीला का इतिहास लगभग 166 वर्ष पुराना है। यह परंपरा ब्रिटिश काल से अनवरत चली आ रही है। फाल्गुन शुक्ल नवमी से शुरू होकर चैत्र कृष्ण त्रयोदशी तक चलने वाला यह आयोजन धार्मिक आस्था और लोक-संस्कृति का एक ऐसा समागम है, जिसे देखने के लिए समूचा रुहेलखंड उमड़ पड़ता है। इस रामलीला की सबसे बड़ी खूबी और आकर्षण का विषय इसकी लीलाओं का बहु-स्थलीय मंचन है। लीला में अगस्त्य मुनि संवाद छोटी ब्रह्मपुरी के आश्रम में होता है। केवट प्रसंग के लिए साहूकारा की गलियां गवाह बनती हैं। वहीं, मेघनाद यज्ञ ब्रह्मपुरी में और लंका दहन का रोमांचक दृश्य मलूकपुर चौराहे पर जीवंत होता है। अध्यक्ष राजू मिश्रा बताते है कि समय के साथ कुछ बदलाव भी आए हैं। पहले स्थानीय लोग ही इसके पात्र बनते थे, लेकिन अब बाहर से मंझे हुए कलाकारों की मंडलियां बुलाई जाती हैं। इसके बावजूद, रामलीला सभा इसके मूल स्वरूप को सुरक्षित रखने के लिए प्रतिबद्ध है। इस ऐतिहासिक परंपरा के प्रचार-प्रसार के लिए संस्कृति विभाग को पत्र भी लिखकर अनुरोध कर चुके हैं। प्रवक्ता विशाल मेहरोत्रा का कहना है कि यह केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक पहचान है। वे और उनकी समिति लगातार शासन-प्रशासन और संस्कृति विभाग के संपर्क में हैं ताकि इस प्राचीन धरोहर का दस्तावेजीकरण हो सके और आने वाली पीढ़ियां भी अपनी जड़ों से जुड़ी रहें। रामलीला से जुड़े स्थानीय लोग बताते है कि रामलीला से कई बड़े विद्वान भी जुड़े। वे पंडित रामकिशोर शर्मा जैसे दिग्गजों को याद करते हैं, जिन्होंने हनुमान की भूमिका निभाते हुए लंका दहन के दौरान अपनी पीठ तक झुलसा ली थी, पर अभिनय नहीं छोड़ा। राधेश्याम रामायण के रचयिता पंडित राधेश्याम कथावाचक और शिवनाथ बिस्मिल जैसे बड़े विद्वानों का जुड़ाव इस रामलीला की बौद्धिक और आध्यात्मिक नींव को और मजबूत करता है। ब्रह्मपुरी (बमनपुरी) की यह ऐतिहासिक "फाल्गुनी रामलीला" अपनी प्राचीनता, परंपरा और वैश्विक पहचान के कारण दुनियाभर में अद्वितीय है।

होली पर राम के जयकारों की गूंज

होली की मस्ती के बीच जब राम-लक्ष्मण और सीता के जयकारे गूंजते हैं, तो यह अहसास होता है कि बमनपुरी फाल्गुनी रामलीला समाज को सकारात्मक ऊर्जा और आपसी भाईचारे का संदेश दे रही है। यह आस्था की वह अखंड ज्योति है, जो 166 वर्षों से बुझी नहीं और अपनी चमक से विश्व पटल को आलोकित कर रही है।

यूनेस्को की वैश्विक धरोहर में शुमार

श्रीरामलीला सभा की रामलीला की महत्ता केवल स्थानीय नहीं, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय है। रामलीला सहअध्यक्ष विवेक शर्मा बताते हैं कि इसकी सांस्कृतिक गहराई को देखते हुए संयुक्त राष्ट्र की संस्था यूनेस्को ने इसे "विश्व धरोहर" के रूप में मान्यता प्रदान की है। साल 2008 में इसे यूनेस्को की सूची में शामिल किया गया और 2015 में इसे औपचारिक रूप से वैश्विक पहचान मिली। यह बरेली के लिए गौरव की बात है कि यहां की गलियों में होने वाला मंचन मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा है।

नकारात्मकता को जलाकर आस्था को जागृत करने का पर्व होली

पं. मनोज कुमार द्विवेदी
ज्योतिषाचार्य, कानपुर

होली का आध्यात्मिक अर्थ रंगों, उत्सवों और समारोहों से कहीं अधिक व्यापक है। हालांकि अधिकांश लोग होली को 'रंगों का त्योहार' मानते हैं, लेकिन इसका गहरा सार आंतरिक शुद्धि, अहंकार का नाश, भक्ति और आध्यात्मिक परिवर्तन में निहित है। होली से मिलने वाले आध्यात्मिक ज्ञान से हमें यह संदेश मिलता है कि जीवन केवल बाहरी उत्सवों के बारे में नहीं है, बल्कि नकारात्मकता को जलाकर, आस्था को जागृत करके और सचेत जीवन को अपनाकर ही संभव है।

अंतरात्मा की शुद्धि होली का उद्देश्य

हिंदू धर्म में होली का त्योहार केवल ऐतिहासिक ही नहीं, बल्कि मनोवैज्ञानिक महत्व भी रखता है। यह अधर्म (होलिका) और धर्म (प्रहलाद) के बीच आंतरिक संघर्ष और धर्म के विजय का प्रतीक है। भगवान नरसिंह अवतार की कथा दैवीय न्याय और ब्रह्मांडीय संतुलन का प्रतीक है। होली का वास्तविक उद्देश्य है अंतरात्मा की शुद्धि। हमें नित्य अपने जीवन में त्याग, संयम और साधना का अभ्यास करना चाहिए, लेकिन होली के दिन एक विशेष भावना के साथ अपने जीवन के अच्छे-बुरे सभी कर्मों को परमात्मा की विवेक रूपी अग्नि में अर्पित करना चाहिए। यह अग्नि हमारे भीतर जल रही आत्मचेतना है, जो हमें देह-बोध से ऊपर उठाकर आत्मबोध की ओर ले जाती है।

होली का आध्यात्मिक अर्थ

होली का आध्यात्मिक अर्थ है अहंकार पर भक्ति की, बुराई पर अच्छाई की और अंधकार पर प्रकाश की विजय। होलिका दहन और प्रहलाद की कथा के माध्यम से यह त्योहार आंतरिक शुद्धि, क्षमा, भावनात्मक उपचार और आध्यात्मिक परिवर्तन की शिक्षा देता है। आमजन मानस में एक प्रश्न रहता है कि जिस होलिका ने प्रहलाद जैसे प्रभु भक्त को जलाने का प्रयत्न किया, उसका हजारों वर्षों से हम पूजन किसलिए करते हैं? होलिका-पूजन के पीछे एक बात है। जिस दिन होलिका प्रहलाद को लेकर अग्नि में बैठने वाली थी, उस दिन नगर के सभी लोगों ने घर-घर में अग्नि प्रज्वलित कर प्रहलाद की रक्षा करने के लिए अग्निदेव से प्रार्थना की थी। लोकहृदय को प्रहलाद ने कैसे जीत लिया था, यह बात इस घटना में प्रतिबिंबित होती है। अग्निदेव ने लोगों के अंत:करण की प्रार्थना को स्वीकार किया और लोगों की इच्छा के अनुसार ही हुआ। होलिका नष्ट हो गई और अग्नि की कसौटी में से पार उतरा हुआ प्रहलाद नरश्रेष्ठ बन गया। प्रहलाद को बचाने की प्रार्थना के रूप में प्रारंभ हुई घर-घर की अग्नि पूजा ने कालक्रमानुसार सामुदायिक पूजा का रूप लिया और उससे ही गली-गली में होलिका की पूजा प्रारंभ हुई।

नियम और पूजा विधि

हिंदू शास्त्रों के अनुसार होलिका दहन भद्रा रहित काल या विशेष स्थिति में पुच्छ काल में पूर्णिमा तिथि के प्रबल होने पर ही किया जाना चाहिए। घर में सुख-शांति और समृद्धि के लिए दहन से पहले होलिका पूजा का विशेष महत्व होता है। होलिका पूजन करते समय अपना मुंह पूर्व या उत्तर की ओर करके बैठे। पूजन की थाली में पूजा समाग्री जैसे: रोली, पुष्प, माला, नारियल, कच्चा सूत, साबुत हल्दी, मूंग, गुलाल और पांच तरह के अनाज, गेहूं की बालियां व एक लोटा जल होना चाहिए। होलिका के चारों ओर सहपरिवार सात परिक्रमा करके कच्चा सूत लपेटना शुभ होता है। इसके पश्चात विधिवत तरीके से पूजन के बाद होलिका को जल का अर्घ्य दें और सूर्यास्त के बाद भद्रा रहित काल में होलिका का दहन करें। होलिका दहन की राख बेहद पवित्र मानी जाती है। इसलिए होलिका दहन के अगले दिन सुबह के समय इस राख को शरीर पर मलने से समस्त रोग और दुखों का नाश किया जा सकता है। होली हमें सिखाती है कि बाहरी रंगों से पहले अंतरात्मा को रंगना जरूरी है और जब अहंकार जलता है और भक्ति जागती है, तभी जीवन में सच्चा उत्सव आता है। यही होली का वास्तविक संदेश है।

बृज की होली: भक्ति रस का आनंद उत्सव

बृज की होली बृजवासियों के लिए केवल एक पर्व नहीं है, अपितु भक्ति एवं प्रेम का जीवंत उत्सव है। बृज राधा-कृष्ण की एक पावन भूमि है, जहां ठाकुर की बाल लीलाएं, रास एवं प्रेम क्रीड़ा आज भी बृजवासियों के हृदय में धड़कती है। यहां होली रंगों से पहले भावों से खेली जाती है। राधा कृष्ण तो बृज के कण-कण में विराजमान हैं। बृज की होली की सबसे बड़ी विषेशता इसकी विविधता है- यहां रंग और गुलाल केवल उड़ाया ही नहीं जाता, बल्कि प्रेम के विभिन्न स्वरूपों में जिया जाता है। बृज में होली रंगों से नहीं- भावों से खेली जाती है। यहां गुलाल वायुमंडल में नहीं उड़ता अपितु आत्मा पर उतरता है। फागुन की बयार कालिंदी के तट से उठकर राधा के मान एवं कृष्ण की मुस्कान के साथ बहने लगती है। बृज की होली रंगों का नहीं रस का पर्व है।

अशोक सूरी
आध्यात्मिक लेखक

चालीस दिन का होलिकोत्सव- बृज का होली उत्सव वसंत पंचमी से प्रारंभ होकर रंग पंचमी तक लगभग 40 दिन तक चलता है। सारे भारत में बृज की होली अद्वितीय होती है-"सब जग होरी, जा बृज होरी" बृज के मंदिरों में वसंत पंचमी से ही फाग गायन प्रारंभ हो जाता है-'आज बिरज में होरी रे रसिया, होरी रे रसिया, बरजोरी रे रसिया घर-घर से आई बृज के नारी कोई श्यामल, कोई गोरी रे रसिया'। बृज की होली में मुख्यतया- बरसाना की लट्ठमार होली, वृंदावन की फूलों की होली, गोकुल की छड़ीमार होली और दाऊजी का कपड़ा फार होरंगा प्रसिद्ध है। परंतु भक्तों में विशेष चाव तो बरसाने की होली का ही होता है। बरसाने की होली के बिना तो बृज की होली का चित्रण अधूरा और रसहीन है। बरसाने की होली एक सप्ताह पूर्व अष्टमी से प्रारंभ हो जाती है। सारे भारत से राधा रानी के भक्त अष्टमी से जुटने शुरू हो जाते हैं। फागुन शुक्ल पक्ष की अष्टमी को राधारानी के महल में लड्डू होली होती है। परंपरा के अनुसार राधारानी के पिता वृषभान जी ने बरसाने से नंदगांव नंद बाबा को खेलने का निमंत्रण भेजा, जो बाबा ने स्वीकार कर लिया और इसकी सूचना अपने पुरोहित को बरसाने भेजकर दी कि कृष्ण ग्वाल बालों सहित बरसाने होली खेलने आएंगे। इस सुखद समाचार से बरसाने में खुशी की लहर दौड़ गई और बरसाने वालो ने पुरोहित जी को थाल भरकर लड्डू खिलाए। प्रेम की अधिकता में गोपियों ने पुरोहित जी पर लड्डू फेंकने प्रारंभ कर दिए। पुरोहित जी ने भी उनके साथ लड्डूओं की होली खेली। इसी परंपरा को आज भी निभाते हुए भारी मात्रा में लड्डू मंगाए जाते हैं और श्रद्धालु इन लड्डूओं को प्रसाद के रूप में लूटते हैं- बरसाने के लोग पंडा नृत्य करते हुए उत्सव मनाते हैं और नवमी की होली की तैयारी करते हैं।

श्रीबांके बिहारी की होली

वृंदावन की होली-अर्थात श्रीबांके बिहारी की होली। यद्यपि होली उत्सव तो वसंत पंचमी से शुरू हो जाता है। बांके बिहारी सहित सप्त देवालयों में ठाकुर को गुलाल अर्पण किया जाता है। परंतु बांके बिहारी की प्रसिद्ध फूलों की होली फाल्गुन शुक्ल पक्ष की एकादशी आमल की एकादशी से प्रारंभ होती है। इसे रंगभरी एकादशी कहते हैं। वाराणसी में बाबा विश्वनाथ की होली भी इसी दिन प्रारंभ होती है। वृंदावन में होली का असली रंग एकादशी के बाद ही चढ़ना शुरू होता है। वृंदावन में जब गुलाल उड़ता है, तो उसका रंग आंखों में नहीं अपितु हृदय में भरता है। प्रत्येक आए हुए श्रद्धालु का मन करता है कि कोई बृजवासी उस पर रंग डाल दे। बांके बिहारी मंदिर में टेसू के फूलों से बने रंग से जो भीग जाता है- वह अपना जन्म सफल समझता है। यहां प्रेम ही सबसे गहरा रंग है। यहां राधे-राधे के उच्चारण से मन का मैल धुलता है और अहंकार गल जाता है। वृंदावन की गलियों में साधु, गृहस्थ और विदेशी भक्त भी एक साथ रंग में भीगते हैं।

छड़ीमार होली

गोकुल की छड़ीमार होली में बाल कृष्ण के भाव में लाठियों की जगह छोटी छड़ियों का प्रयोग होता है। बृज की होली उत्सवों में दाऊजी का होरंगा भी प्रसिद्ध है, जिसे देखने दूर-दूर से भक्त आते हैं। बृज की होली में 'समाज गायन' एक अत्यंत प्राचीन शास्त्रीय और अनुशासित परंपरा है। समाज गायन बृज की होली की आत्मा है। यह एक संगीतमय आध्यात्मिक गोष्ठी है, जिसमें सभी आमने-सामने बैठकर राधा-कृष्ण की लीलाओं का गायन करते हैं। समाज गायन पूरी तौर पर शास्त्रीय रागों पर आधारीत होता है। इसमें मुख्य गायक पद की एक पंक्ति गाता है और पूरा समूह उसे उच्च स्वर में दोहराता है। समाज गायन के पदों की रचना मध्यकालिन संत कवियों- सूरदास, कुंभनदास, श्री भट्ट और हरिवंश महाप्रभु द्वारा की गई। समाज गायन मुख्यतया नंदगांव और बरसाने में होली और राधाष्टमी के अवसर पर किया जाता है। समाज गायन का एक प्रसिद्ध अंश- "खेलन आए हैं होरी कुंवर कन्हाई। वृषभान की पौरी पे, मच रही आज धमा चैकड़ी आई।।"

बृज की होली हमें संदेश देती है कि प्रेम में कोई भेदभाव नहीं कोई ऊंच-नीच नहीं। न स्त्री पुरुष और न ही भक्त-भगवंत का अंतर। होली पर भगवान स्वयं भक्त बन जाते हैं। यहां भक्त स्वयं को गोपी या सखा मानकर ईश्वर के साथ एकाकार होने का प्रयास करता है- सारा भेदभाव मिट जाता है और चहुं ओर केवल राधे-राधे की गूंज सुनाई पड़ती है। बृज की होली और फाग भारतीय संस्कृति की एक अनमोल धरोहर है, जो हमें प्रेम और भाईचारे का संदेश देती है।

पौराणिक कथा

धर्म और भक्ति की जीत

प्राचीन काल में हिरण्यकशिपु नामक असुर राजा था। उसने कठोर तपस्या कर वरदान प्राप्त किया कि वह न दिन में मरेगा, न रात में, न घर के भीतर, न बाहर, न किसी मनुष्य से, न पशु से और न किसी अस्त्र-शस्त्र से। इस वरदान के बल पर वह अहंकारी हो गया और स्वयं को ही ईश्वर मानने लगा। उसने अपने राज्य में विष्णु-भक्ति पर प्रतिबंध लगा दिया और प्रजा को भयभीत कर दिया। उसका पुत्र प्रह्लाद बचपन से ही भगवान विष्णु का परम भक्त था। गुरुकुल में भी वह अपने साथियों को भक्ति, करुणा और सत्य का पाठ पढ़ाता था। पिता के अनेक समझाने, डांटने और दंड देने पर भी प्रह्लाद की भक्ति अटल रही। क्रोधित होकर हिरण्यकशिपु ने उसे अनेक यातनाएं दीं। कभी ऊंचे पर्वत से गिरवाया, कभी विषैले सर्पों के बीच डलवाया, कभी विष पिलाया, तो कभी हाथियों से कुचलवाने का प्रयास किया। परंतु हर बार विष्णु-कृपा से प्रह्लाद सुरक्षित बच गया और उसका विश्वास और दृढ़ होता गया। अंतत: हिरण्यकशिपु ने अपनी बहन होलिका को बुलाया, जिसे अग्नि से न जलने का वरदान प्राप्त था। योजना बनी कि होलिका प्रह्लाद को गोद में लेकर अग्नि में बैठेगी, जिससे प्रह्लाद जल जाएगा। अग्नि प्रज्वलित हुई। होलिका प्रह्लाद को लेकर अग्नि में बैठ गई, परंतु ईश्वर की कृपा से वरदान निष्फल हो गया। होलिका जलकर भस्म हो गई और प्रह्लाद सुरक्षित बाहर निकल आया।

इस घटना के बाद लोगों के मन में विश्वास जगा कि सच्ची भक्ति की रक्षा स्वयं भगवान करते हैं। तभी से बुराई पर अच्छाई की विजय के प्रतीक रूप में होलिका दहन की परंपरा प्रचलित हुई। इस घटना से क्रुद्ध होकर हिरण्यकशिपु ने प्रह्लाद से पूछा-"तेरा विष्णु कहां है?" प्रह्लाद ने निडर होकर उत्तर दिया- "वे कण-कण में विद्यमान हैं।" यह सुनकर उसने महल के एक स्तंभ पर प्रहार किया। उसी क्षण स्तंभ से भगवान नरसिंह प्रकट हुए न आधे मनुष्य, न पूर्ण पशु। संध्या समय, महल की दहलीज पर, अपने नखों से हिरण्यकशिपु का वध किया, इस प्रकार वरदान की सभी शर्तें भंग हो गईं। प्रह्लाद को राज्य का उत्तराधिकारी बनाया गया। उसने न्याय, धर्म और दया के मार्ग पर चलकर प्रजा का कल्याण किया। यह कथा अटूट आस्था, धैर्य और सत्य की विजय का संदेश देती है। चाहे अत्याचार कितना ही प्रबल क्यों न हो, अंतत: धर्म और भक्ति की ही जीत होती है।

पत्नी या पति हो रहे हैं चिड़चिड़े, ये है गंभीर खतरे की निशानी

क्या आपकी पत्नी या पति तनाव, एंग्जायटी और मूड स्विंग्स से परेशान हैं? वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर की दिशाओं और ऊर्जा प्रवाह में दोष होने से पारिवारिक सदस्यों में मानसिक अशांति पैदा हो सकती है। इस लेख में हम वास्तु दोषों के कारणों और सरल उपायों पर चर्चा करेंगे, ताकि आप सुखी वैवाहिक जीवन प्राप्त कर सकें।

आचार्य मधुरेंद्र पांडेय
ज्योतिष एवं वास्तु विशेषज्ञ

वास्तु दोषों के प्रमुख कारण

वास्तु शास्त्र कहता है कि घर उत्तर-पूर्व दिशा चंद्रमा से प्रभावित होती है, जो मन और भावनाओं का कारक है। अगर इस दिशा में शौचालय, जूते या कचरा रखा हो, तो चंद्रमा कमजोर हो जाता है, जिससे तनाव, एंग्जायटी और मूड स्विंग्स बढ़ते हैं। पति-पत्नी के बीच अनावश्यक झगड़े भी इसी से उत्पन्न होते हैं। दक्षिण-पश्चिम दिशा पृथ्वी तत्व की है, जो स्थिरता देती है, यहां रसोई या पानी की टंकी होने से भावनात्मक अस्थिरता आती है। बेडरूम में दर्पण बिस्तर के सामने होना या सिर दक्षिण की ओर रखकर सोना भी वास्तु दोष पैदा करता है। इससे नकारात्मक ऊर्जा प्रतिबिंबित होकर रिश्तों में तनाव बढ़ाता है। इसके अलावा, घर के केंद्र (ब्रह्मस्थान) में भारी सामान या अव्यवस्था से मानसिक दबाव बढ़ता है। महिलाओं में मूड स्विंग्स का एक कारण पूर्व दिशा में अवरोध भी है, जो सूर्य ऊर्जा को रोकता है।

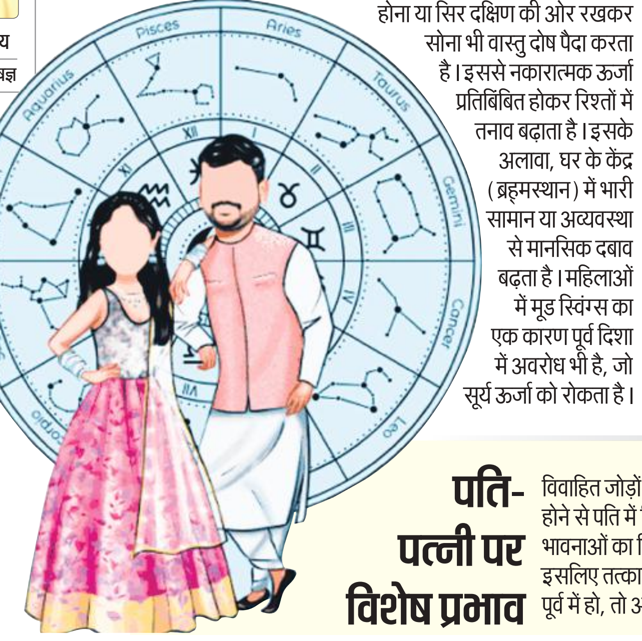

तत्काल राहत के लिए उपाय

- सबसे पहले उत्तर-पूर्व को साफ करें। यहां शिवलिंग या चंद्र यंत्र स्थापित करें। रोज चांदी के लोटे में पानी भरकर रखें और सुबह सूर्य को अर्घ्य दें। इससे चंद्रमा मजबूत होगा और मूड स्विंग्स कम होंगे। श्री यंत्र को ब्रह्मस्थान में रखें, जो नकारात्मक ऊर्जा को सोख लेगा।
- बेडरूम में दर्पण को रात में ढक दें या पूर्व की दीवार पर लगाएं। सिर पूर्व या उत्तर की ओर रखकर सोएं। बिस्तर के नीचे कुछ न रखें। रोज ताजे फूल, जैसे गुलाब या चमेली, रखें और लैवेंडर खुशबू का उपयोग करें। इससे सकारात्मक वायु प्रवाह होगा।

दिशा अनुसार विस्तृत सुधार

उत्तर-पूर्व (ईशान कोण): पूजा घर बनाएं। क्रिस्टल या स्फटिक बॉल रखें। अगर वहां शौचालय हो, तो वास्तु यंत्र और नमक का पिरामिड रखें। इससे एंग्जायटी 70 प्रतिशत कम हो सकती है।

दक्षिण-पश्चिम (नैऋत्य): भारी अलमारी या तिजोरी रखें। यहां लाल बल्ब जलाएं। पत्नी इसी दिशा में आकर मेकअप यानी श्रृंगार करें। उनकी ड्रेसिंग टेबल इसी दिशा में होनी चाहिए।

दक्षिण-पूर्व (आग्नेय): रसोई सही जगह पर हो। अगर नहीं, तो तुलसी यंत्र लगाएं और पति का अध्ययन कक्ष पूर्व में रखें।

उत्तर-पश्चिम (वायव्य): अतिथि कक्ष या बच्चों का कमरा। यहां हवा का प्रवाह रखें। बंद खिड़की दोष पैदा करती है।

किचन में गैस दक्षिण-पूर्व कोने में हो और फ्रिज उत्तर-पश्चिम में होनी चाहिए। ये छोटे बदलाव तनाव को जड़ से खत्म करेंगे।

दैनिक वास्तु टिप्स

सुबह उठकर घर की प्रदक्षिणा करें। कोने साफ रखें। ध्यान पूर्व दिशा में करें। पति-पत्नी संयुक्त रूप से तुलसी पूजा करें। नींद से पहले गहरी सांस लें। इनसे कोर्टिसोल हार्मोन संतुलित होगा।

दीर्घकालिक लाभ और सावधानियां

वास्तु सुधार से 21 दिनों में बदलाव दिखेगा। पारिवारिक सुख बढ़ेगा, व्यापार में स्थिरता आएगी।

सावधानी : प्लास्टिक सामान कम करें, लकड़ी का उपयोग बढ़ाएं। अगर घर किराए का हो, तो पिरामिड यंत्र हर कमरे में लगाएं और अगर संभव हो, तो किसी विशेषज्ञ से व्यक्तिगत वास्तु पत्रिका बनवाएं। इन उपायों से न केवल तनाव दूर होगा, बल्कि वैवाहिक जीवन आनंदमय बनेगा। वास्तु शास्त्र प्रकृति के साथ सामंजस्य सिखाता है।

पति-पत्नी पर विशेष प्रभाव

विवाहित जोड़ों में ये दोष पत्नी को अधिक प्रभावित करते हैं, क्योंकि वह घर का मुख्य संचालन करती हैं। उत्तर दिशा में किचन या बाथरूम होने से पति में चिड़चिड़ापन आता है, जो व्यापार या नौकरी में भी असर डालता है। वास्तु विशेषज्ञों के अनुसार, चंद्रमा की कमजोरी से भावनाओं का नियंत्रण नहीं रहता, जिससे छोटी बातों पर कलह होता है। वर्तमान ग्रह गोचर में शनि का प्रभाव भी इन दोषों को बढ़ा रहा है, इसलिए तत्काल सुधार जरूरी है। मानसिक तनाव से नींद की कमी होती है, जो एंग्जायटी को दोगुना कर देती है। अगर बेडरूम दक्षिण-पूर्व में हो, तो आग तत्व असंतुलित होकर गुस्सा बढ़ाता है। ऐसे में पार्टनर एक-दूसरे को समझ नहीं पाते।

बिजनेस ब्रीफ

कॉफी डे एंटरप्राइजेज पर 38 लाख का जुर्माना

नई दिल्ली : बाजार नियामक सेबी ने वित्तीय लेखाजोखा (अकाउंटिंग) और प्रकटीकरण नियमों का उल्लंघन करने के लिए कॉफी डे एंटरप्राइजेज लिमिटेड और उसके अधिकारियों पर कुल 38 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। सेबी के आदेश के अनुसार, कंपनी ने अपने तिमाही और वार्षिक वित्तीय परिणाम तैयार करने में निर्धारित भारतीय लेखा मानकों का पालन नहीं किया। इसके अलावा, कंपनी कानून 2013 के तहत तय मानकों से विचलन के कारणों का खुलासा न करने को भी गंभीरता से लिया गया है। नियामक ने पाया कि कंपनी ने पारदर्शी वित्तीय विवरण पेश करने की अनिवार्य शर्तों की अनदेखी की।

बुनियादी ढांचे में निवेश बढ़ाने जोर : वित्त मंत्री

नई दिल्ली : वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को 'एशियन अवसंरचना निवेश बैंक' (AIIB) की नवनियुक्त अध्यक्ष जोउ जियायी से मुलाकात की। इस दौरान भारत और AIIB के बीच रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने पर विस्तृत चर्चा हुई। वित्त मंत्री ने विशेष रूप से कम आय वाले सदस्य देशों में नवाचार आधारित वित्तीय साधनों के माध्यम से निवेश बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया। गौरतलब है कि AIIB में 8.5 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ भारत, चीन के बाद दूसरा सबसे बड़ा शेयरधारक है। वित्त मंत्रालय के अनुसार, यह बैठक भविष्य में भारत की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए वित्तपोषण के नए रास्ते खोलने में सहायक होगी।

सुनील मित्तल ने बताई उत्तराधिकार योजना

नई दिल्ली : भारती एंटरप्राइजेज के अध्यक्ष सुनील भारती मित्तल ने समूह के लिए अपनी उत्तराधिकार योजना साझा की है। इसके तहत भारती एयरटेल की प्रवर्तक कंपनी भारती टेलीकॉम में उनके परिवार की अगली पीढ़ी की हिस्सेदारी बढ़ेगी। निवेशकों के साथ बैठक में मित्तल ने स्पष्ट किया कि उनके बच्चे श्राविन, कविन और ईशा वर्तमान में एयरटेल से बाहर स्वतंत्र रूप से अपना व्यवसाय चला रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगली पीढ़ी अपनी चुनौतियों और विफलताओं से सीखकर अनुभव प्राप्त कर रही है, ताकि भविष्य में वे शेयरधारक स्तर पर अधिक सक्रिय भूमिका निभा सकें। इस योजना का उद्देश्य पेशेवर प्रबंधन और पारिवारिक स्वामित्व के बीच संतुलन बनाना है।

कर्मचारी भविष्य निधि जमा पर ब्याज की दर 8.25 प्रतिशत पर बरकरार

ईपीएफओ के इस फैसले से देश के करीब 7 करोड़ से अधिक अंशधारकों को सीधा लाभ मिलेगा

नई दिल्ली, एजेंसी

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने सोमवार को भविष्य निधि जमा पर 2025-26 के लिए ब्याज दर 8.25 प्रतिशत पर बरकरार रखी। यह लगातार तीसरा वर्ष है जब ब्याज दर को इस स्तर पर रखा गया है। पिछले वर्ष फरवरी में, ईपीएफओ ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 8.25 प्रतिशत ब्याज दर को बरकरार रखा था। ईपीएफओ के इस फैसले से देश के करीब 7 करोड़ से अधिक अंशधारकों को सीधा लाभ मिलेगा। आप अपने पीएफ बैलेंस और ब्याज की स्थिति EPFO Unified Portal पर देख सकते हैं।

ईपीएफओ ने 2024 में ब्याज दर को बढ़ाकर 2023-24 के लिए 8.25 प्रतिशत कर दिया था, जो 2022-23 में 8.15 प्रतिशत थी। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया की अध्यक्षता में सोमवार को केंद्रीय न्यासी बोर्ड (सीबीटी) ने अपनी बैठक में

- ईपीएफओ ने निष्क्रिय खातों के निपटान के लिए नई पहल को मंजूरी दी

- पीएफ बैलेंस और ब्याज की स्थिति EPFO Unified Portal पर देख सकते हैं

2025-26 के लिए कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) पर 8.25 प्रतिशत का ब्याज देने की सिफारिश की है। ईपीएफओ के निर्णय लेने वाले शीर्ष निकाय सीबीटी की सिफारिश पर वित्त मंत्रालय मंजूरी देगा। सरकार द्वारा ब्याज दर आधिकारिक रूप से अधिसूचित करने के बाद ईपीएफओ अंशधारकों के खातों में ब्याज जमा करेगा। मंत्रालय ने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद, ईपीएफओ ने मजबूत वित्तीय अनुशासन बनाए रखा है। इससे ब्याज खाते पर दबाव डाले बिना स्थिर और प्रतिस्पर्धी रिटर्न सुनिश्चित किया जा रहा है।

सीबीटी ने आयकर विभाग द्वारा मान्यता प्राप्त उन ट्रस्ट के मामले में संबंधित अनुपालन मुद्दों को हल करने के लिए एकमुश्त माफी योजना को भी मंजूरी दी है, जो अभी तक कर्मचारी भविष्य निधि और विविध प्रावधान अधिनियम, 1952 के अंतर्गत नहीं आते हैं या जिन्हें छूट नहीं दी गई है। इसमें वित्त अधिनियम, 2026 के प्रावधानों को भी ध्यान में रखा गया है। प्रस्तावित योजना का उद्देश्य प्रतिष्ठानों और न्यासों को एक निर्धारित छह महीने की अवधि के भीतर अनुपालन के दायरे में लाना है। निष्क्रिय खातों के निपटान के लिए, बोर्ड ने 1,000 रुपये या उससे कम की राशि वाले निष्क्रिय ईपीएफओ खातों में दावा निपटान की स्वतः शुरुआत के लिए एक पायलट परियोजना को मंजूरी दी। पायलट परियोजना की सफलता के आधार पर, इस सुविधा को बाद के चरणों में 1,000 रुपये से अधिक की राशि वाले खातों तक बढ़ाया जाएगा, जिससे ईपीएफओ में सदस्य-केंद्रित सुधारों को और मजबूती मिलेगी।

बोर्ड ने एक पारदर्शी और समयबद्ध ढांचे को संस्थागत रूप देने के लिए एक व्यापक मानक परिचालन प्रक्रिया (एसओपी) को मंजूरी दी।

- 1,000 रुपये या उससे कम राशि वाले निष्क्रिय खातों में स्वत: दावा निपटान को पायलट प्रोजेक्ट शुरू

सीधे आपके बैंक अकाउंट में आएगा निष्क्रिय पीएफ खातों का पैसा

नई दिल्ली। देश में सात लाख से ज्यादा ऐसे खाते हैं जहां हर खाते में 1,000 रुपये या उससे कम रकम बची हुई है। इन सबमें कुल 30.52 करोड़ रुपये पड़े हैं, जिन्हें अब सदस्यों या उनके वारिसों को लौटाया जाएगा।

क्या होते हैं निष्क्रिय खाते

ईपीएफ खाता तब निष्क्रिय माना जाता है जब उसमें 36 महीने से ज्यादा समय तक न तो कर्मचारी की तरफ से और न ही कंपनी की तरफ से कोई योगदान आता है। ज्यादातर ऐसे खाते नौकरी बदलने वाले लोगों, रिटायर हो चुके लोगों या जिन्होंने पुराने खाते भूल गए हैं, उनमें होते हैं। कुल मिलाकर देश में 31.86 लाख निष्क्रिय ईपीएफ खाते हैं, जिनमें कुल 10,903 करोड़ रुपये जमा हैं। अभी यह अभियान छोटी रकम वाले खातों से शुरू किया जा रहा है।

पैसे कैसे वापस मिलेंगे?

जिन लोगों के EPF खाते आधार से जुड़े हुए हैं और बैंक खाते भी लिंक हैं, उनके खाते में पैसे सीधे ट्रांसफर हो जाएंगे। कोई क्लेम फॉर्म भरने या कागजात जमा करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। अगर खाता धारक का निधन हो चुका है, तो रजिस्टर्ड नॉमिनी या कानूनी वारिस को रकम मिलेगी।

कच्चा तेल 9% महंगा, पर पेट्रोल-डीजल की कीमतें बढ़ने के आसार नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

पश्चिम एशिया में ईरान पर अमेरिका और इजरायल के हमलों के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में करीब 9 प्रतिशत का जोरदार उछाल आया है। इसके बावजूद, भारतीय उपभोक्ताओं के लिए राहत की बात यह है कि देश में पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में निकट भविष्य में बढ़ोतरी की संभावना नहीं है।

ब्रेंट क्रूड 80 डॉलर के करीब : सैन्य संकट गहराने के बाद वैश्विक मानक ब्रेंट क्रूड 80 डॉलर प्रति बैरल के स्तर के करीब पहुंच गया है। वहीं, अमेरिकी कच्चा तेल (WTI) 8.6 प्रतिशत की बढ़त के साथ 72.79 डॉलर पर आ गया है, जो शुक्रवार को करीब 67 डॉलर प्रति बैरल था।

भारत अपनी कच्चे तेल की जरूरतों का 88 प्रतिशत आयात करता है, ऐसे में वैश्विक कीमतों में वृद्धि से आयात बिल और महंगाई का दबाव बढ़ना तय है।

क्यों नहीं बढ़ेंगे दाम?

सूत्रों के अनुसार, सरकारी तेल कंपनियां–IOC, BPCL और HPCL–एक सुविचारित नीति के तहत काम कर रही हैं। जब अंतरराष्ट्रीय कीमतें कम होती हैं, तो ये कंपनियां अपना मार्जिन (मुनाफा) बढ़ा लेती हैं, और जब कीमतें बढ़ती हैं, तो उस मुनाफे का उपयोग उपभोक्ताओं को राहत देने और कीमतों को स्थिर रखने में किया जाता है।

स्थिरता : देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें अप्रैल 2022 से मोटे तौर पर स्थिर बनी हुई हैं।

रणनीति : सरकार की मंशा फिलहाल वैश्विक अस्थिरता का बोझ आम आदमी पर न डालने की है, भले ही तेल कंपनियों को अल्पकालिक घाटा उठाना पड़े।

फरवरी में रिकॉर्ड 4.25 लाख यात्री वाहन बिक्री

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत में घरेलू यात्री वाहनों (पीवी) की थोक बिक्री फरवरी में एक साल पहले के मुकाबले 11.4 प्रतिशत बढ़कर लगभग 4,25,000 वाहन हो गई। एसयूवी यानी स्पोर्ट यूटिलिटी व्हीकल्स की मांग और पिछले साल सितंबर में जीएसटी दरों में बदलाव से वाहनों की बिक्री में तेजी आयी है।

देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजूकी इंडिया लिमिटेड ने लगभग 1,61,000 वाहनों के साथ गाड़ियों की थोक बिक्री में सालाना आधार पर मामूली वृद्धि दर्ज की, क्योंकि उसने ग्राहकों की प्रतीक्षा अवधि को नियंत्रित रखने के लिए मॉडलों के उत्पादन को संतुलित किया। मारुति सुजूकी के वरिष्ठ कार्याधिकारी (विपणन और बिक्री) पार्थो बनर्जी ने एक वीडियो प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि

कंपनी ने मासिक आधार पर अपने उत्पादन मिश्रण को समायोजित किया। दिसंबर में ऑल्टो जैसे मिनी मॉडल, जनवरी में वैगन आर जैसी कॉम्पैक्ट कारों और फरवरी में यूटिलिटी वाहनों के उत्पादन में बदलाव किया, ताकि बैकलॉग बढ़े बिना मांग को पूरा किया जा सके। परिणामस्वरूप, फरवरी के अंत में औसत प्रतीक्षा अवधि लगभग 12 दिन रह गई।

हालांकि रिटेल बिक्री मजबूत बनी रही। मारुति सुजूकी की रिटेल बिक्री सालाना आधार पर करीब 12 फीसदी बढ़कर 1,51,000 वाहन हो गई।

टीसीएस- विप्रो ने टालीं यात्राएं, नैसकॉम की 'वर्क फ्रॉम होम' की सलाह

नई दिल्ली: पश्चिम एशिया में गहराते सैन्य संघर्ष और हवाई क्षेत्र बंद होने के बीच भारतीय आईटी क्षेत्र की दिग्गज कंपनियों टीसीएस और विप्रो ने अपने कर्मचारियों की सुरक्षा के मद्देनजर खाड़ी देशों की सभी यात्राएं स्थगित कर दी हैं। कंपनियों ने प्रभावित क्षेत्रों में मौजूद सहयोगियों के लिए सख्त सुरक्षा परामर्श जारी किए हैं। आईटी उद्योग के संगठन नैसकॉम ने भी सदस्य कंपनियों से आग्रह किया है कि वे युद्ध प्रभावित क्षेत्रों में कार्यरत कर्मचारियों के लिए 'घर से काम' की व्यवस्था लागू करें। देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टीसीएस ने स्पष्ट किया है कि उसके कर्मचारियों को घर के अंदर रहने और स्थानीय अधिकारियों के निर्देशों का पालन करने की सलाह दी गई है। यह कदम क्षेत्र में बढ़ती अनिश्चितता और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में आ रहे व्यवधानों को देखते हुए उठाया गया है।

मोदी ने निवेशकों को दिया ग्रोथ स्टोरी का न्योता

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत और कनाडा ने सोमवार को अपने आर्थिक रिश्तों में एक नया अध्याय जोड़ते हुए व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (CEPA) के लिए आधिकारिक तौर पर बातचीत शुरू कर दी। नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की गरिमामयी उपस्थिति में इसके संदर्भ की शर्तों पर हस्ताक्षर किए गए। भारत की ओर से वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और कनाडाई मंत्री मनिंदर सिद्धू ने इस महत्वपूर्ण दस्तावेज पर मुहर लगाई। दोनों देशों ने इस समझौते को जल्द से जल्द अंतिम रूप देने का संकल्प लिया है।

भारत-कनाडा सीईओ मंच को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कनाडाई निवेशकों को भारत की विकास यात्रा में भागीदार बनने

- भारत-कनाडा में 50 अरब डॉलर के व्यापार का लक्ष्य

का खुला निमंत्रण दिया। उन्होंने कहा कि सुधारों पर ध्यान केंद्रित करने और कारोबार सुगमता ने भारतीय अर्थव्यवस्था को नई मजबूती दी है।

मोदी ने बताया कि सरकार ने बजट 2026-27 में बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 130 अरब डॉलर का रिकॉर्ड आवंटन किया है, जो वैश्विक निवेशकों के लिए निवेश का एक स्वर्णिम अवसर है। प्रधानमंत्री ने घोषणा की कि दोनों देश वर्ष 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 50 अरब डॉलर के महत्वाकांक्षी स्तर तक पहुंचाने पर सहमत हुए हैं। वर्तमान में (जनवरी-अक्टूबर 2025 के दौरान) यह व्यापार लगभग 8 अरब डॉलर रहा है। प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि वैश्विक आर्थिक दबावों के इस दौर में भारत और कनाडा की 'पूंजी और क्षमता' मिलकर एक ठोस वैश्विक आर्थिक शक्ति का प्रतिनिधित्व करती हैं।

भारत और कनाडा के बीच मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत शुरू

नई दिल्ली : भारत और कनाडा ने व्यापारिक रिश्तों को मजबूती देने के लिए व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (CEPA) पर आधिकारिक तौर पर बातचीत शुरू कर दी है। सोमवार को हैदराबाद हाउस में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और कनाडाई प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की मौजूदगी में इस संबंध में दस्तावेज (TOR) साझा किए गए। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और कनाडाई मंत्री मनिंदर सिद्धू ने इस समझौते की रूपरेखा पर हस्ताक्षर किए। आधिकारिक बयान के अनुसार, दोनों देश इस समझौते को जल्द से जल्द अंतिम रूप देने के लिए सहमत हुए हैं, जिससे द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को नई गति मिलने की उम्मीद है।

क्या होगा लाभ

निर्यात में वृद्धि : भारतीय कपड़ा, रत्न एवं आभूषण, चमड़ा उत्पाद और कृषि उत्पादों को कनाडा के बाजार में शुल्क मुक्त पहुंच मिल सकती है, जिससे निर्यात बढ़ेगा।आईटी और सेवा क्षेत्र : भारत के आईटी पेशेवरों और इंजीनियरों के लिए कनाडा में काम करना और वहां सेवाएं देना आसान होगा। वीजा नियमों में ढील और 'मूवमेंट ऑफ नेचुरल पर्सन्स' (Mode 4) पर समझौते से आईटी सेक्टर को सीधा लाभ होगा।

मर्सिडीज-बेंज ने लॉन्च की वी-क्लास एमपीवी, कीमत 1.40 करोड़ रुपये

मुंबई, एजेंसी

जर्मनी की दिग्गज कार निर्माता कंपनी मर्सिडीज-बेंज इंडिया ने सोमवार को भारतीय बाजार में अपना नया लग्जरी मल्टी-पर्पज व्हीकल 'वी-क्लास' पेश किया। इस प्रीमियम मॉडल की एक्स-शोरूम कीमत 1.40 करोड़ रुपये निर्धारित की गई है।

इस लग्जरी एमपीवी को भारत में ही स्थानीय स्तर पर असेंबल किया गया है। यह पुणे के चाकन विनिर्माण संयंत्र में उत्पादित होने वाला कंपनी का 12वां मॉडल है। इस प्लांट की वार्षिक उत्पादन क्षमता 20,000 इकाइयों की है। मर्सिडीज-बेंज इंडिया को उम्मीद है कि अगले वित्त वर्ष में उसकी वाहन बिक्री में वृद्धि होगी। हालांकि, कंपनी का मानना है कि यह वृद्धि एकल अंक में रह सकती है।

प्रीमियम इंटीरियर : इसकी सबसे बड़ी खूबी इसका केबिन है। इसमें पीछे की सीटें एक-दूसरे के सामने की जा सकती हैं, जिससे यह बिजनेस मीटिंग्स या लंबी यात्रा के लिए एक 'लग्जरी लाउंज' जैसा अनुभव देती है।

- मेक इन इंडिया : यह पुणे के चाकन प्लांट में असेंबल किया गया 12वां मॉडल है। इसमें ग्लोबल स्टैंडर्ड के एनप्पा लेदर और हाई-एंड फिनिशिंग दी गई है।
- स्पेस और कम्फर्ट : इसमें 6 से 7 लोगों के बैठने की पर्याप्त जगह है। दमदार इंजन : इसमें नया OM654 2.0-लीटर टर्बो डीजल इंजन दिया गया है, जो BS-VI मानकों के अनुरूप है।

आर्थिक वृद्धि को सशक्त बनाने पर मोदी आज करेंगे चर्चा

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मंगलवार सुबह 11:15 बजे बजट 2026-27 पर आयोजित दूसरे वेबिनार को संबोधित करेंगे। इस वेबिनार का मुख्य विषय "आर्थिक वृद्धि को निरंतर संभालना और सशक्त करना" रखा गया है।

प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, इस कार्यक्रम में चार विशेष सत्र होंगे, जो विनिर्माण, एमएसएमई के लिए कर्ज और बाजार सुविधा, शहरी आर्थिक नियोजन और बुनियादी ढांचा व लॉजिस्टिक्स के विकास पर केंद्रित होंगे। इस चर्चा का मुख्य उद्देश्य बजट प्राथमिकताओं के प्रभावी कार्यान्वयन में उद्योगों और संबंधित पक्षों की भागीदारी सुनिश्चित करना और औद्योगिक उत्पादन के विस्तार के लिए आवश्यक सुधारों पर सुझाव लेना है।

ईरान-इजरायल तनाव से बाजार धड़ाम सेंसेक्स 1048 अंक तक लुढ़का

मुंबई, एजेंसी

पश्चिम एशिया में गहराते भू-राजनैतिक संकट और ईरान-इजरायल के बीच शुरू हुए सीधे सैन्य टकराव ने सोमवार को भारतीय शेयर बाजार में कोहराम मचा दिया। सप्ताह के पहले ही दिन निवेशकों में भारी घबराहट देखी गई, जिससे बीएसई का संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 1,048.34 अंक (1.29%) की भारी गिरावट के साथ 80,238.85 के स्तर पर बंद हुआ। यह 2 सितंबर 2025 के बाद का सबसे निचला स्तर है।

खुलते ही स्वाहा हुए अरबों रुपये : बाजार की शुरुआत बेहद डरावनी रही। सुबह सेंसेक्स 2,743 अंकों की विशाल गिरावट के साथ 78,543 अंक पर खुला था, जिससे एक ही झटके में निवेशकों के अरबों रुपये डूब गए। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 312.95 अंक (1.24%) फिसलकर 24,865.70 अंक पर आ गया।

गिरावट के प्रमुख कारण:

युद्ध का संकट : 28 फरवरी को ईरान पर अमेरिका-इजरायल के हमले और ईरान की जवाबी कार्रवाई ने निवेशकों को सुरक्षित निवेश (जैसे सोना) की ओर भागने पर मजबूर कर दिया। बाजार में अस्थिरता मापने वाला सूचकांक 'इंडिया वीआईएक्स' 25 के पार पहुंच गया, जो बाजार में छाई गहरी अनिश्चितता को दर्शाता है। चौतरफा बिकवाली : मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों में 1.5% से 1.75% तक की गिरावट रही।

किन पर पड़ी सबसे ज्यादा मार?

सबसे ज्यादा नुकसान एविएशन और ऑटो सेक्टर को हुआ। तेल की कीमतें बढ़ने की आशंका में इंडिगो का शेयर 6.25% टूट गया। इसके अलावा एलएंडटी, अडाणी पोर्ट्स, मारुति सुजुकी और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में भी बड़ी गिरावट दर्ज की गई।

रुपये में भी रिकॉर्ड गिरावट

विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार बिकवाली और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के दबाव में भारतीय रुपया भी डॉलर के मुकाबले 91.52 के सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद हुआ।

ग्रीन स्टील के उपयोग से 2030 तक कार्बन उत्सर्जन में होगी कमी

नई दिल्ली, एजेंसी । भारत में कार्बन उत्सर्जन को कम करने की दिशा में 'ग्रीन स्टील' एक क्रांतिकारी कदम साबित हो सकता है। कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री और 'क्लाइमेट कैटालिस्ट' की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, यदि सरकारी परियोजनाओं में 26% ग्रीन स्टील का उपयोग अनिवार्य कर दिया जाए, तो साल 2030 तक कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में 20.9 मिलियन टन की कमी लाई जा सकती है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि यदि इस हिस्सेदारी को बढ़ाकर 37% कर दिया जाए, तो 29.7 मिलियन टन कार्बन उत्सर्जन को रोका जा सकता है। कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री के के.एस. वेंकटगिरी का मानना है कि सरकारी खरीद, भारतीय इस्पात क्षेत्र को कम कार्बन उत्सर्जन वाले भविष्य की ओर ले जाने का सशक्त माध्यम है।

मूडीज रिपोर्ट | ऊर्जा और व्यापार मार्ग बाधित होने से आपूर्ति एवं कीमतों पर दबाव बढ़ सकता है

पश्चिम एशिया तनाव से भारत, अन्य एशियाई देशों के लिए जोखिम बढ़ा

नई दिल्ली, एजेंसी

पश्चिम एशिया में सैन्य संघर्ष तेज होने से भारत और एशिया के अन्य वस्तु आयातक देशों के लिए जोखिम बढ़ गया है।

ऊर्जा और व्यापार मार्ग बाधित होने से आपूर्ति एवं कीमतों पर दबाव बढ़ सकता है। मूडीज एनालिटिक्स ने सोमवार को यह आशंका जताई। ईरान पर अमेरिका एवं इजराइल की साझा सैन्य कार्रवाई और उसके बाद ईरान के जवाब हमलों से कच्चे तेल एवं गैस की आपूर्ति के प्रमुख मार्ग होर्मुज जलडमरुमध्य प्रभावी रूप से बंद हो गया है। यह जलडमरूमध्य वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति का प्रमुख मार्ग है, जहां से दुनिया के समुद्री मार्ग से होने वाले कच्चे तेल निर्यात का लगभग एक-तिहाई और तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) की करीब 20 प्रतिशत खेप गुजरती है।

दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक भारत अपनी जरूरत का लगभग आधा कच्चा तेल इसी मार्ग से आयात करता है। मूडीज ने मौजूदा हालात पर अपनी रिपोर्ट में कहा, "होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने से लाल सागर और व्यापक पश्चिम एशिया में और बाधाओं का जोखिम

बढ़ गया है। हवाई क्षेत्र बंद होने से यात्री एवं कार्गो उड़ानों पर भी असर पड़ा है।" इस मार्ग के बंद होने से एशिया क्षेत्र सबसे अधिक प्रभावित हो सकता है क्योंकि चीन, भारत, जापान और दक्षिण कोरिया जैसे बड़े देश इस क्षेत्र से तेल-गैस की बड़े पैमाने पर खरीद करते हैं। सोमवार सुबह एशियाई कारोबार में ब्रेंट कच्चा तेल करीब 80 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया, जो शुक्रवार के बंद भाव करीब 72 डॉलर से बहुत अधिक है।

शेयर बाजारों में भी शुरुआती कारोबार में बड़ी गिरावट देखी गई। मूडीज ने आगाह किया कि ऊंची जिंस कीमतें उपभोक्ता एवं उत्पादक मुद्रास्फीति को बढ़ा सकती हैं, जिससे केंद्रीय बैंकों को ब्याज दरों में कटौती रोकनी पड़ सकती है या दरें बढ़ानी पड़ सकती हैं। ऐसा होने पर आयात बिल बढ़ेगा, व्यापार घाटा बढ़ेगा और मुद्रा पर भी दबाव पड़ सकता है। एजेंसी ने कहा कि यह संघर्ष भारत के लिए स्थिति को और जटिल बना देता है। वह पश्चिम एशिया से बड़ी मात्रा में कच्चा तेल आयात करता है और उसने अमेरिका के साथ एक व्यापार समझौते के तहत रूस से तेल खरीद धीरे-धीरे कम करने पर भी सहमति जताई है।

रिपोर्ट कहती है कि खाड़ी क्षेत्र से तेल निर्यात या समुद्री यातायात में लंबी बाधा उभरती अर्थव्यवस्थाओं में कर्ज संबंधी चिंताओं को फिर जगा सकती है। एजेंसी ने कहा कि वह पश्चिम एशिया के हालात पर नजर रखे हुए है और अगले सप्ताह अपने आधारभूत पूर्वानुमान में इसके प्रभाव का आकलन जारी करेगी।

पश्चिम एशिया संकट: हवाई यात्रा पर ब्रेक, 25 प्रतिशत तक बुकिंग रद्द

नई दिल्ली, एजेंसी

पश्चिम एशिया में ईरान और इजरायल के बीच बढ़ते सैन्य संघर्ष का सीधा असर अब हवाई यात्राओं पर दिखने लगा है।

'इंडियन एसोसिएशन ऑफ टूर ऑपरेटर्स' ने सोमवार को बताया कि क्षेत्र में जारी भू-राजनीतिक तनाव और हवाई क्षेत्र की अनिश्चितता के कारण पश्चिम एशिया से जुड़े मार्गों पर यात्रा बुकिंग में 20 से 25 प्रतिशत तक की गिरावट और रद्दीकरण देखा जा रहा है।

- भू-राजनीतिक तनाव व हवाई क्षेत्र की 20 से 25 प्रतिशत तक की गिरावट देखी जा रही है

यात्रियों में डर और असमंजस IATO के अध्यक्ष रवि गोसाईं के अनुसार, खाड़ी देशों के पारगमन केंद्रों और उसके आसपास के हवाई गलियारों में व्यवधान के कारण यात्री अपनी यात्रा स्थगित या संशोधित कर रहे हैं। यात्रियों की इस सतर्कता के पीछे हवाई क्षेत्र बंद होने के कारण उड़ानों का मार्ग बदला जा रहा है, जिससे यात्रा की अवधि बढ़ गई है। इसके अलावा मार्ग परिवर्तन और बीमा शर्तों में बदलाव से हवाई टिकटों की कीमतों पर असर पड़ने की संभावना है।

विभिन्न देशों द्वारा जारी की जा रही 'ट्रैवल एडवाइजरी' के कारण लोग जोखिम लेने से बच रहे हैं।

आज लगेगा पूर्ण चंद्रग्रहण, अबकी चंद्रमा भी खेलेगा लाल रंग से होली

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार : मंगलवार को पूर्ण चंद्रग्रहण होगा। इस ब्लडमून के दौरान चंद्रमा लाल रंग से होली खेलेगा। इस घटना का दीदार आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) नैनीताल, मनोरा पीक से कराने जा रहा है। आप एरीज के यूट्यूब चैनल पर शाम 5:30 बजे से इसे लाइव देख सकते हैं।

एरीज के खगोल वैज्ञानिक एवं साइंस सेंटर प्रभारी डॉ. वीरेंद्र यादव के अनुसार, आम जनता के लिए प्रत्यक्ष रूप से ग्रहण देखने की व्यवस्था शाम 6 बजे से की गई है। ग्रहण को नग्न आंखों से या दूरबीन से देखना सुरक्षित होता है। ऐसी दुर्लभ मनमोहक खगोलीय घटनाएं हमारी जिज्ञासा के लिए शानदार अवसर हैं। डॉ. यादव ने बताया कि पूर्ण चंद्र ग्रहण के समय सूर्य का कुछ प्रकाश पृथ्वी के वायुमंडल से होते हुए चंद्रमा पर पड़ता है। हमारा वायुमंडल सूर्यप्रकाश के रंगों में से बैंगनी और नीले रंगों को ज्यादा बिखेरता है और लाल और नारंगी रंगों को कम बिखेरता है अतः सूर्यप्रकाश का लाल रंग लगभग सीधे चंद्रमा पर पड़ता है, जिससे चंद्रमा गहरे लाल रंग का प्रतीत होता है। इस चंद्र ग्रहण में भी ऐसा रंग नजर आएगा, लेकिन भारत के अधिकांश हिस्सों से ये लाल नहीं दिखेगा क्योंकि यहां अधिकांश हिस्सों में आंशिक चंद्रग्रहण नजर आएगा। चंद्र ग्रहण दोपहर 3:20 बजे शुरू होगा और सायं 6:47 बजे समाप्त हो जाएगा। नैनीताल में सायं 6:15 बजे चंद्रोदय के बाद आंशिक चंद्र ग्रहण नजर आएगा।

ब्लडमून का संयोग

डॉ. यादव के अनुसार, यह संयोग ही है कि, इस होली के अवसर पर पूर्ण चंद्रग्रहण होने जा रहा है। यह ब्लडमून वाला पूर्ण चंद्रग्रहण है। पूर्ण चंद्रग्रहण के दौरान चंद्रमा लाल रंग में रंग जाता है जिस कारण इसे ब्लडमून कहा जाता है।

होर्मुज स्ट्रेट पर रोक

अर्थव्यवस्था पर होगी तगड़ी चोट

होर्मुज जलडमरूमध्य (स्ट्रेट ऑफ होर्मुज) दुनिया की वह धमनी है, जिससे वैश्विक अर्थव्यवस्था का रक्त यानी कच्चा तेल बहता है। ओमान और ईरान के बीच स्थित यह संकरा समुद्री मार्ग केवल 33 किलोमीटर चौड़ा है, लेकिन इसका रणनीतिक महत्व अकल्पनीय है। दुनिया का लगभग 20% से 25% तेल और एक-तिहाई तरल प्राकृतिक गैस (एलएनजी) इसी मार्ग से होकर गुजरती है। यदि ईरान इस मार्ग को बंद करता है, तो यह केवल एक क्षेत्रीय विवाद नहीं, बल्कि एक वैश्विक आर्थिक आपातकाल होगा। इस मार्ग के बंद होने का अर्थ है प्रमुख तेल उत्पादकों का दुनिया से संपर्क कट जाना। भारत जैसे देश के लिए, जो अपनी तेल जरूरतों का 85% आयात करता है, यह स्थिति किसी बड़े झटके से कम नहीं होगी। यह न केवल ऊर्जा सुरक्षा के लिए खतरा है, बल्कि महंगाई के रूप में एक बहुआयामी चुनौती पेश करेगा।

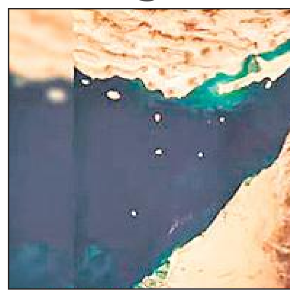

भारत के लिए दोहरी मार

- **तेल की कीमतों में आग :** भारत में पेट्रोल और डीजल की कीमतें रिकॉर्ड स्तर को पार कर सकती हैं। परिवहन लागत बढ़ने से सब्जियों, अनाज और रोजमर्रा की वस्तुओं के दाम बढ़ जाएंगे।
- **शेयर बाजार में गिरावट :** अनिश्चितता के कारण विदेशी निवेशक भारतीय बाजार से पैसा निकाल सकते हैं, जिससे शेयर बाजार में गिरावट आ सकती है।
- **रुपये की कमजोरी :** तेल खरीदने के लिए अधिक डॉलर खर्च करने होंगे, जिससे डॉलर के मुकाबले रुपया अपने सबसे निचले स्तर पर जा सकता है।
- **व्यापार घाटा :** आयात बिल बढ़ने से भारत का चालू खाता घाटा बढ़ जाएगा।

कौन से देश होंगे प्रभावित

- **इनसे टूटेगा संपर्क :** इस मार्ग के बंद होने का अर्थ है सऊदी अरब, इराक, संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत और कतर जैसे प्रमुख तेल उत्पादकों का दुनिया से संपर्क कट जाना।
- **एशियाई दिग्गज :** चीन, भारत, जापान और दक्षिण कोरिया अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए इस मार्ग पर सबसे अधिक निर्भर हैं। रिपोर्ट के अनुसार, एशियाई देशों का अधिकांश कच्चा तेल इसी रास्ते से आता है।
- **यूरोपीय बाजार :** पहले से ही रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण ऊर्जा संकट झेल रहा यूरोप, मध्य पूर्व से आने वाली एलएनजी के लिए इस मार्ग पर निर्भर है।
- **वैश्विक तेल कीमतें :** विशेषज्ञों का मानना है कि मार्ग बंद होने पर कच्चे तेल की कीमतें 150 से 200 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकती हैं।
- **भारत के लिए झटका :** भारत का 85 प्रतिशत कच्चा तेल इसी रास्ते से आता है।

भारत कैसे निपट सकता है

- **रणनीतिक तेल भंडार :** भारत ने विशाखापत्तनम, मंगलुरु और पादुर में भूमिगत तेल भंडार बनाए हैं। आपात स्थिति में भारत इनका उपयोग कर सकता है। के माध्यम से भारत अपनी आपूर्ति को कुछ हफ्तों तक सुरक्षित रख सकता है।
- **आपूर्ति स्रोतों का विविधीकरण :** भारत रूस, अमेरिका, अफ्रीका और लैटिन अमेरिकी देशों से तेल आयात बढ़ाकर मध्य पूर्व पर निर्भरता कम कर सकता है।
- **वैकल्पिक मार्ग और कूटनीति :** भारत ईरान के साथ अपने ऐतिहासिक संबंधों का उपयोग कर अपने जहाजों के लिए सुरक्षित रास्ता सुनिश्चित करने की कोशिश कर सकता है।

वर्ल्ड ब्रीफ

हिज़बुल्ला की सैन्य गतिविधियों पर रोक

बेरुत। लेबनान के प्रधानमंत्री नवाफ सलाम ने हिजबुल्ला की सैन्य गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा करते हुए इजरायल के साथ बढ़ते तनाव के बीच संगठन से अपने हथियार सौंपने का आग्रह किया है। यह बयान ऐसे समय में आया है, जब इजरायल और हिजबुल्ला के बीच तनाव चरम पर है। हाल ही में हिजबुल्ला ने उत्तरी इजरायल के हाइफा में एक सैन्य ठिकाने पर रॉकेट और ड्रोन दागा था। इसके बाद इजरायली लड़ाकू विमानों ने लेबनान की राजधानी बेरूत पर हवाई हमले किये थे। ईरान समर्थित संगठन ने कहा कि यह हमला ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या के प्रतिशोध में किया गया था।

मचाडो ने वेनेजुएला लौटने का दिया संकेत

काराकस। वेनेजुएला की विपक्ष की नेता एवं 2025 के नोबेल शांति पुरस्कार की विजेता मारिया कोरिना मचाडो ने रविवार को कहा कि वह आने वाले हफ्तों में वेनेजुएला लौटेंगी और देश में चुनाव कराए जाएंगे। हालांकि, मचाडो ने वापसी की कोई तारीख नहीं बताई, लेकिन कहा कि उनका एक लक्ष्य आगामी चुनावों में "बड़ी जीत" के लिए तैयारी करना है। सोशल मीडिया पर साझा एक संदेश में नोबेल पुरस्कार विजेता ने अपने समर्थकों से अपील की कि वे प्राइमरी चुनाव में दिखाई गई वेनेजुएला वासियों की एकता को और मजबूत करें।

म्यांमार में 10 हजार कैदियों को दी माफी

बैंकॉक। म्यांमार के सैन्य शासन प्रमुख ने 10,000 से अधिक कैदियों को माफी दी है और अन्य की सजा में कटौती की है। हालांकि, 2021 के सैन्य तख्तापलट में सत्ता से बेदखल की गईं पूर्व नेता आंग सान सू की की रिहाई का कोई संकेत नहीं है। सू की को तब से लगभग पूरी तरह बाहरी संपर्क से दूर रखा गया है। यह माफी संसद के पांच साल से अधिक समय बाद होने जा रहे पहले सत्र से करीब दो सप्ताह पहले दी गई है। हालिया चुनाव के बाद यह सत्र आहूत किया गया।

नेपाल में 1.9 करोड़ मतदाता डालेंगे वोट

नई दिल्ली। नेपाल में नई सरकार चुनने के लिए 5 मार्च को मतदान होगा जिसमें लगभग 1.9 करोड़ लोग हिस्सा लेंगे। सितंबर 2025 में युवाओं के नेतृत्व में हुए भ्रष्टाचार विरोधी प्रदर्शनों के जरिये सरकार गिराये जाने के बाद देश में प्रतिनिधि सभा के लिए यह पहला आम चुनाव हो रहा है। छात्र विद्रोह के बाद देश का नियंत्रण सुशीला कार्की के नेतृत्व की अंतरिम सरकार के हाथ है।

दूसरे देशों में फंसे भारतीयों की मदद के लिए कदम उठाएं संबंधित विभाग

सीसीएस ने की पश्चिम एशिया के हालात की समीक्षा, भारतीयों की सुरक्षा पर जताई चिंता

● पश्चिम एशिया विवाद का संवाद और कूटनीति से हल पर जोर

नई दिल्ली, एजेंसी

सुरक्षा मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीएस) ने पश्चिम एशिया में बदलती स्थिति की समीक्षा की और क्षेत्र में रहने वाले बड़े भारतीय प्रवासी समुदाय की सुरक्षा को लेकर चिंता व्यक्त की। सीसीएस ने सभी संबंधित विभागों को निर्देश भी दिया है कि वे घटनाक्रम से प्रभावित भारतीय नागरिकों की सहायता के लिए आवश्यक कदम उठाएं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में रविवार रात हुई बैठक में सीसीएस ने संघर्ष की स्थिति को शीघ्र समाप्त करने और संवाद एवं कूटनीति के जरिए मामले का हल निकालने के महत्व पर भी जोर दिया। सीसीएस देश के सुरक्षा संबंधी और रणनीतिक मामलों पर निर्णय लेने वाला सर्वोच्च निकाय है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि सीसीएस ने पश्चिम एशिया में उत्पन्न हो रही स्थिति की समीक्षा करने के लिए बैठक की और उसे ईरान में हुए हवाई हमलों और उसके बाद कई खाड़ी देशों में हुए हमलों सहित बढ़ते तनाव के बारे में जानकारी दी गई। बयान में कहा गया है कि उसने क्षेत्र में रहने वाले बड़े भारतीय प्रवासी समुदाय की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की है। सीसीएस ने पश्चिम एशिया से होकर गुजरने वाले भारतीय यात्रियों और निर्धारित परीक्षाओं में शामिल हो रहे छात्रों की कठिनाइयों के साथ क्षेत्रीय सुरक्षा और आर्थिक एवं वाणिज्यिक गतिविधियों पर पड़ने वाले व्यापक प्रभावों की भी समीक्षा की। सीसीएस ने सभी संबंधित विभागों को घटनाक्रम से प्रभावित भारतीय नागरिकों की सहायता के लिए आवश्यक और व्यवहार्य कदम उठाने का निर्देश दिया।

अपने नागरिकों के संपर्क में हैं भारतीय दूतावास

ईरान में लगभग 10,000 भारतीय नागरिक रहते, पढ़ते और काम करते हैं, जबकि इज़राइल में 40,000 से अधिक भारतीय नागरिक रहते हैं। खाड़ी देशों और पश्चिम एशिया में रहने वाले भारतीयों की संख्या लगभग 90 लाख है। वर्तमान में पश्चिम एशिया का हवाई क्षेत्र लगभग बंद है। पश्चिम एशिया में सैन्य तनाव बढ़ने के कारण उड़ान सेवाएं बाधित होने से सैकड़ों भारतीय दुबई, दोहा और अन्य प्रमुख हवाई अड्डों पर फंसे हुए हैं, जिनमें से कई लोग सहायता के लिए सोशल मीडिया पर भारत सरकार से अपील कर रहे हैं। भारत ने अतीत में संघर्षों के बीच पश्चिम एशिया सहित दुनिया के विभिन्न हिस्सों से हजारों भारतीयों को सफलतापूर्वक निकाला है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि पूरे क्षेत्र में भारतीय दूतावास अपने नागरिकों के साथ लगातार संपर्क में है।

बहरीन के शाह और सऊदी अरब के युवराज से प्रधानमंत्री मोदी ने की बात

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को बहरीन के शाह हम्माद बिन ईसा अल खलीफा और सऊदी अरब के युवराज एवं प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन सलमान से बातचीत की तथा पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के दौरान दोनों देशों पर हुए हमलों की निंदा की। प्रधानमंत्री ने कहा कि दोनों देशों पर हुए हालिया हमले उनकी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का उल्लंघन करते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने दोनों देशों में रहने वाले भारतीय समुदाय के कुशलक्षेम के बारे में भी उनसे बात की। दोनों नेताओं के साथ फोन पर बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि क्षेत्रीय शांति और स्थिरता की जल्द से जल्द बहाली अत्यंत महत्वपूर्ण है। मोदी ने एक्स पर कहा कि सऊदी अरब के युवराज और प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन सलमान के साथ पश्चिम एशिया के बदलते घटनाक्रम पर चर्चा की। भारत सऊदी अरब पर हाल ही में हुए हमलों की निंदा करता है, जो उसकी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का उल्लंघन है। कहा कि हम इस बात पर सहमत हुए कि क्षेत्रीय शांति और स्थिरता की शीघ्र बहाली अत्यंत महत्वपूर्ण है।

शाह बोले, बंगाल से घुसपैठियों को बाहर निकालेंगे

मथुरापुर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को घुसपैठ के मुद्दे पर भाजपा के रुख का उल्लेख करते हुए कहा कि हालांकि अभी मतदाता सूची से केवल घुसपैठियों के नाम हटाए जा रहे हैं, लेकिन पश्चिम बंगाल में पूर्ण बहुमत के साथ पार्टी के सत्ता में आने के बाद उन्हें राज्य से बाहर निकाल दिया जाएगा। शनिवार को संशोधित मतदाता सूची प्रकाशित होने के बाद राज्य में अपने पहले दौरे पर उन्होंने दक्षिण 24 परगना जिले में भाजपा की 'परिवर्तन यात्रा' को संबोधित किया। शाह ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने बंगाल को घुसपैठियों का स्वर्ग बना दिया था और आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ दल द्वारा अवैध अप्रवासन को अनुमति देने के कारण सीमावर्ती राज्य की सुरक्षा खतरे में है। उन्होंने कहा, बंगाल एक सीमावर्ती राज्य है। टीएमसी सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर सकती, क्योंकि वे घुसपैठ की अनुमति देते हैं। केवल भाजपा ही बंगाल जैसे सीमावर्ती राज्य को सुरक्षा प्रदान कर सकती है। उनकी ये टिप्पणी शनिवार को प्रकाशित विशेष गहन पुनरीक्षण के बाद की मतदाता सूचियों की पृष्ठभूमि में आई है, जिसमें नवंबर में शुरू हुई इस प्रक्रिया के बाद से 63.66 लाख नाम हटाए गए हैं।

सीमा पर बाड़ लगाने को जमीन देगी बंगाल सरकार

कोलकाता, एजेंसी

● बाड़ लगाने के साथ सीमा पर चौकियां बनाएगा बीएसएफ

पश्चिम बंगाल सरकार ने सीमा पर बाड़ लगाने और चौकियां बनाने के लिए केंद्र को लगभग 105 एकड़ जमीन हस्तांतरित करने को सैद्धांतिक रूप से मंजूरी दे दी है। आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को बताया कि लगभग 17 किलोमीटर की बाड़ लगाने और सीमा चौकियां) स्थापित करने के लिए यह जमीन सीमा सुरक्षा बल को हस्तांतरित की जाएगी।

उन्होंने बताया कि केंद्रीय एजेंसियों को जमीन देने से संबंधित प्रस्तावों की जांच के लिए गठित मंत्रिस्तरीय समूह ने शुक्रवार को राज्य सचिवालय नबान्न में बैठक की और सैद्धांतिक रूप से इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। हालांकि, अंतिम मंजूरी राज्य मंत्रिमंडल द्वारा दी जाएगी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सीमा पर बाड़ लगाने और सीमा चौकियां बनाने के लिए, बीएसएफ को जमीन सौंपने के प्रस्ताव पर विस्तार से चर्चा की गई। अब इसे अंतिम मंजूरी के लिए मंत्रिमंडल के समक्ष रखा जाएगा।

प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, केंद्र सरकार सीमा के 17 किलोमीटर लंबे हिस्से पर बाड़ लगाने की योजना बना रही है और इसके लिए उसने राज्य सरकार से जमीन मांगी है। बीएसएफ को भी इस क्षेत्र में नौ सीमा चौकियों के निर्माण के लिए जमीन की जरूरत है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इससे पहले केंद्रीय एजेंसियों को जमीन देने से संबंधित प्रस्तावों की जांच के लिए एक विशेष मंत्रिस्तरीय समूह को नियुक्त किया था। सूत्रों के अनुसार, शुक्रवार को मंत्रियों, चंद्रिमा भट्टाचार्य, फिरहाद हकीम और अरूप बिस्वास ने इन बातों पर विचार-विमर्श किया।

कैबिनेट की मंजूरी के बाद भू अधिग्रहण

यदि मुख्यमंत्री कार्यालय प्रस्ताव को मंजूरी दे देता है, तो इसे राज्य मंत्रिमंडल के समक्ष रखा जाएगा। मंत्रिमंडल की स्वीकृति मिलने पर, जिला प्रशासन आवश्यक भूखंडों के अधिग्रहण के लिए भूस्वामियों से बातचीत शुरू करेगा। सूत्रों ने बताया कि इसके अलावा मंत्रिस्तरीय समूह द्वारा सीमा से सटे नौ स्थानों पर स्थित लगभग 20-25 एकड़ सरकारी जमीन को बीएसएफ को हस्तांतरित करने की सिफारिश करने की संभावना है।

सूडान में उग्रवादियों का गांव पर हमला, 169 की गई जान

जुबा, एजेंसी

● दक्षिण सूडान के सुदूर इलाके में किया गया यह हमला

दक्षिण सूडान के एक सुदूर इलाके में विद्रोहियों द्वारा एक गांव पर किए गए हमले में 169 लोग मारे गए। स्थानीय अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। यह छिटपुट हिंसा की नवीनतम घटना है, जिसने देश को पूर्ण गृहयुद्ध के कगार पर ला खड़ा किया है।

रुवेंग प्रशासनिक क्षेत्र के सूचना मंत्री जेम्स मोनीलुआक ने बताया कि रविवार को अबीमनोम काउंटी में हुए हमले में 90 नागरिकों सहित कई लोग मारे गए। मृतकों में महिलाओं और बच्चों के साथ-साथ दर्जनों लड़ाके भी शामिल थे। दक्षिण सूडान में संयुक्त राष्ट्र मिशन ने एक बयान में कहा कि हिंसा के बाद 1,000 लोगों ने उसके अड्डे पर शरण ली। यूएन मिशन इन साउथ सूडान की अधिकारी अनीता किकी गबेहो ने कहा कि इस तरह की हिंसा से आम नागरिकों को गंभीर खतरा है और इसे तुरंत बंद किया जाना चाहिए। मैं इसमें शामिल सभी लोगों से आग्रह करती हूं कि वे बिना देरी किए शत्रुता समाप्त करें और अपनी शिकायतों के समाधान के लिए रचनात्मक बातचीत में शामिल हों। उन्होंने कहा कि हमारे शांति सैनिक हमारे अड्डे पर शरण लेने वाले नागरिकों की रक्षा के लिए अपनी क्षमताओं के भीतर हरसंभव प्रयास करना जारी रखेंगे। बयान में रुवेंग में हुए हमले में 23 लोगों के घायल होने का जिक्र किया गया है।

तालिबानी लड़ाकों ने अफगान सीमा के पार कई हमले किए

हेरात। अफगानिस्तान के हेरात प्रांत के आसमान में रविवार रात को पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों को उड़ते देखे जाने की रिपोर्ट है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ये लड़ाकू विमान तालिबान के ठिकानों की निगरानी कर रहे थे। अफगान इंटरनेशनल में प्रकाशित एक समाचार के अनुसार तालिबान के एक अधिकारी ने पत्रिका प्रांत के बरमल जिले में अंगूर अड्डा सीमा चौकी पर पाकिस्तानी ठिकानों पर हमले की जानकारी दी है। तालिबान सरकार के सूचना एवं संस्कृति मंत्रालय के प्रमुख अहमदुल्ला मुत्ताकी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया है, जिसमें तालिबान लड़ाके पाकिस्तानी चौकियों पर हमले करते दिख रहे हैं।

जहरीली गैस का हुआ रिसाव 2600 को सुरक्षित निकाला

पालघर, एजेंसी

● महाराष्ट्र के पालघर जिले में एक रासायनिक ईकाई में हुई घटना

महाराष्ट्र में पालघर जिले के एक औद्योगिक क्षेत्र में स्थित एक रसायनिक इकाई से सोमवार दोपहर को ओलियम (फ्यूमिंग सल्फ्यूरिक एसिड) गैस का रिसाव हुआ, जिसके बाद 1600 स्कूली छात्रों समेत 2600 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया।

अधिकारियों ने बताया कि तीन लोगों को आंखों में मामूली जलन की शिकायत हुई। उन्होंने बताया कि मुंबई के बाहरी इलाके में बोइसर एमआईडीसी क्षेत्र में स्थित इकाई के पांच किलोमीटर के दायरे में ओलियम (फ्यूमिंग सल्फ्यूरिक एसिड) गैस का रिसाव हुआ, जिसके चलते एहतियात के तौर पर लोगों को वहां से निकाला गया। अपराह्न करीब दो बजे भगेरिया इंडस्ट्रीज लिमिटेड की इकाई में हुए रिसाव से सफेद धुआं का एक घना बादल बन गया जो हवा की गति के कारण तेजी से फैल गया, जिससे औद्योगिक क्षेत्र में रहने वाले निवासियों और श्रमिकों के बीच दहशत फैल गई। गैस रिसाव के कारणों का तत्काल पता नहीं चल पाया है। व्यक्तिगत रूप से स्थिति पर नजर रख रही पालघर जिले की कलेक्टर डॉ. इंदु रानी जाखड़ ने कहा कि आपदा प्रबंधन योजना को तुरंत सक्रिय कर दिया गया है। प्रशासन ने बताया कि यह रिसाव 2,500 लीटर क्षमता वाले ओलियम डे टैंक से हुआ।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष — आज नई परियोजनाओं में धन निवेश कर सकते हैं। नई स्किल को सीखने का प्रयास करेंगे। प्रेम संबंधों का तनाव दूर होगा।

तुला — आज साझेदारी वाले व्यवसाय में आपको लाभ हो सकता है। अपने काम पर फोकस करेंगे। सरकारी कार्यों में आपको सफलता मिलेगी।

वृष — आज दिनचर्या अस्त-व्यस्त न रखें। अनैतिक कार्यों से दूरी बनाकर रखें। मन में किसी कारण दबाव रहेगा।

वृश्चिक — आज नए काम में मन लगेगा। वैवाहिक संबंधों में परस्पर सम्मान का भाव बढ़ेगा। व्यवसाय में सुगमता रहेगी।

मिथुन — आज जॉब में स्थानांतरण हो सकता है। आपकी दिनचर्या अनुशासित रहेगी। व्यवसाय में आय बढ़ सकती है।

धनु — आज शेयर मार्केट में निवेश लाभकारी होगा। अधिकारी आपसे अत्यधिक प्रसन्न रहेंगे। मन में अध्यात्मिक विचार जन्म लेंगे।

कर्क — आज पुराने मित्रों से चर्चा होगी। आपको आत्मनिरीक्षण करने का अवसर मिलेगा। महत्वपूर्ण कार्य किसी कारणवश टल सकते हैं।

मकर — आज छोटी-छोटी बातों को लेकर परेशान न हों। अधिक गर्म व ठंडे खाद्य पदार्थों का सेवन न करें। अपच की समस्या हो सकती है।

सिंह — आज आपका मन प्रसन्न रहेगा। आध्यात्मिक विचारों के प्रभाव में रहेंगे। खर्च की तुलना में आपकी आय बढ़ेगी।

कुंभ — आज आपकी जीवनशैली बहुत अच्छी रहेगी। व्यापार में अपनी उन्नति से संतुष्ट रहेंगे। धन की कमी दूर होगी।

कन्या — आज कार्यक्षेत्र में अधिकारी वर्ग से बहस न करें। आपको अपने सम्मान की चिंता रहेगी। लंबी दूरी की यात्रा करने से बचें।

मीन — आज युवा करियर को लेकर निर्णय ले सकते हैं। सहकर्मियों के माध्यम से आपको धन-लाभ होगा। दूसरों के मामलों में हस्तक्षेप न करें।

आज का पंचांग

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी

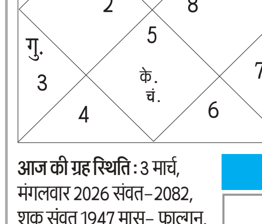

आज की ग्रह स्थिति : 3 मार्च, मंगलवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- फाल्गुन, पक्ष-शुक्ल पक्ष, पूर्णिमा 17 .07 तक तत्पश्चात प्रतिपदा।

दिशाशूल- उत्तर, **ऋतु**- वसंत।
चन्द्रबल- मिथुन, सिंह, तुला, वृश्चिक, कुंभ, मीन।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- मघा 07 .31 तक तत्पश्चात पूर्वाफाल्गुनी।

सुडोकू - 77 का हल

9	3	8	6	7	5	1	4	2
7	5	1	9	4	2	3	6	8
6	4	2	1	8	3	9	7	5
3	2	5	7	1	8	6	9	4
8	6	4	3	2	9	7	5	1
1	7	9	4	5	6	8	2	3
5	1	7	8	9	4	2	3	6
4	9	6	2	3	1	5	8	7
2	8	3	5	6	7	4	1	9

सुडोकू -78

		3		9		1		2
		5					7	
8				1		4		
6			4	2			5	
9		2				6		3
	4			5	6			
		1		3				9
	6					8		
2		4		6		5		

स्तन कैंसर

आईआईटी मद्रास और कारकिनोस हेल्थकेयर के संयुक्त शोध में मिली जानकारी

भारत में चार में से एक मरीज को विरासत में मिला जोखिम

चेन्नई, एजेंसी

● 497 रोगियों के जर्मलाइन डीएनए का किया विश्लेषण

भारत में चार में से एक स्तन कैंसर मरीजों को इस बीमारी से संबंधित आनुवंशिक जोखिम विरासत में मिलता है। आईआईटी-मद्रास और कारकिनोस हेल्थकेयर की एक संयुक्त रिसर्च में यह खुलासा हुआ है। यह भारत में हुए सबसे बड़े स्तन कैंसर जीनोमिक अध्ययनों में से एक है। चेन्नई का कुमार अस्पताल और चेन्नई स्तन केन्द्र भी इस अध्ययन में शामिल थे।

अध्ययन ने खुलासा किया है कि भारत के 25 प्रतिशत स्तन कैंसर मरीजों में कैंसर के जोखिम से जुड़ा वंशानुगत आनुवंशिक रूप मौजूद होता है। इनमें से कैंसर के ज्यादातर रूप (वेरिएंट) जाने-माने बीआरसीए1 और बीआरसीए2 जीन से अलग होते हैं।

इस अध्ययन पत्र को आईआईटी-मद्रास के बायोटेक्नोलॉजी विभाग के जॉन पीटर, जयलक्ष्मी जोथी, अवराजित चक्रवर्ती, एस महालिंगम, कार्किनोस हेल्थकेयर से बानी जॉली, राजदीप राहा, विनोद स्कारिया, श्रीधर सिवासुब्बू, कुमारन हॉस्पिटल, चेन्नई के ऑन्कोलॉजी विभाग के स्वामीनाथन गणपति रमन और चेन्नई स्तन केन्द्र के सेल्वी राधाकृष्णन ने मिलकर लिखा है। अध्ययन के तहत 479 स्तन कैंसर रोगियों के जर्मलाइन डीएनए का विश्लेषण किया गया, जिनके नमूने आईआईटी मद्रास स्थित नेशनल कैंसर टिश्यू बायोबैंक से प्राप्त किये गये थे। इसे देश में तैयार अब तक के सबसे व्यापक वंशानुगत स्तन कैंसर डाटासेट में से एक बताया गया है। यह अध्ययन भारत कैंसर जीनोम एटलस का हिस्सा बन गया है, जिसे भारत का पहला और सबसे बड़ा मुक्त-स्रोत कैंसर जीनोम डाटा संसाधन माना जा रहा है। अध्ययन दल ने 97 कैंसर संवेदनशीलता जीनों की जांच की, जिनमें बीआरसीए1, बीआरसीए2 और होमोलॉगस रिकॉम्बिनेशन रिपेयर पाथवे से जुड़े 15 जीन शामिल थे। जीन परिवर्तनों का वर्गीकरण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकृत एसीएमजी/एएमपी दिशानिर्देशों के अनुरूप किया गया। शोध में पाया गया कि 24.6 प्रतिशत रोगियों में एक रोगकारी या संभावित रोगकारी जीन परिवर्तन मौजूद था। इनमें से केवल 8.35 प्रतिशत में बीआरसीए1 या बीआरसीए2 जीन परिवर्तन मिले, जबकि 11.9 प्रतिशत रोगियों में होमोलॉगस रिकॉम्बिनेशन रिपेयर पाथवे से जुड़े अन्य जीनों में वंशानुगत परिवर्तन पाए गए।

कई जीन दक्षिण एशियाई आबादी के लिए विशिष्ट

शोधकर्ताओं ने यह भी पाया कि कई रोगकारी जीन परिवर्तन भारतीय या दक्षिण एशियाई आबादी के लिए विशिष्ट हैं और वैश्विक डाटाबेस में या तो अनुपस्थित हैं या अत्यंत दुर्लभ हैं। अध्ययन में दवा संबंधी जीन संकेतकों का भी आकलन किया गया, जो कीमोथेरेपी की सुरक्षा को प्रभावित कर सकते हैं। साथ ही वैश्विक आबादी से तुलना के लिए जिनोमैड डाटाबेस का उपयोग किया गया। शोधकर्ताओं का कहना है कि निष्कर्ष भारत और दक्षिण एशिया के लिए विशिष्ट जीन वेरिएंट डाटाबेस और व्याख्या ढांचे की आवश्यकता को रेखांकित करते हैं।

राष्ट्रपति लूला के खिलाफ ब्राजील में धरना-प्रदर्शन

रियो डी जिनेरियो। ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोलसोनारो के हजारों समर्थकों ने रविवार को कई शहरों में प्रदर्शन किया, जिसका उद्देश्य आगामी राष्ट्रपति चुनाव में दक्षिणपंथी नेता की जीत के लिए माहौल तैयार करना है। राष्ट्रीय ध्वज के रंगों- पीले और हरे रंगों के कपड़े पहने प्रदर्शनकारी साओ पाउलो, रियो डी जिनेरियो और राजधानी ब्रासीलिया की सड़कों पर उतरे और मौजूदा राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा के खिलाफ नारे लगाए। लूला को अक्टूबर में होने वाले चुनाव में कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ सकता है। पूर्व राष्ट्रपति के बेटे फ्लावियो बोलसोनारो ने इंस्टाग्राम पर कहा, यह साल सभी ब्राजीलियाई नागरिकों के लिए निर्णायक होगा।

“हम सेमीफाइनल का इंतजार कर रहे है। हम मैच के दौरान छोटे-छोटे पलों को भुनाने के बारे में बात करते है और हमें उम्मीद है कि हम कुछ दिनों के बाद खेले जाने वाले फाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगे।

-डेरिल मिचेल

हाईलाइट

न्यूजीलैंड चीजों को जरूरत से ज्यादा बड़ा नहीं बनाता : मिचेल

कोलकाता। आक्रामक बल्लेबाज डेरिल मिचेल ने सोमवार को कहा कि न्यूजीलैंड चीजों को जरूरत से ज्यादा बड़ा नहीं बनाता और टीम को टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में भारत में खेलने के हालिया अनुभव से फायदा होगा। न्यूजीलैंड बुधवार को कोलकाता के ईडन गार्डन्स में पहले सेमीफाइनल में पिछली बार की उपविजेता दक्षिण अफ्रीका से भिड़ेगा। मिचेल ने कहा कि ब्लैक कैप्स को मैदान के अंदर और बाहर किस तरह काम करना है, इसे लेकर पूरी स्पष्टता है। उन्होंने न्यूजीलैंड क्रिकेट से कहा हम टीम के तौर पर कैसे खेलना चाहते हैं, इसे लेकर पूरी तरह स्पष्ट हैं। हम चीजों को जितना है उससे बड़ा नहीं बनाते लेकिन सेमीफाइनल में पहुंचने को लेकर बेहद उत्साहित हैं और खुद को भाग्यशाली मानते हैं।

घुड़सवार अनुष ने शानदार प्रदर्शन किया

नई दिल्ली। भारतीय घुड़सवार अनुष अग्रवाला ने अपने घोड़े फ्लोरियाना के साथ बेल्जियम ड्रेसेज स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन किया जिससे उन्होंने आने वाले एशियाई खेलों के लिए अपनी क्वालीफिकेशन यात्रा शुरु की। अग्रवाला ने शनिवार को अपने आठ साल के घोड़े फ्लोरियाना के साथ ऑर्डर में 14वें नंबर से शुरुआत करते हुए 68.85 प्रतिशत के शानदार स्कोर से आत्मविश्वास से भरा प्रदर्शन दिया जिससे वह कुल मिलाकर चौथे नंबर पर रहे। वह रविवार को अपने 10 साल के घोड़े फ्लिन के साथ लौटे जिसमें उन्होंने पांचवें नंबर से शुरुआत की और इसमें और भी बेहतर प्रदर्शन देते हुए 70 .3 प्रतिशत का व्यक्तिगत स्कोर हासिल किया। 70 प्रतिशत का स्कोर हासिल करना दबाव में निरंतरता और संयम दिखाता है।

250 जिलों में एथलेटिक्स प्रतियोगिताएं होंगी

नई दिल्ली। खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे ने सोमवार को घोषणा की कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर आठ और नौ मार्च को देश भर के 250 जिलों की दो लाख से अधिक लड़कियां 'अस्मिता' एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेंगी। खडसे ने भारत की 2036 ओलंपिक की दावेदारी को मजबूत करने के लिए खेलों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने की वकालत की। यह खेल मंत्रालय की पहल का एक हिस्सा है जो अहमदाबाद में 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों और भारत के ओलंपिक मेजबान बनने की कोशिश को ध्यान में रखते हुए देश भर में महिला तकनीकी अधिकारियों का एक पूल बनाने की भी शुरुआत करेगा।

भारतीय रेसिंग प्रतिभा अतिका ने इतिहास रचा

वालेंशिया। भारतीय रेसिंग प्रतिभा अतिका मीर ने 'चैंपियंस ऑफ द फ्यूचर अकादमी (सीओएफटीए) कार्टिंग सीरीज' के यूरोपीय चरण में पोडियम स्थान हासिल कर इतिहास रच दिया। ग्यारह साल की अतिका ओकेएनजे (जूनियर) वर्ग में तीसरे स्थान पर रही। वह इस रेस में पोडियम पर जगह बनाने वाले पहली भारतीय रेसर है। यह उनके अब तक के करियर की सबसे बड़ी उपलब्धि है। एफवन अकादमी के समर्थन पाने वाली पहली भारतीय अतिका ने ग्रिड में नौवें स्थान से शुरुआत करते हुए शुरुआती रेस में तीसरा और दूसरी रेस में दूसरा स्थान हासिल किया।

मैंने फोन और सोशल मीडिया बंद कर दिया और अंतरात्मा की आवाज सुनी : सैमसन

टी-20 विश्व कप : खराब फॉर्म के दौर में भी नहीं गिरने दिया अपना आत्मविश्वास

कोलकाता, एजेंसी

भारत के सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन ने अपने फोन और सोशल मीडिया अकाउंट बंद कर दिए ताकि खराब फॉर्म के दौर में भी उनका आत्मविश्वास न डगमगाए और आखिर में उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 विश्व कप के करो या मरो मैच में मैच विजेता पारी खेलकर लय हासिल कर ली। सैमसन ने रविवार को यहां खेले गए सुपर आठ के मैच में 50 गेंदों में 97 रन बनाए, जिसमें 12 चौके और चार छक्के शामिल हैं। उनकी इस पारी की बदौलत भारत ने जीत हासिल करके सेमीफाइनल में जगह बनाई।

सुपर आठ के पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका से भारत की करारी हार के बाद इस 31 वर्षीय खिलाड़ी को सलामी बल्लेबाजी के रूप में अंतिम एकादश में शामिल किया गया था। सैमसन ने रविवार को यहां भारत की पांच विकेट से जीत के बाद स्टार स्पोर्ट्स से कहा मैंने अपने शॉट चयन पर लगातार काम किया। मैं बहुत अधिक बदलाव नहीं करना चाहता था क्योंकि मुझे पता था कि मैंने उसी तरह से खेलते हुए पहले अच्छा प्रदर्शन किया है। इसलिए मैंने खुद पर भरोसा बनाए रखा, अपना फोन बंद कर दिया, सोशल मीडिया से दूर रहा और अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनी। मुझे खुशी है कि मैंने एक ऐसे मैच में अच्छा प्रदर्शन किया जो बहुत खास था। सैमसन ने असल में अकेले दम पर भारत को लक्ष्य तक पहुंचाया। इस बीच उन्हें कप्तान सूर्यकुमार यादव (18) और तिलक वर्मा (27) का कुछ साथ मिला। उन्होंने कहा यह थोड़ा मुश्किल लक्ष्य था। हमारी बल्लेबाजी की मजबूती को देखते हुए मुझे लग रहा था कि ईडन गार्डन्स में ओस पड़ने पर 196 रन के लक्ष्य का पीछा करना थोड़ा आसान हो जाएगा, लेकिन नियमित अंतराल पर विकेट गिरने से यह चुनौतीपूर्ण हो गया। सैमसन ने कहा यहीं पर मेरे अनुभव ने अहम भूमिका निभाई। मुझे अच्छी शुरुआत मिली, लेकिन जब विकेट गिरते रहे तो मुझे लगा कि मुझे मैच का सकारात्मक अंत करना होगा। उन्होंने कहा आप हमेशा ऐसा प्रदर्शन करना चाहते हैं लेकिन हमेशा ऐसा नहीं होता है। इसलिए मुझे खुशी है कि इस मैच में मैंने अच्छा प्रदर्शन किया। जब आप दबाव वाली परिस्थितियों में लक्ष्य का पीछा कर रहे होते हैं तो आप अलग-अलग विकल्प अपनाते हैं और जोखिम भरे विकल्पों पर विचार करने के बजाय अधिक बाउंड्री लगाते हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में निराशाजनक प्रदर्शन के बारे में बात करते हुए सैमसन ने अपनी तकनीक में किए गए बदलावों के बारे में बताया। उन्होंने कहा यह मानवीय प्रकृति है कि हम अक्सर नकारात्मक सोच से शुरुआत करते हैं, जैसे क्या मैं ऐसा कर सकता हूं। मुझे नहीं लगता कि मैं ऐसा कर सकता हूं।'' जब भी मेरे मन में ऐसे विचार आते हैं तो मैं उन्हें सकारात्मक विचार से बदलने की कोशिश करता हूं। न्यूजीलैंड के खिलाफ मैं अच्छा प्रदर्शन करना चाहता था लेकिन चीजें मेरे अनुकूल नहीं रही। सौभाग्य से मुझे 10 दिन का समय मिल गया। सैमसन ने कहा मैंने आत्ममंथन किया। मैंने अपनी बुनियाद पर काम किया कि मैंने खुद को कैसे तैयार किया था। बहुत से लोगों ने सुझाव दिए मैंने खुद से कहा कि ''संजू, तुमने इसी प्रारूप में तीन अंतरराष्ट्रीय शतक लगाए हैं। जब सैमसन से पूछा गया कि कोलकाता में खेली गई उनकी पारी उनके लिए क्या मायने रखती है, तो उन्होंने कहा कि वह खुद को भाग्यशाली मानते हैं कि वह उस सपने को जी रहे हैं जिसे उन्होंने बचपन से संजोकर रखा है। उन्होंने कहा भारत में सौ से अधिक क्रिकेटर ऐसे दिन का सपना देखते हैं। मैंने सपना देखने की हिम्मत की। केरल के त्रिवेंद्रम का एक युवा लड़का देश के लिए खेलने और इतने महत्वपूर्ण मैच में जीत हासिल करने का सपना देख रहा था। मैंने सपना देखने की हिम्मत की और यह सच हो गया।

सभी चाहते थे कि संजू अच्छा प्रदर्शन करे

नई दिल्ली। अपने जमाने के दिग्गज बल्लेबाज सुनील गावस्कर का कहना है कि संजू सैमसन इतने अच्छे इंसान हैं कि हर कोई चाहता है कि वह अच्छा प्रदर्शन करें और वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 विश्व कप में खेली गई उनकी निर्णायक पारी ने उनके प्रशंसकों पर से भी दबाव कम कर दिया होगा। सैमसन ने रविवार रात कोलकाता में वेस्टइंडीज के खिलाफ मैच में नाबाद 97 रन बनाकर फॉर्म में वापसी की। गावस्कर ने स्टार स्पोर्ट्स के एक कार्यक्रम में कहा 97 रन की इस नाबाद पारी ने न सिर्फ संजू सैमसन पर से बड़ा बोझ हटा दिया है बल्कि उन लोगों पर से भी बोझ उतार दिया है जो जानते हैं कि वह कितने बेहतरीन खिलाड़ी रहे हैं। उनके करियर में उतार-चढ़ाव आए हैं। वह बहुत ही अच्छे इंसान हैं। हर कोई चाहता है कि वह अच्छा प्रदर्शन करें। विश्व कप से पहले सैमसन का प्रदर्शन खराब रहा था। वह बड़ी पारी नहीं खेल पा रहे थे।

गावस्कर ने कहा सभी भारतीय प्रशंसक इस बात से खुश होंगे कि इस ईमानदार क्रिकेटर को वह सफलता मिली है जिसका वह हकदार है। अब भारत गुरुवार को मुंबई में सेमीफाइनल में इंग्लैंड का सामना करेगा। गावस्कर ने कहा करो या मरो के मैच में मैन ऑफ द मैच बनना सपना सच होने जैसा है। मैच विजेता पारी खेलने के बाद संजू के चेहरे पर भाव साफ झलक रहे थे। वह शतक से सिर्फ तीन रन दूर थे और अगर वह शतक तक पहुंच जाते तो यह शानदार होता।

संजू को सफेद गेंद की टीम में नियमित खेलना चाहिए

कोलकाता, एजेंसी

- पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने सैमसन का किया समर्थन

पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने सोमवार को संजू सैमसन को भारत की सफेद गेंद की टीमों में नियमित रूप से शामिल किए जाने का समर्थन किया और टी20 विश्व कप से पहले इस आक्रामक विकेटकीपर-बल्लेबाज की आलोचना पर हैरानी व्यक्त की। सैमसन की 50 गेंद में नाबाद 97 रन की पारी से भारत ने रविवार को यहां वेस्टइंडीज के खिलाफ वर्चुअल क्वार्टरफाइनलमें 196 रन के लक्ष्य का पीछा किया। इसे एक शानदार पारी बताते हुए गांगुली ने कहा वह बहुत अच्छा खिलाड़ी है। उसे सफेद गेंद के क्रिकेट में भारत के लिए लगातार खेलना चाहिए, शत प्रतिशत।

उन्होंने कहा यह मुकाबला लगभग क्वार्टर फाइनल जैसा था और 97 रन पर नाबाद रहना उसके कौशल को दिखाता है। वह इस तरह का खिलाड़ी है। जब वह मैदान में उतरता है तो विरोधी टीम को नुकसान पहुंचाता है। सैमसन ने यह पारी उस दिन खेली जब भारत के मुख्य बल्लेबाज अभिषेक शर्मा, ईशान किशन, कप्तान सूर्यकुमार यादव और हार्दिक पंड्या सस्ते में आउट हो गए। लेकिन सैमसन ने दबाव से अच्छी तरह निपटते हुए आखिर तक बिना किसी जोखिम के बल्लेबाजी की।

गांगुली ने आगे कहा वह परिस्थिति के हिसाब से खेला और यह जरूरी था। इससे हम सभी को यह सीख मिलती है कि यह वही लड़का है जो पिछले छह महीनों में टीम में अपनी जगह नहीं बना पाया, भले ही ईशान किशन पारी का आगाज कर रहा हो या कोई और आ रहा हो। उन्होंने कहा विश्व कप से ठीक पहले मैं अखबार में पढ़ता था कि संजू फिर विफल हो गया वह टीम में शामिल होने का हकदार नहीं भारत में इतनी प्रतिभा है, शुभमन गिल टीम में क्यों नहीं है? और फिर यही लड़का क्वार्टरफाइनल जैसे मैच 97 रन बनाकर नाबाद रहता है और आपको सेमीफाइनल में पहुंचा देता है। गांगुली ने यह भी कहा कि इंग्लैंड की टीम वेस्टइंडीज से ज्यादा मुश्किल होगी और कहा कि मुंबई में सेमीफाइनल की मुश्किल पार करने के लिए घरेलू टीम को अपनी बेहतरीन फॉर्म बनाए रखनी होगी।

“इंग्लैंड की टीम वेस्टइंडीज से ज्यादा मजबूत प्रतिद्वंद्वी होगी। उन्हें वैसा ही खेलना होगा जैसा उन्होंने कल के मैच में जीत दिलाई थी। भारत के लिए सबसे अच्छी बात यह रही है कि टी20 विश्व कप से पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ निराशाजनक सीरीज के बाद संजू सैमसन ने शीर्ष क्रम में फॉर्म में वापसी की है।

- सौरव गांगुली

सेमीफाइनल	
टीम	तारीख
न्यूजीलैंड बनाम द. अफ्रीका	4 मार्च
भारत बनाम इंग्लैंड	5 मार्च
फाइनल	
सेमीफाइनल विजेता टीम	8 मार्च

क्रिकेट एक टीम गेम है : गंभीर

कोलकाता, एजेंसी

- कई वर्षों से हम सिर्फ कुछ खास योगदान की ही बात करते आए हैं

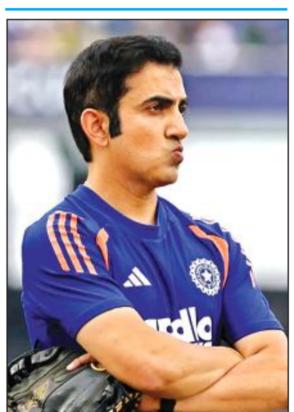

गौतम गंभीर का मानना है की टीम गेम में प्रत्येक खिलाड़ी का छोटा या बड़ा योगदान महत्वपूर्ण होता है लेकिन भारतीय क्रिकेट में लंबे समय से इसका अभाव रहा है। भारत के मुख्य कोच ने कहा कि अगर शिवम दुबे ने रविवार को वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 विश्व कप के मैच में 19वें ओवर दो चौके नहीं लगाए होते तो संजू सैमसन की 97 रन की मैच विजेता पारी की कोई बात नहीं कर रहा होता।

गंभीर ने कहा कि जब तक वह कोच हैं, प्रत्येक खिलाड़ी के योगदान का पूरे सम्मान के साथ उल्लेख किया जाएगा। गंभीर ने पत्रकारों से कहा मुझे खुशी है कि आप सभी के योगदान के बारे में बात कर रहे हैं क्योंकि कई वर्षों से हम केवल कुछ विशेष योगदानों के बारे में ही बात करते रहे हैं। यह एक टीम गेम है और यह हमेशा टीम गेम ही रहेगा। उन्होंने कहा मेरे लिए शिवम के दो चौके भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं जितने संजू के 97 रन, क्योंकि अगर उसने वे दो चौके नहीं लगाए होते तो आप उस (97 रन की पारी) के बारे में बात भी नहीं करते।''''

गंभीर ने कहा बड़ा योगदान सुर्खियां बटोरता है, लेकिन छोटा योगदान भी महत्वपूर्ण होता है क्योंकि वह टीम को जीत दिलाने में मदद कर सकता है, उसे लक्ष्य तक पहुंचा सकता है। इसीलिए मैं कहता हूं कि जब तक मैं इस पद पर हूं, हमारी आगे भी यही नीति रहेगी। दुनिया भर के कोच आंकडों (डेटा) को महत्वपूर्ण मानते हैं लेकिन इनमें गंभीर शामिल नहीं हैं। उन्होंने कहा सच कहूं तो मुझे आंकड़ों पर भरोसा नहीं है। मैंने कभी आंकड़े देखे ही नहीं। मुझे तो यह भी नहीं पता कि आंकड़े होते क्या हैं। मैं उन पर बिल्कुल भी विश्वास नहीं करता, क्योंकि मुझे लगता है कि वे अधिकतर सहज ज्ञान पर आधारित होते हैं। गंभीर की यह टिप्पणी आश्चर्यजनक थी क्योंकि टीम डेटा विश्लेषक हरि प्रसाद पर काफी हद तक निर्भर रहती है।

भारतीय कोच ने कहा टी20 क्रिकेट में सहज ज्ञान और उस सहज ज्ञान पर भरोसा करना ही सब कुछ है। खेल और टी20 प्रारूप के बारे में मुझे जो भी जानकारी है, मैं उसे कप्तान को देने और जितना हो सके उनकी मदद करने की कोशिश करता हूं। उन्होंने कहा लेकिन आखिर में फैसला कप्तान को करना होता है लेकिन ईमानदारी से कहूं तो मुझे आंकड़ों पर कोई विश्वास नहीं है क्योंकि इन्हें बहुत बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जाता है। मेरे लिए यह बहुत सौभाग्य की बात है कि हमारे पास विश्वस्तरीय खिलाड़ी हैं। इंग्लैंड के खिलाफ मुंबई में होने वाले सेमीफाइनल के बारे में गंभीर ने कहा उनकी (इंग्लैंड) टीम एक विश्वस्तरीय टीम हैं। उनके पास कई बेहतरीन खिलाड़ी भी हैं और हम सभी जानते हैं कि वानखेड़े में खेलना आसान नहीं होता है। उम्मीद है कि हम अच्छा प्रदर्शन करेंगे।

जहीर के बाद भज्जी से संपर्क किया बीसीसीआई ने

कोलकाता। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने खिलाड़ियों की अगली पीढ़ी को तैयार करने में मदद के लिए अपने पूर्व क्रिकेटरों से संपर्क किया है। इसमें पूर्व भारतीय दिग्गज जहीर खान और हरभजन सिंह शामिल हैं। उनसे बेंगलुरु स्थित 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' (सीओई) में विशेष शिविरों में अपनी सेवाएं देने के लिए कहा है।

बीसीसीआई ने इन शिविरों के कुछ खिलाड़ियों की सूची तैयार की है। इस सूची में ऐसे खिलाड़ी शामिल किए गए हैं जो भविष्य में भारत की तरफ से खेल सकते हैं। इन खिलाड़ियों में आयु वर्ग और प्रथम श्रेणी क्रिकेट के अलावा भारत ए और भारत की सीनियर टीम की तरफ से कुछ मैच खेलने वाले खिलाड़ी शामिल हैं।

बाएं हाथ के तेज गेंदबाज जहीर खान युवा तेज गेंदबाजों के साथ पांच दिवसीय शिविर के लिए पहले ही बेंगलुरु पहुंच चुके हैं। ये युवा गेंदबाज सीनियर टीम में जगह बनाने के करीब हैं या उसके लिए कुछ मैच खेल चुके हैं। सीओई के प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण ने इससे सुखद परिणाम की उम्मीद जताई है।

मेसी के दो गोल से इंटर मियामी जीता

ऑरलैंडो, एजेंसी

लियोनेल मेसी ने दूसरे हाफ में दो गोल किए, जबकि डिफेंडर टेलास्को सेगोविया ने एक गोल करने के अलावा दो गोल करने में मदद की जिससे मौजूदा चैंपियन इंटर मियामी ने एमएलएस फुटबॉल टूर्नामेंट में ऑरलैंडो सिटी को 4-2 से हराकर इंटर एंड कंपनी स्टेडियम में पहली बार जीत हासिल की।

पहले हाफ में दो गोल से पिछड़ने के बाद मियामी की तरफ से पहला गोल दूसरे हाफ के चौथे मिनट में माटेओ सिल्वेट्टी ने किया। मेसी ने सेगोविया से पास लेकर 57वें मिनट में अपना पहला गोल किया और इंटर मियामी को 2-2 से बराबरी पर ला दिया। सेगोविया ने 85वें मिनट में गोल करके मियामी को बढ़त दिलाई। मेसी ने 90वें मिनट में फ्री किक पर गोल करके मियामी की जीत सुनिश्चित कर दी। अर्जेंटीना का यह स्टार खिलाड़ी इस तरह से एमएलएस में 52 गोल कर चुका है। मार्को पासलिच ने इवान एंगुलो से पास पर 18वें मिनट में गोल करके ऑरलैंडो सिटी को 1-0 की बढ़त दिलाई। इसके बाद मार्टिन ओजेडा ने गोल किया जिससे ऑरलैंडो सिटी को 2-0 की बढ़त मिल गई।

ईरान का विश्व कप फुटबॉल में खेलना संदिग्ध

तेहरान, एजेंसी। ईरान के फुटबॉल महासंघ के अध्यक्ष मेहदी ताज ने कहा कि अमेरिका और इजरायल के उनके देश पर किए गए हमले के बाद वह पक्के तौर पर नहीं कह सकते कि उनकी टीम इस साल अमेरिका में होने वाले फीफा विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट में खेल पाएगी या नहीं। मेहदी ताज ने खेल पोर्टल वर्जेश3 से कहा निश्चित रूप से इस हमले के बाद हम विश्व कप में भाग लेने को लेकर उम्मीद की दृष्टि से नहीं देख सकते। अमेरिका और इजरायल के हमले के बाद ईरान ने भी जवाबी हमले किए। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद इस देश का भविष्य अनिश्चितता में डूब गया है और क्षेत्रीय अस्थिरता का खतरा बढ़ गया है।विश्व कप में ईरान को ग्रुप जी में रखा गया है और उसे इंग्लेवुड, कैलिफोर्निया में 15 जून को न्यूजीलैंड और 21 जून को बेल्जियम के खिलाफ मैच खेलने हैं। इसक बाद वह 26 जून को सिएटल में मिस्र के खिलाफ पहले दौर का अपना अंतिम मैच खेलेगा। विश्व कप फुटबॉल 11 जून से 19 जुलाई तक अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में खेला जाएगा।

विचार

दक्षिण अफ्रीका के टेस्ट व वनडे कप्तान बोले- क्रिकेट भद्रजनों का खेल है, हम इसी सोच के साथ बड़े हुए

हाथ नहीं मिलाने की नीति अच्छी नहीं लगती : तेम्बा बावुमा

नई दिल्ली, एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका के प्रेरणादायी टेस्ट और वनडे कप्तान तेम्बा बावुमा का मानना है कि अंतर्राष्ट्रीय मैचों के दौरान खिलाड़ियों द्वारा हाथ नहीं मिलाना खेल के लिए अच्छा संदेश नहीं देता। भारत और श्रीलंका में खेले जा रहे मौजूदा टी20 विश्व कप के कमेंट्री पैनल में शामिल बावुमा ने कहा भारत-पाकिस्तान मुकाबलों में 'नो हैंडशेक (हाथ नहीं मिलाने)' नीति के अलावा अन्य मुद्दों पर बात की। सामाजिक मुद्दों पर बेबाक राय रखने के लिए पहचाने जाने वाले 35 वर्षीय बल्लेबाज ने अपने देश में सभी को समान अवसर दिए जाने की जोरदार वकालत की और खेल को एकजुट करने वाली शक्ति पर भी बल दिया।

बावुमा ने कहा हां, अगर आप इसे बाहर से देखते हैं तो अच्छी नहीं लगती। यह क्रिकेट के खेल के लिए अच्छा नहीं दिखता। आखिरकार यह भद्रजनों का खेल है, हम इसी सोच के साथ बड़े हुए हैं कि हमसे एक खास व्यवहार की अपेक्षा की जाती है।

उन्होंने आगे कहा लेकिन जैसा मैंने कहा, यह बाहर से देखने का नजरिया है। मैं भारत और पाकिस्तान के बीच की राजनीति से पूरी तरह परिचित नहीं हूं, इसलिए उस दृष्टिकोण से कुछ नहीं कह सकता। लेकिन एक दर्शक के तौर पर, जो बिना पूरी पृष्ठभूमि जाने इसे देख रहा है, तो यह क्रिकेट के खेल के लिए अच्छा संदेश नहीं देता। दक्षिण अफ्रीका ने बावुमा की कप्तानी में पिछले साल जून में आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल के बाद भारत में 25 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद टेस्ट श्रृंखला में जीत दर्ज की थी। पिछले 12 महीनों में मिली बड़ी सफलताओं ने 'चोकर्स' के तमगे से भी काफी हद तक मुक्त कर टीम के आत्मविश्वास को नई ऊंचाई दी है।

पीसीबी ने टी-20 विश्व कप में खराब प्रदर्शन के लिए अपने खिलाड़ियों पर लगाया जुर्माना

इस्लामाबाद। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने टी-20 विश्व कप में खराब प्रदर्शन करने वाले सभी खिलाड़ियों पर 50 लाख पाकिस्तानी रुपये (लगभग 18000 अमेरिकी डॉलर) का जुर्माना लगाया है। पाकिस्तान इस टूर्नामेंट में सुपर आठ स्टेज के बाद टूर्नामेंट से बाहर हो गया और लगातार चौथी बार आईसीसी पुरुष टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में नहीं पहुंच पाया। पाकिस्तान के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है। क्रिकइनफो की रिपोर्ट के अनुसार जुर्माना डिसिप्लिनरी कारणों से नहीं है, बल्कि खास तौर पर बोर्ड के अनुसार टूर्नामेंट में खराब प्रदर्शन के लिए लगाया गया है। ये जुर्माना ग्रुप स्टेज में भारत के खिलाफ पाकिस्तान के मैच के तुरंत बाद लगाया गया था, जहां खराब प्रदर्शन के कारण 61 रन से हार मिली थी। उन्हें बताया गया था कि अगर पाकिस्तान टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचता है तो जुर्माना माफ किया जा सकता है। हालांकि, मौजूदा पीसीब प्रबंधन के पास बड़े टूर्नामेंट में निराशा के बाद सजा देने का यह तरीका है। पांच महीने पहले, एशिया कप फाइनल में भारत से मिली करीबी हार के बाद, पीसीबी ने खिलाड़ियों को दिए गए सभी नो-ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट को कुछ समय के लिए निलंबित कर दिया था।